3 राजधानी
मुफ्त बस सेवा से अयोध्या पहुंचे वृद्ध

6 अभिमत
भ्रष्टाचार का विकास पर प्रभाव

11 विदेश
चीन का यान चंद्रमा से नमूने लेकर लौटा

12 स्पोर्ट्स
अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वार्नर का सफर खत्म

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 243
लखनऊ, बुधवार, 26 जून, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भारत को सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण में निवेश करना चाहिए

राष्ट्रीय-10

नई पेंशन की अधिसूचना से पूर्व विज्ञापित पदों पर भर्ती कर्मचारियों को मिलेगी पुरानी पेंशन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) लागू किए जाने की अधिसूचना जारी होने से पूर्व नियुक्ति के लिए निकाले गए विज्ञापनों से भर्ती कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का विकल्प चुनने का मौका देगी। इससे संबंधित प्रस्ताव को मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दे दी गई। प्रस्ताव के मुताबिक उत्तर प्रदेश सरकार के कार्मिकों एवं परिषदीय विद्यालयों/शासन से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं/राज्य सरकार द्वारा अनुदानित स्वायत्तशासी संस्थाओं, जिनमें राज्य कर्मचारियों की पेंशन योजना की भांति पेंशन योजना लागू रही है और जिनका वित्त पोषण राज्य सरकार की समेकित निधि से किया जाता है, के ऐसे कार्मिक जिनकी नियुक्ति पहली अप्रैल 2005 को अथवा उसके उपरान्त हुई है, परन्तु उस नियुक्ति हेतु पद का विज्ञापन, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली लागू किये जाने सम्बन्धी अधिसूचना 28 मार्च 2005 के पूर्व प्रकाशित हो चुका था, को पुरानी पेंशन योजना में शामिल होने का विकल्प सरकार देगी। ज्ञातव्य है कि अधिसूचना संख्या-सा-3-379/दस-2005-301(9)-2003 28 मार्च, 2005 द्वारा यह प्रावधान किया गया है कि राज्य सरकार की सेवा में और ऐसे समस्त शासन के नियंत्रणाधीन स्वायत्तशासी संस्थाओं और शासन से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं, जिनमें राज्य कर्मचारियों की वर्तमान पेंशन योजना की भांति पेंशन योजना लागू है और उनका वित्त पोषण राज्य सरकार की समेकित निधि से किया जाता है, में 1 अप्रैल, 2005 अथवा उसके पश्चात कार्यभार ग्रहण करने वाले कर्मचारी राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से आच्छादित होंगे। केन्द्र सरकार के आदेश 3.3.2023 द्वारा यह आदेश निर्गत किये जा चुके हैं कि केन्द्र सरकार का ऐसा कोई कर्मचारी जिसकी नियुक्ति दिनांक 1.1.2004 को अथवा उसके उपरान्त, ऐसी किसी रिक्ति के सापेक्ष हुई है जिसका विज्ञापन केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली लागू किये जाने सम्बन्धी अधिसूचना 22.12.2003 के पूर्व हो चुका था, को पुरानी पेंशन योजना को चुनने का एक बार विकल्प दिया जायेगा।

पेपर लीक किया तो होगा आजीवन कारावास, एक करोड़ का जुर्माना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में परीक्षाओं को पारदर्शी और शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए योगी सरकार ने एक और अहम कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में आयोजित कैबिनेट बैठक में सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों और पेपर लीक की रोकथाम के लिए अध्यादेश को मंजूरी प्रदान की गई है। इस अध्यादेश के तहत उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सजा के कड़े प्राविधान सम्मिलित किए गए हैं, जिनमें 2 साल से लेकर आजीवन कारावास तक का दंड और एक करोड़ रुपए तक के जुर्माने को शामिल किया गया है। लोकभवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय मंत्री सुरेश खन्ना ने मंजूर किए गए प्रस्तावों के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट के समक्ष कुल 44 प्रस्ताव रखे गए थे, जिसमें 43 को कैबिनेट ने मंजूरी प्रदान की है। इसमें सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों और पेपर लीक रोकथाम अध्यादेश 2024 भी शामिल रहा। वित्त मंत्री ने बताया कि पेपर लीक के संबंध में मंत्रिपरिषद के द्वारा अध्यादेश के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया है, जिसमें सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों, पेपरलीक को रोकने, सॉल्वर गिरोह पर प्रतिबन्ध लगाने और उससे जुड़े और उसके आनुषंगिक मामलों का प्रावधान करने के उद्देश्य से भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 के खण्ड-(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अध्यादेश, 2024 का प्रख्यापन प्रस्तावित किया जा रहा है। (शेष पेज 9)

अयोध्या में बनेगा विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि अयोध्या में टाटा संस अपने सीएसआर फंड से भारतीय मंदिर संग्रहालय का निर्माण कराएगा। इस प्रस्ताव को भी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई। उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से टाटा संस कुल 750 करोड़ रुपए खर्च करेगा। यह संग्रहाल विश्वस्तरीय होगा। उन्होंने बताया कि टाटा संस द्वारा एक प्रस्ताव भारत सरकार के माध्यम से प्राप्त हुआ था,जिसमें सीएसआर फंड से 650 करोड़ की लागत से वो एक विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहलाय बनाने का कार्य करेंगे। 650 करोड़ के साथ-साथ साइड के डेवलपमेंट में 100 करोड़ रुपए खर्च करेंगे। कुल मिलाकर 750 करोड़ रुपए से भारतीय मंदिर संग्रहालय के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। इस मंदिर संग्रहालय के निर्माण का कार्य टाटा संस करेगा जबकि जमीन पर्यटन विभाग द्वारा एक रुपए की लीज पर उपलब्ध कराई जाएगी। यह लीज 90+90 वर्ष के लिए होगी। (शेष पेज 9)

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे आधुनिकयातायात प्रबंधन प्रणाली से लैस होगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को आधुनिक यातायात प्रबंधन प्रणाली (एटीएमएस) से लैस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने इस प्रक्रिया को क्रियान्वित करते हुए पात्रता के लिए अनुरोध(आरएफक्यू) व अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) के माध्यम से आवेदन मांगे हैं। बयान के मुताबिक, बुंदलखंड एक्सप्रेसवे को आईटीएमएस अनुकूल बनाने के लिए जो कार्ययोजना तैयार की गई है उसके अनुसार बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर यातायात प्रबंधन कमांड केंद्र की स्थापना होगी। इसके जरिए यातायात निगरानी व प्रबंधन प्रक्रिया को बल मिलेगा। यातायात प्रबंधन नियंत्रण (टीएमसी) यूनिट को 360 टेराबाइट रिकॉर्डिंग सर्वर स्टोरेज से युक्त किया जाएगा। बैकअप रिकॉर्डिंग के लिए भी 240 टेराबाइट की रिकॉर्डिंग स्टोरेज सर्वर युक्त होगा। टीएमसी यूनिट को फैसिलिटी मॉनिटरिंग सिस्टम कंट्रोलर, ग्राफिक डिस्पले, इंटरनेट व एसएमएस सर्वर, फाइबर चैनल होस्ट व यूएसबी जॉयस्टिक कंट्रोल्ड पीटीजेड कैमरों से युक्त किया जाएगा। इमरजेंसी टेलिफोन हेल्पलाइन कंसोल, स्टाफ के लिए आधार आधारित (शेष पेज 9)

लोकसभा में विपक्ष के नेता होंगे राहुल गांधी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगे। पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने लोकसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) भर्तृहरि महताब को पत्र भेज कर इस संबंध में कांग्रेस के फैसले के बारे में उन्हें अवगत कराया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर इंडिया गठबंधन के घटक दलों की नेताओं की बैठक के बाद कांग्रेस ने राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनाने के बारे में घोषणा की। विपक्षी दलों की बैठक में लोकसभा अध्यक्ष पद के चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई।

पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संवाददाताओं को बताया कि सोनिया गांधी ने पार्टी के इस फैसले के बारे में सूचित करते हुए लोकसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) भर्तृहरि महताब को पत्र भेजा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में संसदीय दल के अन्य पदों को लेकर फैसला बाद में होगा। राहुल गांधी को यह जिम्मेदारी मिलने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, 18वीं लोकसभा में लोकसभा सही मायनों में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करेगी। राहुल गांधी उनकी आवाज बन रहे हैं। उनका कहना था, कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में मुझे विश्वास है कि एक नेता जिन्होंने कन्याकुमारी से कश्मीर तक और मणिपुर से महाराष्ट्र तक पूरे देश का दौरा किया है, वह लोगों विशेषकर हाशिए पर रहने वाले और गरीबों की आवाज उठाएंगे। कांग्रेस पार्टी न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के अपने शाश्वत सिद्धांतों को कायम रखते हुए लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे हैं। उन्होंने मंगलवार को लोकसभा सदस्यता की शपथ ली। शपथ लेने के बाद उन्होंने जय हिंद, जय संविधान का नारा भी लगाया।

सेंसेक्स ने पहली बार लांघा 78,000 अंक का स्तर, निफ्टी भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा

मुंबई(भाषा) । एशियाई बाजारों के मजबूत रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सहित बड़ी कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से मंगलवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स ने पहली बार ऐतिहासिक 78,000 अंक के स्तर को पार किया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 712.44 अंक या 0.92 प्रतिशत उछलकर 78,053.52 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान सेंसेक्स 823.63 अंक या एक प्रतिशत बढ़कर 78,164.71 अंक के नए सर्वकालिक (शेष पेज 9)

लोकसभा के अध्यक्ष पद के लिए आज होगा चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सत्तारूढ़ भाजपा नीत राजग और कांग्रेस नीत विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष पद की उम्मीदवारी पर आम सहमति तक पहुंचने में विफल रहे। दोनों पक्ष अपने सदस्यों के लिए जोर दे रहे थे, जिससे संसद में इस महत्वपूर्ण पद के लिए पहली बार चुनाव करना पड़ेगा। एनडीए ने अपने पिछले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को अध्यक्ष पद के लिए मैदान में उतारा, जबकि विपक्ष ने कांग्रेस नेता कोडिकुन्निल सुरेश को अपने उम्मीदवार के रूप में नामित किया है। विपक्ष का अंतिम समय में चुनाव का निर्णय तब आया जब वरिष्ठ भाजपा नेता उसकी इस शर्त पर सहमत नहीं हुए कि बिड़ला को समर्थन देने के बदले में इंडिया ब्लॉक को उपाध्यक्ष पद की पेशकश की जानी चाहिए, जो किसी मामले में स्पष्ट रूप से पसंदीदा हैं। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि अध्यक्ष चुनने का निर्धारित दिन बुधवार है और यदि चुनाव होता है, तो यह लोकसभा के इतिहास में केवल तीसरी बार होगा।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस से आग्रह किया कि वह लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए जबरदस्ती चुनाव न लड़े क्योंकि पीठासीन अधिकारी किसी पार्टी का नहीं होता है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, मैं फिर से अपील करता हूं कि उन्हें अध्यक्ष पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए सोचना चाहिए। हमारे पास संख्याएं हैं लेकिन फिर भी हम अनुरोध कर रहे हैं कि अध्यक्ष पद के लिए कोई चुनाव नहीं होना चाहिए क्योंकि यह पद किसी पार्टी का नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अध्यक्ष पद पर सहमति के लिए पिछले दो दिनों में प्रमुख विपक्षी दलों से संपर्क किया है। हम चाहते हैं कि अध्यक्ष सर्वसम्मति से और निर्विरोध चुना जाए, इसलिए हमने उनसे संपर्क किया और उनसे अपील की। ??आज हमारी कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक हुई। हमने उनसे अध्यक्ष के लिए समर्थन की अपील की। ??उन्होंने कहा कि वे समर्थन करेंगे लेकिन वे चाहते हैं डिप्टी स्पीकर का पद। स्पीकर के चुनाव के लिए रणनीति तैयार करने के लिए इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने मंगलवार रात बैठक की, जबकि कांग्रेस ने कहा कि परंपरा के अनुसार विपक्ष को (शेष पेज 9)

एक दर्जन जिलों के डीएम व सात पुलिस कप्तानों के तबादले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार ने मंगलवार को एक दर्जन जिलों के डीएम और सात जिलों के पुलिस कप्तानों सहित आठ आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए। इस फेरबदल में सीतापुर के डीएम अनुज सिंह को डीएम मुरादाबाद, चित्रकूट के डीएम अभिषेक आनंद को डीएम सीतापुर, बांदा की डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को डीएम लखीमपुर खीरी, विशेष सचिव आयुष विभाग नगेंद्र प्रताप को डीएम बांदा, नगर आयुक्त कानपुर नगर शिवशरणप्पा जी.एन. को डीएम चित्रकूट, अपर महानिरीक्षक निबंधन एवं विशेष सचिव स्टाम्प रवीश गुप्ता को डीएम बस्ती, विशेष सचिव कृषि उत्पादन आयुक्त शाखा अजय कुमार द्विवेदी को डीएम श्रावस्ती, अपर राज्य परियोजना निदेशक सर्व शिक्षा अभियान मधुसूदन हुल्गी को डीएम कौशाम्बी, डीएम संभल मनीष बंसल को डीएम सहारनपुर, विशेष सचिव नगर विकास राजेंद्र पेन्सिया को डीएम संभल, उपाध्यक्ष सहारनपुर विकास प्राधिकरण आशीष कुमार को डीएम हाथरस और अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा मेधा रूपम को कासगंज का नया डीएम तैनता किया गया है। वहीं आईपीएस अधिकारियों में सहारनपुर के एसएसपी विपिन टाडा को एसएसपी मेरठ, मुरादाबाद के एसएसपी हेमराज मीना को एसपी आजमगढ़, बरेली के (शेष पेज 9)

नीट विवाद: माता-पिता और छात्रों तक पहुंचेगा पैनल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार की शाखा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट और नेट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं पर बढ़ते विवाद के बीच परीक्षा सुधारों पर हाल ही में गठित शिक्षा मंत्रालय के पैनल ने माता-पिता और छात्रों तक पहुंचने और परीक्षा प्रक्रिया के बारे में चुनौतियाँ को लेकर उनकी चिंताओं को समझने का फैसला किया है। यह निर्णय पूर्व इसरो प्रमुख आर राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाले सात सदस्यीय पैनल ने सोमवार देर शाम अपनी पहली बैठक में लिया। समिति को विभिन्न परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्रों की सेटिंग और अन्य प्रक्रियाओं से संबंधित मौजूदा सुरक्षा प्रोटोकॉल की जांच करने और सिस्टम की मजबूती बढ़ाने के लिए सिफारिशें करने का भी काम सौंपा गया है।

बैठक में मौजूद सूत्रों के मुताबिक, समिति ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की मौजूदा स्थिति और चुनौतियों का जायजा लिया। एक सूत्र ने कहा, पैनल को एजेंसी की मौजूदा प्रक्रियाओं और कामकाज से अवगत कराया गया। पैनल ने एनटीए द्वारा आयोजित कई परीक्षाओं और प्रत्येक परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों की संख्या के बारे में एनटीए द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर भी गौर किया। पैनल ने यह भी देखा कि कौन सी परीक्षाएं पेन और पेपर मोड में आयोजित की जाती हैं और कौन सी कंप्यूटर-आधारित टेस्ट (सीबीटी) के रूप में आयोजित की जाती हैं और दोनों मोड की बारीकियां क्या हैं।

राधाकृष्णन ने मंगलवार को मीडिया को जानकारी देते हुए कहा, हमारे लिए पहली प्राथमिकता देश में छात्रों और अभिभावकों से उनकी चिंताओं और सुझावों को जानना है। हम जहां तक संभव हो व्यक्तिगत रूप से या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से उनके साथ जुड़ने जा रहे हैं। हमारे लिए अगली प्राथमिकता परीक्षण शुरू करने के लिए शीघ्रता से एक मजबूत प्रणाली का निर्माण करना है। हम भविष्य पर भी विचार कर रहे हैं, विशेष रूप से इस देश में एक मजबूत प्रणाली, एक छेड़छाड़-रोधी प्रणाली, शून्य त्रुटि वाली प्रणाली और एक प्रणाली विकसित करने पर इसमें पर्याप्त लचीलेपन के साथ छात्रों के लिए कठिनाइयों और तनाव को कम किया जाएगा।

लखनऊ में मंगलवार को नीट रिजल्ट में कथित अनियमितता के विरोध में प्रदर्शन करते समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया।

माना जा रहा है कि अपनी बैठक के दौरान समिति ने साइबर सुरक्षा के मुद्दों और डार्कनेट द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर भी चर्चा की, जहां यूजीसी-नेट परीक्षा का प्रश्न पत्र पहली बार लीक हो गया था, जिसके कारण शिक्षा मंत्रालय को परीक्षा आयोजित होने के अगले दिन इसे रद्द करना पड़ा था। मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, पैनल द्वारा सुझाए गए सुधारों को अगले परीक्षा चक्र तक लागू किए जाने की संभावना है। यह एक बहुत बड़ा काम है और इसे पूरी तैयारी के साथ करना होगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई खामी न रहे, लेकिन यह अभी मंत्रालय की सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता भी है। पैनल दो महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंप देगा और हम एक कार्य योजना तैयार करेंगे। (शेष पेज 9)

कोर्ट ने केजरीवाल की जमानत पर लगाई रोक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के निचली अदालत के आदेश पर मंगलवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि निचली अदालत ईडी द्वारा उसके समक्ष पेश की गई सामग्री का उचित आकलन करने में विफल रही और उसने आम आदमी पार्टी नेता की जमानत याचिका पर फैसला करते समय विवेक का इस्तेमाल नहीं किया। पीठ ने कहा कि जमानत आदेश को लेकर ईडी की आपत्तियों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इसने कहा कि निचली अदालत के न्यायाधीश ने विवादित आदेश पारित करते समय रिकॉर्ड पर प्रस्तुत सामग्री/दस्तावेजों और ईडी द्वारा उठाए गए तर्कों का उचित आकलन नहीं किया। पीठ ने कहा कि धारा 439(2) के तहत याचिका में दी गई दलीलों/आधारों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। उच्च न्यायालय ने कहा, तदनुसार, वर्तमान आवेदन स्वीकार किया जाता है और विवादित आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाई जाती है। निचली अदालत की न्यायाधीश, न्याय बिंदु ने 20 जून को केजरीवाल को जमानत दे दी थी और एक लाख रुपए के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया था। (शेष पेज 9)

अफगानिस्तान की टीम की स्वप्न सरीखी कामयाबी पर मुस्कुराया भारत

●बांग्लादेश को हरा कर टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा

राहुल दत्ता। नई दिल्ली

अफगानिस्तान ने मंगलवार को वेस्टइंडीज के किंग्सटाउन में बांग्लादेश को हराकर टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया। हालांकि टीम इस पहली उपलब्धि के लिए बधाई की पात्र है, लेकिन संघर्षग्रस्त अफगानिस्तान में क्रिकेट माहौल बनाने में भारत की भूमिका को रेखांकित करने की जरूरत है। सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी, लगभग सभी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमें और भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना और एस बद्रीनाथ ने अपनी परिस्थितियों से बड़ी होने के लिए टीम की प्रशंसा की। निस्संदेह, अफगानी खिलाड़ी दुनिया भर में क्रिकेट प्रेमी संरक्षकों के प्रिय बन गए हैं और वे शहीद विजय सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ग्रेटर नोएडा को दिल से धन्यवाद देते होंगे। साथ ही, अफगानियों को उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाने के लिए प्रतिभा को सामने लाने और उसे निखारने में भारतीय कोचों की भूमिका का भी उल्लेख किया जाना चाहिए। यह खेल परिसर 2015 में अफगानिस्तान टीम के लिए अस्थायी घरेलू मैदान या नर्सरी बन गया और इसका श्रेय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को जाता है। इसने अफगानिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आने के लिए सभी सुविधाएँ प्रदान कीं। अफगानिस्तान ने अपना आधार शारजाह से नोएडा में स्थानांतरित कर दिया और यहां तक कि 2017 में ग्रेटर नोएडा में आयरलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले। ग्रेटर नोएडा न केवल अफगानिस्तान के लिए 'घरेलू मैदान' है, उन्होंने देहरादून में बांग्लादेश के खिलाफ ट्वेंटी 20 शृंखला की मेजबानी भी की थी।

टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर से सेमीफाइनल में स्थान पक्का करने के बाद जश्न मनाते अफगानिस्तान के खिलाड़ी

भारत के पूर्व खिलाड़ी लालचंद राजपूत, मनोज प्रभाकर और अजय जडेजा अतीत में अफगानिस्तान टीम को कोचिंग दे चुके हैं। वास्तव में, हाल ही में वनडे विश्व कप 2023 तक जडेजा उनके मेंटर थे। बीसीसीआई ने दोनों देशों और टीमों के बीच संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए तत्कालीन अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी को बेंगलुरु में टीम का पहला टेस्ट मैच देखने के लिए आमंत्रित किया था। जब वहां के कई खिलाड़ी नियमित रूप से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने लगे तो अफगानी प्रतिभा तेजी से निखरी। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के अलावा, अफगान खिलाड़ियों ने अच्छा वेतन भी कमाया है, जिससे वे अपने देश के अन्य महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों के लिए आदर्श बन गए हैं। चल रहे टूर्नामेंट में अफगानिस्तान को अंडरडॉग करार दिया गया था और लंबे समय तक उसने अपने शानदार प्रदर्शन से पंडितों को गलत साबित कर दिया। (शेष पेज 9)

इमरजेंसी लगाकर संविधान नष्ट करने वाली कांग्रेस में आज चेहरे बदले पर चरित्र नहीं: योगी

● इमरजेंसी के 50वें वर्ष में मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर किया जमकर प्रहार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान लगाई गई इमरजेंसी के 50 वें वर्ष में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर जमकर प्रहार किया। अपने सरकारी आवास पर प्रेस वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज जब 50 वर्ष के उपरांत हम इमरजेंसी की उन यादों को स्मरण करते हैं तो स्वाभाविक रूप से कांग्रेस में चेहरे बदले होंगे, लेकिन उसका चरित्र और उसके हाव भाव आज भी वही है जो 1975 में था। उस समय कांग्रेस का एक बर्बर चेहरा हम सभी को देखने को मिला था। कैसे उन्होंने संविधान की मूल आत्मा कही जाने वाली प्रियंबल (प्रस्तावना) में संशोधन करके उसकी आत्मा को नष्ट करने का प्रयास किया था। कैसे कांग्रेस ने उस समय देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया था। कैसे न्यायालय के अधिकारों को कांग्रेस ने उस समय बंधक बनाकर रख दिया था। और आज भी कांग्रेस पार्टी में भले ही नेतृत्व बदला हो, चेहरा बदला हो, लेकिन उसका चरित्र वही है।

सीएम योगी ने कहा कि 50 वर्ष पूर्व आज के ही दिन देर रात्रि एक काला अध्याय लिखा गया था, जब कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने भारत के संविधान का गला घोंटते हुए लोकतंत्र को पूरी तरह समाप्त करने की साजिश रची थी। 25 जून 1975 को रात के अंधेरे में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार ने कैसे भारत के लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास किया था। उस समय अटल बिहारी वाजपेई, मोरारजी देसाई, जय प्रकाश नारायण, लाल कृष्ण आडवाणी समेत विपक्ष के सभी नेताओं को जेल में बंद करके लोकतंत्र का गला घोंटने का प्रयास किया था।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह तानाशाही पूर्ण रवैया आज या 1975 में ही नहीं, बल्कि आजादी के तत्काल बाद भी देखने को मिला था, जब संविधान को अंगीकार करने के मात्र दो वर्ष के अंदर ही उसने संविधान संशोधन करके धारा 370 को उसमें जबरन डालकर देश की अखंडता को चुनौती देने का प्रयास किया था। इसके उपरांत भी उसने समय-समय पर, कभी मीडिया को प्रतिबंधित करके, कभी अन्य तरीके से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लोकतंत्र के सभी स्तंभों को कमजोर करने का प्रयास किया था। 25 जून 1975 उसकी पराकाष्ठा के रूप में देश और दुनिया ने देखा है। सीएम योगी ने कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व पर हमला करते हुए कहा कि ये लोग आज लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, लेकिन भारत के बाहर जाकर भारत के लोकतंत्र को कटघरे में खड़ा करते हैं और भारत की चुनाव प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगाते हैं। ये लोग भारत के बाहर जाकर भारत को और उसके लोकतंत्र को कोसते हैं। यही नहीं, भारत के अंदर भी हर चुनाव की प्रक्रिया में बाधा पैदा करके ईवीएम पर अपनी अकर्मण्यता का दोष थोपने का प्रयास करते हैं। 1975 में संविधान को नष्ट करने का प्रयास करने वाली कांग्रेस आज भी उसी रास्ते पर चल रही है। जहां भी कांग्रेस नेतृत्व की सरकारें हैं, उनका रवैया, उनकी कार्यप्रणाली और उनके कृत्य इस बात के उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। सीएम योगी ने कांग्रेस के सहयोगी दलों को भी कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि 1975 में देश के लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा करने के लिए जिन लोगों ने जेल की यातनाओं को सहा था, जिन लोगों ने उस कालखंड में लोकतंत्र के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया था, आश्चर्य होता है कि उनकी वर्तमान पीढ़ी उसी कांग्रेस की गोद में बैठकर देश को फिर से कांग्रेस की तानाशाही, लोकतंत्र विरोधी और संविधान विरोधी नीतियों की ओर धकेलने का कुत्सित प्रयास कर रही है।

यूपी में ईको टूरिज्म पर 'संवाद' कार्यक्रम का आयोजन आज, मुख्यमंत्री करेंगे संबोधित

● ईको पर्यटन की संभावनाओं पर परिचर्चा और समझौता ज्ञापन पर होंगे हस्ताक्षर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में ईको टूरिज्म पर आधारित 'संवाद' कार्यक्रम का आयोजन 26 जून, 2024 को लखनऊ के गोमती नगर स्थित इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान के मरक्यूरी हॉल में होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ , डॉ. अरुण कुमार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन और पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ.प्र. और राज्य मंत्री कृष्णपाल मलिक, आयुष विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र 'दयालु' की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में इको पर्यटन के प्रतिभागियों और स्टेकहोल्डर्स के साथ विभिन्न राज्यों के जाने-माने वक्ता और विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ईको पर्यटन की संभावनाओं पर गम्भीर विचार मंथन किया जायेगा। गंगा नदी बेसिन में ईको टूरिज्म के विकास हेतु उ.प्र. ईको टूरिज्म विकास बोर्ड एवं के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होंगे। अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि उप्र में ईको-टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। उप्र में विकास तथा आए हुए बदलाव की चर्चा पूरे विश्व में है। पूरे प्रदेश में उच्च स्तर की कानून व्यवस्था तथा कनेक्टिविटी होने से देशी-विदेशी पर्यटक भारी संख्या में पहुंच रहे हैं। जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए उप्र इको टूरिज्म बोर्ड और इज माय ट्रिप के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होगा। तदुपरांत, राज्यमंत्री पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष विभाग, उप्र. सहित अन्य का संबोधन होगा। कार्यक्रम में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने हेतु प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह अपना संबोधन देंगे।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि कार्यक्रम के तहत सलखन जीवाश्म पार्क को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में बढ़ावा देने के संयुक्त प्रयासों हेतु उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म विकास बोर्ड एवं बीरबल साहनी पुरावनस्पति विज्ञान संस्थान लखनऊ के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी होंगे। इस दौरान प्रदेश में स्थानीय स्थापित नई ईको पर्यटन इकाइयों का सम्मान होगा। तत्पश्चात समापन सत्र में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संबोधन होगा।

उच्च क्वालिटी की होनी चाहिए मनरेगा कार्यों में प्रयुक्त सामग्री: केशव मौर्य

● सामग्री की गुणवत्ता की जांच हर हाल में की जाए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मनरेगा कार्यों में प्रयुक्त सामग्री उच्च क्वालिटी की होनी चाहिए। निर्माण कार्यों में प्रयोग की जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता की जांच हर हाल में की जाए। मुख्य विकास अधिकारी व स्टेट क्वालिटी मैनेजर इस सम्बन्ध में पूरी सजगता व नियम संगत कार्य करें। कहीं पर भी अनियमितता या गड़बड़ी पायी जाय, तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाय।समस्त मुख्य विकास अधिकारी/ अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयकों को पूर्व में ही जारी दिशा निर्देशों में कहा गया है कि मनरेगा योजनान्तर्गत निर्मित एवं निर्माणाधीन परिसम्पत्तियों की गुणवत्ता पूर्वक जांच हेतु प्रदेश में स्टेट क्वॉलिटी मॉनीटर हैं। कार्यों में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता का परीक्षण हेतु शासन स्तर से शासनादेश पूर्व में निर्गत किया गया है।मुख्य विकास अधिकारियों को पूर्व में ही निर्देशित किया गया है कि इस सम्बन्ध में जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। इस सम्बन्ध में समस्त परियोजना निदेशक / उपायुक्त (श्रम रोजगार) व उपायुक्त, मनरेगा ग्राम्य विकास को भी नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस व उसके सहयोगी आज भी लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा: भूपेन्द्र

● भाजपा ने आपातकाल को प्रदेश भर में काला दिवस के रूप में मनाया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी ने 25 जून 1975 में कांग्रेस द्वारा आपातकाल लागू कर लोकतंत्र की हत्या करने और देशवासियों पर विभिन्न प्रकार के अत्याचार किये जाने के विरोध में 25 जून मंगलवार को आपातकाल को काला दिवस के रूप में मनाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी व उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक लखनऊ में आपातकाल के विरोध में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। पार्टी ने पूरे प्रदेश में आपातकाल के विरोध में जिला स्तर पर संगोष्ठियां व अन्य कार्यक्रम आयोजित किए।

राजधानी लखनऊ में सहकारिता भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि कांग्रेस की तानाशाही और संविधान के प्रति उसकी सोच का पर्दाफाश करने का आज यह दिन है। जब कांग्रेस की इंदिरा गांधी सरकार ने भारत की आम जनता पर इमरजेंसी थोपी थी। आपातकाल भारत के महान लोकतंत्र का वह काला अध्याय है जिसे कभी भी देश के लोगों के द्वारा भुलाया नहीं जा सकता। कांग्रेस सरकार द्वारा देश में लोकतंत्र का गला घोंटते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को देश पर' आपातकाल थोप दिया था। उन्होंने कहा कि आज संविधान दुहाई देने वाली कांग्रेस की निर्मम सरकार ने 21 महीनों तक देश के लोकतंत्र तथा भारत के संविधान को बंधक बनाए रखा तथा इन 21 महीनों में देश की जनता पर, मीडिया पर और विपक्ष के नेताओं पर अनगिनत जुल्म ढाए जो कांग्रेस के एकतरफा अत्याचारों का पर्याय बन गया। चौधरी ने कहा कि कांग्रेस स्वयं को सबसे पुरानी पार्टी बताती है। लेकिन उसके अंदर सत्ता का लालच और सत्ता की लालसा देश के विनाश का कारण बनी रही। आज देश के अंदर लोकतंत्र की दुहाई देने वाले भूल गये हैं कि किस तरह से इन्होंने ही 50 साल पहले उन्होंने लोकतंत्र का गला घोंटा था। ऐसे परिवार के लोग आज देश की मासूम जनता के सामने संविधान के टूटने का झूठा षडयंत्र रचकर अपना भला करने की कोशिशों में लगातार जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों कारस्तानियां आज भी हमारे लोकतंत्र के लिए उतना ही बड़ा खतरा है जितना 1975 में था।

मोदी सरकार ने राजनैतिक लाभ के लिए भगवान श्रीराम के मंदिर को भी नहीं बख्शा: प्रमोद तिवारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा से सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि लोक सभा चुनाव में राजनैतिक लाभ लेने के लिये आनन फानन में अधूरे राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करा दी गयी, और इसीलिये समस्त शंकराचार्यों ने तथा बहुत से राजनैतिक/ धार्मिक लोग इसमें सम्मिलित नहीं हुए थे। मैंने स्वयं राज्य सभा में प्राण प्रतिष्ठा की तिथि 22 जनवरी पर स्थिति स्पष्ट करते हुये कहा था कि अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा नहीं होनी चाहिए, बल्कि मंदिर के पूरी तरह निर्मित हो जाने तक प्रतीक्षा करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि श्रीरामलला के प्रधान पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने बयान दिया है कि गर्भ गृह की छत से पानी के रिसाव की समस्या आ गयी है, और पानी टपक रहा है, गर्भ गृह के बाहर वीआईपी दर्षन स्थल पर भी तेजी के साथ छत से पानी टपक रहा है। तिवारी ने कहा है कि 22 जनवरी को मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। अभी 5 माह भी पूरे नहीं हुए है, और बरसात भी बहुत हल्की हुई है, तथा अभी मानसून की बरसात बाकी है।

पक्ष और विपक्ष थैली के चट्टे-बट्टे: मायावती

लखनऊ। एक दिन पूर्व लोकसभा सत्र की शुरूआत के दौरान विपक्षी सांसदों द्वारा संसद के अंदर संविधान दिखाये जाने पर बसपा प्रमुख मायावती मंगलवार को तीखी प्रतिक्रिया दी है। मायावती ने कहा कि इसमे कोई सन्देह नहीं है कि केन्द्र में सत्ता व विपक्ष द्वारा अब संसद के अन्दर व बाहर भी संविधान की कापी दिखाने की होड में ये लोग सभी एक ही थैली के चट्टे-बट्टे लग रहे है। तथा इनकी सोच भी लगभग एक जैसी ही लग रही है। इन दोनों ने अन्दर-अन्दर मिलकर अब इस संविधान को अनेकों संशोधनों के जरिये इसे काफी हद तक जातिवादी, साम्प्रदायिक एवं पूंजीवादी संविधान बना दिया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि इन दोनों की अन्दरूनी मिली-भगत होने की बात मैं इसलिए कह रही हूं क्योंकि इन दोनों की भी खासकर कांग्रेस, बीजेपी व अन्य पार्टियों की भी जिन-जिन राज्यों में सरकारें चल रही है। तो वे सभी राज्य सरकारे वहाँ के लोगों की खासकर गरीबी, बेरोजगारी व मंहगाई आदि को दूर करने में बुरी तरह से विफल हो गई है। और अब उन पर से जनता का ध्यान बांटने के लिए इन दोनों की अर्थात् सत्ता व विपक्ष की अन्दरूणी मिली-भगत से ही, जबरदस्ती संविधान बचाने का नाटक किया जा रहा है, जिससे देश की जनता को जरूर सावधान रहना है।

प्रधानमंत्री से मिले औद्योगिक विकास मंत्री नन्दी

● लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर दी बधाई, पुत्र के वैवाहिक समारोह के लिए किया आमंत्रित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने मंगलवार को नई दिल्ली में अपनी पत्नी प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान मंत्री नन्दी और पूर्व महापौर ने एक भारत श्रेष्ठ भारत के शिल्पकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार देश की बागडोर सम्भालने के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। मंत्री नन्दी ने कहा कि यह जनादेश माननीय प्रधानमंत्री जी के बहुआयामी नेतृत्व, अभूतपूर्व निर्णयों एवं जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता की मुहर है। मुलाकात के दौरान मंत्री नन्दी ने विभिन्न राजनैतिक विषयों पर प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन प्राप्त किया। अलग-अलग महत्वपूर्ण विषयों पर उन्होंने चर्चा की। मंत्री नन्दी और पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने आगामी महीने में अपने पुत्र के विवाह समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया। मंत्री नंदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि आज राजनैतिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए प्रेरणास्रोत, 140 करोड़ भारतीयों के जीवन में सकारात्मक बदलाव के लिए निरन्तर श्रमशील, समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के शिल्पकार देश के यशस्वी प्रधानमन्त्री परम आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी से अपनी धर्मपत्नी प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा जी के साथ भेंट का सौभाग्य प्राप्त हुआ!

प्रधानमंत्री को लगातार तीसरी बार देश की बागडोर सम्भालने के लिए बधाई व शुभकामना दी! यह जनादेश माननीय प्रधानमंत्री जी के बहुआयामी नेतृत्व, अभूतपूर्व निर्णयों एवं जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता की मुहर है!

यात्रियों के लिए शीघ्र उपलब्ध होगा मार्गदर्शी व मास्टर एप: परिवहन मंत्री

लखनऊ। परिवहन निगम द्वारा मार्गदर्शी एप शीघ्र ही लॉन्च किया जाएगा। इसके माध्यम से यात्री अपने निकटतम बस स्टॉप की जानकारी ले सकते हैं या किसी भी दो बस स्टॉप के बीच में चलने वाली बसों की लाइव जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इस ऐप से बसों का लोकेशन उनकी स्पीड, कितने बजे वह किस स्थान से पास हुई है, यह सारी जानकारी मिल सकती है। इसमें डिजिटल पैनिक बटन भी लगा हुआ है, जिसका इंटीग्रेशन डायल 112 से किया जा चुका है। परिवहन मंत्री ने बताया कि इस ऐप के द्वारा यात्री विभाग को फीडबैक भी दे सकते हैं या अपने शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि यात्री किसी भी बस की लाइव ट्रैकिंग कर सकते हैं। विभाग ने इसके पूर्व 4 मार्च, 2023 को यूपी राही ऐप का लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा किया गया था।

सपा छात्रसभा ने नीट परीक्षा में धांधली के खिलाफ किया प्रदर्शन

● भाजपा सरकार को बर्खास्त करने की मांग को लेकर दी गिरफ्तारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी छात्रसभा के प्रदेश अध्यक्ष इं. विनीत कुशवाहा के नेतृत्व में मंगलवार को सैकड़ो नौजवानों ने नीट परीक्षा को निरस्त कर दूसरी एजेन्सी से परीक्षा कराने और पेपर लीक वाली भाजपा सरकार को बर्खास्त किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। पुलिस से नोकझोंक के बाद युवाओ को गिरफ्तार कर ईको गार्डन ले जाया गया। सपा प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने इस दौरान दुर्व्यवहार भी किया जिसमें एक नौजवान का हाथ भी टूट गया।

प्रदेश अध्यक्ष इं. विनीत कुशवाहा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में नौजवान समाजवादी पार्टी कार्यालय से जब विधान सभा की ओर चलने लगे तो पुलिस ने गौतमपल्ली थाने के पास बैरीकेटिंग लगाकर उन्हे रोक लिया। विरोध में नौजवान धरने पर बैठ गए। पुलिस ने धरने से उठाने के लिए दुर्व्यवहार किया। यहां तक कि विधान सभा की पूर्व प्रत्याशी पूजा शुक्ला से भी अभद्रता की। पुलिस से नोकझोंक के बाद धरना दे रहे युवाओं को जबरन पुलिस ने पुलिस की बसों में भरकर इको गार्डन ले गए।

राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन में सपा छात्रसभा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नौजवानों में नीट परीक्षा में धांधली को लेकर काफी आक्रोश है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी परीक्षा में धांधली पर विरोध जता चुके है। ज्ञापन में कहा गया है कि नीट परीक्षा से 24 लाख बच्चों का भविष्य जुडा हुआ है। जब से उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है तब से हर एक भर्ती का पेपर लीक हुआ है और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। ज्ञापन में नीट परीक्षा में पेपर लीक के लिए भाजपा सरकार को बर्खास्त करने की मांग की गई है।

समाजवादी छात्र सभा के प्रदर्शन में गिरफ्तार प्रमुख युवाओं के नाम हैं पूजा शुक्ला, अनिल यादव मास्टर, अवनीश यादव, इमरान चौधरी, विक्रम परिहार, वैभव सैनी, विक्रम यादव, माधुर्य सिंह मधुर, शिवांशु तिवारी, राज साहनी, ममता शर्मा, कांची सिंह, सुनिधि यादव, कान्हा, शिवम सिंह, जाहिद, शुभम यादव, योगेश वर्मा, आयुष यादव, अखिलेश भारती, अभय यादव, राम प्रकाश मौर्य, अयाज अली, परवान आलम आदि।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
मण्डलीय कार्यालय लखनऊः न्यू बिल्डिंग, द्वितीय तल, हजरतगंज, लखनऊ–226001
शुद्धि पत्र
सूचित किया जाता है कि दिनांक- 23.06.2024 को प्रकाशित ई-नीलामी बिक्री सूचना में "मेसर्स कलश रिन्यूएबल रिसोर्सेज मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड" में ई-नीलामी की तिथि व समयः 12.07.2024 प्रातः 10.00 बजे से सायं 05.00 बजे त्रुटिवश गलत प्रकाशित हो गया उसके स्थान पर ई-नीलामी की तिथि व समयः 12.07.2024 प्रातः 11.00 बजे से सायं 03.30 बजे माना व पढ़ा जाये। शेष नियम व शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

राम नगरी अयोध्या में पर्यटन थाना स्थापित करने का प्रस्ताव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राम नगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए उनकी सुरक्षा, मार्गदर्शन तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सहयोग एवं असमाजिक तत्वों से बचाव के लिए अयोध्या में राम मंदिर के आस-पास एक पर्यटन पुलिस थाना स्थापित करने के लिए पर्यटन निदेशालय को प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। इस प्रस्ताव का परीक्षण करके गृह विभाग तथा अन्य शासकीय विभागों से आवश्यकतानुसार सहमति प्राप्त की जायेगी। इसके पश्चात इस दिशा में अग्रेतर कार्यवाही की जायेगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि पर्यटन थाना अयोध्या स्थित पर्यटन शाखा केन्द्र के लिए सुझाव दिया गया है। इस पर्यटन थाने में कम से कम 10 आरक्षी पुरूष तथा 02 महिला आरक्षी पर्यटन पुलिस एवं 01 सब-इंस्पेक्टर की तैनाती प्रस्तावित की गयी है। यह प्रस्ताव उप निदेशक पर्यटन अयोध्या द्वारा दिया गया है। जयवीर सिंह ने बताया कि इस प्रस्ताव को विधिवत परीक्षण करके एवं अन्य संबंधित विभागों से परामर्श करके सहमति की दशा में अग्रेतर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने बताया कि इस थाने की स्थापना से पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को काफी मदद मिलेगी।

गोरखपुर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष आशुतोष तिवारी की सड़क हादसे में मौत

● कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार राय ने जताया गहरा शोक, श्रद्धांजलि अर्पित की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गोरखपुर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आशुतोष तिवारी की 24 जून को रात्रि के लगभग 12 बजे हुए सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। राय ने इस दुर्घटना में घायल उनकी पत्नी एवं बेटी के शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना की है।

गाजीपुर टोल के पास हुए सड़क दुर्घटना में गोरखपुर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आशुतोष तिवारी की मौके पर दुखद मृत्यु हो गई एवं इस हादसे में उनकी पत्नी व बेटी भी गंभीर रूप से घायल हो गई हैं, जिन्हें इलाज हेतु जनपद वाराणसी के जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे की सूचना मिलते ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय गाजीपुर के जिला चिकित्सालय के पोस्टमार्टम हाउस में पहुंचकर पार्थिव शरीर पर पार्टी का झण्डा एवं पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष इसके उपरांत वाराणसी जिला चिकित्सालय पहुंचकर स्व. आशुतोष तिवारी की घायल पत्नी एवं बेटी के स्वास्थ्य का कुशल क्षेम लिया व चिकित्सकों से मिलकर समुचित इलाज हेतु आग्रह किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने स्व. आशुतोष तिवारी के दुखद निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि स्व. तिवारी कांग्रेस पार्टी के निष्ठावान सिपाही थे। उनके निधन से कांग्रेस संगठन की अपूर्णीय क्षति हुई है। दुख की इस घड़ी में कांग्रेस परिवार उनके परिजनों के साथ खड़ा है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

कैफ रशीद खान पुत्र रशीद अख्तर खान निवासी पठान टोला, बहादुर गंज, पट्टीगढ़, टी० बहादुर गंज, गाजीपुर उत्तर प्रदेश–275201 की हाइस्कूल के अंकपत्र (आईएससीई बोर्ड यूनिक आईडी 8149109 व अनुक्रमांक TW 70192423) पर जन्म तिथि 23/11/2009 के स्थान पर 17/03/2008 व पिता के नाम में रशीद अख्तर खान के स्थान पर रशीद खान त्रुटिवश अंकित हो गया है, उपरोक्त को जन्मतिथि को 23/11/2009 व पिता का नाम रशीद अख्तर खान किया जाए।

KARVY FINANCE
कॉर्पोरेट कार्यालयः मैसर्स. कार्वी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड, 301, तीसरी मंजिल, गुजराल हाउस, 167 सीएसटी रोड, कोलिवेरी एरिया विलेज, कलिना, सांताक्रूज (ई), मुंबई - 400098

कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन (एक्ट 2002) के तहत कार्वी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित दिनांकों को एक डिमांड नोटिस जारी किया गया था, जिसमें सूचना में बकाया राशि उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने का कहा गया था।

उधारकर्ता राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिये एतद्द्वारा उधारकर्ता तथा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमें नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4), उक्त नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हें प्रदत्त शक्तियो के इस्तेमाल के अंतर्गत कब्जा निम्नलिखित दिनांक को ले लिया है।

उधारकर्ताओं को विशेष रूप से और सर्वसाधारण को सामान्य रूप से चेतावनी दी जाती है कि वे सम्पत्तियों के साथ कोई भी लेन-देन न करें तथा सम्पत्तियों के साथ कोई भी लेन-देन कार्वी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के प्रभार वास्ते मांग सूचना में वर्णित राशि और भविष्य का ब्याज इत्यादि सहित के अधीन होगा। ऋण एग्रीमेंट के अनुसार।

उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

ऋण खाता सं./उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता का नाम	मांग सूचना की तिथि एवं राशि	कब्जा की तिथि एवं प्रकार
ऋण खाता सं. 535357 1. मनीष कुमार सोनकर (स्वर्गीय ऋषि कुमार सोनकर के उपलब्ध कानूनी उत्तराधिकारी की क्षमता में) 2. मोनिका सोनकर (स्वर्गीय ऋषि कुमार सोनकर के उपलब्ध कानूनी उत्तराधिकारी की क्षमता में) 3. शेफाली सोनकर, (स्वर्गीय ऋषि कुमार सोनकर के उपलब्ध कानूनी उत्तराधिकारी की क्षमता में) 4. मनीष कुमार सोनकर, 5. मोनिका सोनकर, 6. शेफाली सोनकर सभी पताः 92/27, गौतम बुद्ध मार्ग, कैसरबाग, लखनऊ - 226002	18 अप्रैल, 2023 और रु. 42,95,402/-	24 जून, 2024 (सांकेतिक कब्जा)

अचल संपत्ति का विवरणः- मकान नं. 116/358 (116/245ए) क्षेत्रफल 600 वर्ग फीट अर्थात 55.762 वर्ग मी. केवल, जोकि घसियारी मंडी, वार्ड-जगदीश चंद्र बोस, लखनऊ में स्थित और नीचे दिए अनुसार चौहद्दीः पूरब में - गुप्ता जी का मकान, पश्चिम में - स्वर्गीय कल्लो देवी मकान, उत्तर में - कन्हैया लाल गुप्ता का मकान, दक्षिण में - 6 फीट चौड़ी सड़क

स्थान लखनऊ
दिनांकः 26.06.2024

प्राधिकृत अधिकारी
(कार्वी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड)

पीएम आवास योजना, शहरी

प्रदेश में 17 लाख 65 हजार परिवारों को मिला योजना का लाभः निदेशक सूडा

● जिलों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले परियोजना अधिकारी व सीएलटीसी सम्मानित, लाभार्थियों को दिया गया प्रमाण पत्र

● मंच से योजना के लाभार्थियों ने साझा किए अपने अनुभव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

घर सिर्फ चारदिवारी व छत नहीं है बल्कि घर वो स्थान है, जहां पर परिवार के सदस्य अपने सुनहरे भविष्य की बुनियाद रखते हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) गरीब व दुर्बल आय वर्ग के लोगों के लिए उनके घर का सपना साकार करने का सशक्त माध्यम बनी है। प्रदेश में अब 17 लाख 65 हजार से अधिक परिवारों को इस योजना का लाभ मिला है। आज ये परिवार अपने घरों में ससम्मान निवास ही नहीं कर रहे हैं बल्कि भविष्य को लेकर अब इनका नजरिया भी बदल चुका है। पानी, बिजली, शौचालय व रसोई घर जैसी बुनियादी सुविधाओं से युक्त पक्के घरों का स्वामित्व योजना के तहत महिलाओं को मिलने से महिला सशक्तिकरण के भी नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। उक्त बातें सूडा भवन में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की नौवीं वर्षगांठ के कार्यक्रम के दौरान निदेशक सूडा डा. अनिल कुमार ने कही।

उल्लेखनीय है कि आज राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) में दिनांक 25 जून 2024 को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की नौवीं वर्षगांठ समारोह भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक सूडा डा.अनिल कुमार, अपर निदेशक सूडा आनंद कुमार शुक्ला, उप निदेशक कीर्ति प्रकाश भारती, वित्त नियंत्रक श्री संजीव गुप्ता, कार्यक्रम अधिकारी अतुल सिंह चौहान ने योजना के लाभार्थियों संग संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम के दौरान निदेशक सूडा डा. अनिल कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही है। योजना के माध्यम से एक ओर जहां गरीबों को उनके सपनों का घर मिल रहा है तो वहीं दूसरी ओर समाज में लाभार्थियों के सम्मान में भी वृद्धि हो रही है। निदेशक सूडा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों को डे-एनयूएलएम के अंतर्गत चलने वाली विभिन्न योजनाओं का भी लाभ दिया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रारंभ में अपर निदेशक सूडा आनंद कुमार शुक्ला ने कहा प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से देश में चार करोड़ से अधिक परिवारों को योजना का लाभ मिला है। इस योजना के माध्यम से एक ओर जहां लोगों को पक्का घर मिला है तो वहीं दूसरी ओर योजना के माध्यम से रोजगार के अवसर भी सृजित हुए हैं। इतना ही नहीं पीएमएवाई (यू) ने देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का भी काम किया है। योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु उत्तर प्रदेश को लगातार दो बार वर्ष 2019 व 2021 में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उत्तर प्रदेश गरीबों को सबसे ज्यादा आवास देकर प्रथम स्थान पर है। कार्यक्रम में योजना के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में निदेशक सूडा द्वारा लाभार्थियों के परिवारों संग केक काटा गया। प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लाभार्थियों ने विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में मंच से अपना विचार साझा किए। इन लाभार्थियों में अयोध्या से आईं अर्चना त्रिपाठी, वाराणसी से आईं प्रीती मौर्या, रुमा कुमारी, शफीकुन निशां व रेखा रावत आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान लाभार्थियों ने बताया कि उनको किस प्रकार अपना घर न होने से किराए के कमरों में जिंदगी दूसरों की शर्तों पर काटनी पड़ती थी, बच्चों की सुरक्षा व पढ़ाई को लेकर भी असमंजस की स्थिति थी, लेकिन अब अपना घर हो जाने से उनकी जिंदगी काफी सरल हो गई है।

उप मुख्यमंत्री ने चार जिला चिकित्सा महाविद्यालयों में वर्चुअली किया नए सिटी स्कैन सेंटरों का लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को लाल बहादुर शास्त्री भवन के चतुर्थ तल स्थित सभागार से प्रदेश के 4 जनपदों अयोध्या, बहराइच, प्रतापगढ़, सहारनपुर के चिकित्सा महाविद्यालयों में सीटी स्कैन सेन्टर का वर्चुअली लोकापर्ण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नवीन सिटी स्कैन सेंटर आम जनता के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में यह एक सराहनीय पहल है।

राज्य सरकार द्वारा सभी जनपदों में मेडिकल कालेजों की स्थापना से जहां एक ओर जनसामान्य को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा मिल रहा है, वहीं दूसरी तरफ पठन-पाठन के लिए मेडिकल व पैरामेडिकल छात्रों को अधिक अवसर मिल रहा है। इससे प्रदेश को कुशल चिकित्सकीय मानव संसाधन व युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर मिलेगा। सीटी स्कैन सेन्टरों की स्थापना से जनसामान्य को स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल सकेगा। उप मुख्यमंत्री ने चारों महाविद्यालयों के चिकित्सकों से अनुरोध किया कि वे सभी मरीजों से सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार करें तथा लावारिस मरीजों को अपना परिजन मानकर देखभाल व उपचार करें। राज्यमंत्री चिकित्सा शिक्षा मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत है।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा, महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा किंजल सिंह, विशेष सचिव देवेन्द्र सिंह कुशवाहा सहित अन्य विभागीय अच्चाधिकारी उपस्थित थे तथा स्वशासी महाविद्यालय अयोध्या, बहराइच, प्रतापगढ़ व राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय सहारनपुर के प्राचार्य, शिक्षक व छात्र वर्चुअल जुड़े थे।

एकेटीयू के बीटेक छात्र कर सकते हैं निशुल्क कोर्स

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के छात्रों के पास ऑनलाइन सर्टिफिकेट प्रोग्राम करने का अवसर है। विश्वविद्यालय के साथ हुए समझौते के तहत स्मार्टब्रिज कंपनी सर्विस नाउ ग्लोबल सर्टिफिकेशन प्रोग्राम करा रही है। इसमें बीटेक सभी ब्रांच के छात्र हिस्सा ले सकते हैं। निःशुल्क ऑनलाइन माध्यम से इस कोर्स में छात्रों को उद्योगों की जरूरत के मुताबिक तैयार किया जाएगा। जिससे कि उन्हें भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सके। कुलपति प्रो जेपी पांडेय के निर्देशन में छात्रों को लगातार बेहतर करने पर जोर दिया जा रहा है। एक अन्य खबर के अनुसार विश्वविद्यालय ने अपने संबद्ध संस्थानों के छात्र-छात्राओं को नेशनल इंटर कॉलेज क्रॉसवर्ड एक्सपेडिशन 2024 प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कहा है। कुलसचिव रीना सिंह ने सभी संस्थानों को पत्र जारी कर प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराने और छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया है।

पेयजल की गुणवत्ता की जांच प्राथमिकता पर की जाएः मंडलायुक्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब की अध्यक्षता में मंगलवार को चिकित्सा स्वास्थ्य एवं आयुष की मण्डलीय समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में की गयी। बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश को निर्देश देते हुए कहा कि संचारी रोग जैसे डेंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया आदि विभिन्न बीमारियों की रोकथाम के लिए संचारी रोग के तहत 1 जुलाई से बड़े स्तर पर अभियान चलाया जाना सुनिश्चित किया जाये। इस अभियान को लेकर अभी तक क्या-क्या तैयारियां की गई है उसकी जानकारी संबंधित से लियाए संबंधित द्वारा बताया गया की समस्त जिलों में मीटिंग कराकर प्रशिक्षण संबंधित को दिया जा रहा है। संबंधित विभाग संयुक्त रूप से डोर.टू.डोर जाकर संचारी बीमारियों से बचाव के लिए अभियान के तहत लोगों को जागरूक करेंगे। उन्होंने कहा कि वाटरलॉगिंग एरिया, जहां सफाई कम होती है व मलिन बस्तियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। मंडलायुक्त ने कहा कि पेयजल की गुणवत्ता की जांच प्राथमिकता पर कराते रहे, जो हैंडपंप खराब है या उनके जल दूषित हैं उन पंपों को लाल कलर से कोडिंग करादे। मंडलायुक्त ने फूड एवं ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि विभाग यह सुनिश्चित करे कि खाद्य पदार्थ खुले में न बिकें और ठेलों और दुकानों पर समुचित साफ सफाई हो। उन्होंने कहा कि बरसात का समय नजदीक आ रहा है, कही भी जलभराव की समस्या न होने पाये। गंदे पानी की वजह से होने वाली बिमारियों से बचने के लिए ससमय से तैयारियां पूरी कर ली जाये। जिससे की डेंगू का लारवा न पनपने पाये। खुले नालियों को ढकनाए कूड़े का निस्तारण प्राथमिकता पर कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

स्टॉप डायरिया कैम्पेन अगले दो माह तक चलेगा

मंडलायुक्त ने कहा कि खाली प्लॉट को लेकर अभियान चलायें कि जिन प्लॉट्स में झाड़ झंगाड़ और गंदगी है उनके मालिक को प्लॉट की सफाई कराने का नोटिस जारी करें और सफाई न कराने की स्थिति में विभाग स्वयं सफाई कराना सुनिश्चित करे। उन्होंने बताया कि इस अभियान के साथ ही में स्टॉप डायरिया कैम्पेन अगले दो माह तक चलेगा। ऐसे में आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और प्राथमिक विद्यालयों में ओआरएस और जिंक की गोलियों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फ गिंग, एंटीलार्वा, औषधियों व उपकरण की उपलब्धता शतप्रतिशत सुनिश्चित करा ली जाए। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पशुपालन विभाग द्वारा गौशाला की नियमित रूप साफसफाई अच्छे से कराते रहे साथ ही मच्छरों का प्रकोप और पानी का जमाव न होने दे। बीब व चीब पर आवश्यकता के अनुसार मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा ऐनम की तैनाती कराया जाना सुनिश्चित किया जाये।

राजधानी में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बनेंगे अब दो कैटेगरी के परीक्षा केंद्र

● 'ए' कैटेगरी के परीक्षा केंद्र में राजकीय विद्यालय से लेकर डिग्री कॉलेज व पॉलीटेक्निक संस्थान होंगे

● 'बी' कैटेगरी मैं सभी ख्याति प्राप्त तथा सुविधा संपन्न स्ववित्तपोषित शिक्षण संस्थान होंगे शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में पेपर लीक समस्या से सरकार की हो रही छवि धूमिल को देखते हुए परीक्षाओं की पवित्रता बनाये रखने के लिए परीक्षा केंद्र के निर्धारण के लिए नई नियमावली तैयार की गई है। राजधानी में आयोजित होने वाले विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं व भर्ती परीक्षाओं के लिए अब दो तरह के परीक्षा केंद्रों का निर्धारण किया गया है। इस बावत जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने जिला विद्यालय निरीक्षक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिशा निर्देश जारी कर दिया है।

जिलाधिकारी की ओर से जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि विभिन्न आयोग, चयन बोर्ड की चयन प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी तरीके से करने एवं उसकी सुचिता को बनाए रखने के लिए जिले में परीक्षा केंद्रों के निर्धारण आदि के संबंध में शासनादेश के अनुसार परीक्षा केंद्रों का निर्धारण किया जाएगा। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के लिए सबसे पहले ए कैटेगरी में शामिल राजकीय संस्थाओं को परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा। इसके बाद जरूरत पड़ने पर कैटेगरी बी में शामिल विद्यालयों को नियम अनुसार सभी मानक पूरे करने पर ही परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा। ए कैटेगरी के परीक्षा केंद्र में उन संस्थाओं को रखा गया है जहां सभी आवश्यक संसाधन मौजूद हो। इनमें राजकीय माध्यमिक विद्यालय, राजकीय डिग्री कॉलेज, राज्य-केंद्र के विश्वविद्यालय, पॉलिटेक्निक संस्थाएं, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, राजकीय मेडिकल कॉलेज जैसे संस्थानों को परीक्षा केंद्र बनाया जा सकता है। वहीं बी कैटेगरी के श्रेणी में ऐसे ख्याति प्राप्त तथा सुविधा संपन्न सेल्फ फाइनेंस शैक्षिक संस्थानों को लिया जाएगा। जो पूर्व में विवादित या काली सूची में ना रहे हो।

परीक्षा केन्द्रों के चयन के तय मानक

- परीक्षा केंद्र बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और कोषागार से करीब 10 किलो मीटर की अधिकतम दूरी के अंदर बने हो।
- कुल परीक्षार्थियों की क्षमता।
- कक्ष निरीक्षकों के लिए इस संस्थागत अध्यापक और कर्मियों की संख्या।
- पिछले तीन वर्षों में आयोजित कराई गई परीक्षाओं का अनुभव हो।
- परीक्षा केंद्र शहर की आबादी के अंदर हो।
- परीक्षा केंद्र तक जाने के लिए यातायात का बेहतर साधन हो।
- परीक्षा केंद्र के भवन, बाउंड्री वॉल, पेयजल, शौचालय आदि की स्थिति ठीक हो।
- परीक्षा केंद्र पर फर्नीचर एवं बिजली उपकरण ऑन की व्यवस्था और जनरेटर आदि मौजूद हो।-

नौ वर्ष बाद 13 जुलाई को होगा लोहिया राष्ट्रीय विधि विवि का दीक्षान्त समारोह

● समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में सीजेआई डीवाई चन्द्रचूड़ होंगे शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नौ वर्ष बाद डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का दीक्षान्त समारोह 13 जुलाई को मनाया जायेगा। इससे पूर्व विवि में दीक्षान्त समारोह का आयोजन वर्ष 2015 में हुआ था। इस बार दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि के तौर पर सीजेआई डी.वाई चन्द्रचूड़ शामिल होंगे। जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर विवि के विजिटर जस्टिस विक्रमनाथ और विवि की गर्वनिंग बॉडी के अध्यक्ष के रूप में मुख्यमंत्री समारोह में शिरकत करेंगे।

मंगलवार को मीडिया से मुखातिब विवि के कुलपति प्रो. अमरपाल सिंह ने बताया कि समारोह में मंच से कुल 18 मेडल दिये जायेंगे। जबकि बाकी बचे मेडल मुख्य समारोह के बाद छात्रों को दिये जायेंगे। प्रो. सिंह ने कुलपति ने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालय में सभी लंबित कार्यों को पूरा करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। दीक्षांत समारोह के दौरान, बी.ए.एलएल.बी., एल.एल.एम., और पीएच.डी. कार्यक्रमों के 2000 से अधिक छात्रों को उनकी डिग्रियाँ प्राप्त होंगी और लगभग 132 पदक, जिनमें 70 स्वर्ण पदक शामिल हैं, प्रदान किए जाएंगे। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अपनी बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए भी प्रतिबद्ध है, जिसके जल्द ही दृश्यमान परिवर्तन देखने को मिलेंगे। विश्वविद्यालय का सभागार अब पूरी तरह से दुरुस्त कर लिया गया है, और सात साल के अंतराल के बाद सितंबर तक स्विमिंग पूल को फिर से चालू करने की योजना बनाई जा रही है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय एक अनूठा शिक्षा और संबद्ध प्रणाली मॉडल विकसित करने का प्रयास करेगा, जिसका उद्देश्य देश के विधि विश्वविद्यालयों के लिए एक मानक स्थापित करना होगा। विश्वविद्यालय के लिए शोध एक प्रमुख क्षेत्र होगा, और विशेष प्रयास किए जाएंगे ताकि डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय को एक नीति शोध संस्थान के रूप में विकसित किया जा सके और अंतर्विषयक शोध के लिए एक स्वस्थ शैक्षिक माहौल सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत सहयोग विकसित किया जा सके। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ शिक्षकों के अलावा विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. शशांक शेखर मौजूद थे।

नैक में जाने की तैयारी

कुलपति प्रो. अमरपाल सिंह ने बताया कि दीक्षांत समारोह के बाद, उनका पहला प्रयास नैक मूल्यांकन को लेकर है। इसके लिए अलग-अलग कमेटियां बनाकर नैक के मानक पूरा करने की कोशिश की जायेगी। जिससे संस्थान की ग्रेडिंग हो सके।

अगले सत्र से शुरू होगा तीन वर्षीय एलएलबी कोर्स

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय अगले शैक्षणिक सत्र में तीन वर्षीय एल.एल.बी. एवं पैरा-लीगल पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी में जल्द ही रिक्त संकाय पदों को भरने की योजना बना रहा है, जिसके लिए अतिरिक्त संकाय सदस्यों की आवश्यकता होगी। जिसे पूरा करने की कोशिश की जायेगी।

जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बना मुसीबत कार्यालयों के चक्कर लगा रहे लोग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शहर में स्कूलों की छुट्टियां समाप्त होते ही छात्रों के एडमीशन के लिए जरूरी जन्म प्रमाण पत्र पाने के लिए नगर निगम कार्यालयों की दौड़ शुरू कर दी है लेकिन नगर निगम प्रशासन की उदासीनता और सॉफ्टवेयर संबंधी समस्याओं से प्रमाण पत्र फंसे हुए हैं। जन्म के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र भी नहीं मिल पा रहा है। जबकि नगर निगम प्रशासन द्वारा जल्दी ही साफ्टवेयर टीम तकनीकि समस्या खत्म कर प्रमाण पत्र जारी करने का आश्वासन दे रहा है।

राजधानी में स्कूलों के खुलने की तारीख का एलान होते ही बच्चों के एडमीशन कराने के लिए आवश्यक जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र न बनने से परिजनों को कई दिनों से समस्या का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही ठाकुरगंज निवासी मीनल ने बताया कि अपनी माता जी का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए बीते दो सप्ताह से कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। बाबू नगर निगम का नियम बदलने की बात कह कचहरी, तहसीलदार के यहां भेज रहे हैं। आलम यह है कि अभी तक कोई सही उत्तर नहीं मिला। वहीं प्रमाण पत्र बनाने के मामले का संज्ञान लेकिन नगर निगम प्रशासन नगर आयुक्त ने लिया और सोमवार रात्रि से दोबारा जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र का काम शुरू हो सका। हालांकि स्कूलों के खुलने का समय नजदीक आते ही अभिभावक की बैचानी बढ़ रही है। अपने बच्चों के एडमिशन को लेकर स्कूल और कॉलेज में जमा होने वाले दस्तावेजो को एकत्रित करने में जुट गए हैं। बच्चों के एडमिशन के दौरान मांगे जाने वाले जन्म प्रमाण पत्र को बनवाने के लिए नगर निगम के समस्त जोनल कार्यालयों में लगातार भीड़ देखने को मिल रही थी लेकिन सर्वर की दिक्कत के चलते कई दिनों से बच्चों के अभिभावकों को भटकना पड़ रहा था।

मुफ्त बस सेवा से अयोध्या पहुंचे वृद्धजन, किया भव्य राम मंदिर का दर्शन

● प्रभु रामलला के स्मरण और दर्शन मात्र से होती है सुख, समृद्धि की प्राप्तिः डॉ. राजेश्वर सिंह

सरोजनीनगर विधायक ने किया पूरी यात्रा का प्रबंध

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विकास के नए आयाम स्थापित कर रहे सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह जनता की आस्था और भक्ति का भी पूरा ध्यान रख रहे हैं। वृद्धजनों के तीर्थयात्रा के सपने को पूरा करने के लिए संकल्पित विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की अनूठी पहल 'रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा' के माध्यम से निरंतर क्षेत्र की जनता को अयोध्या धाम, नैमिषारण्य व अन्य तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए जा रहे हैं।

क्षेत्रवासियों को निरंतर तीर्थयात्रा कराने के सतत क्रम में रविवार को ग्राम पंचायत महमूदपुर से 24वीं 'रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा' बस सेवा का संचालन किया गया। यात्रा की शुरूआत जय श्रीराम के जयकारे के साथ पूरे जोश और उत्साह के साथ हुई। सफर के दौरान दर्शनार्थियों के लिए खाने-पीने से लेकर हर सुविधा का प्रबंध किया गया। प्रभु श्रीराम के भक्तिमय भजन सुनते हुए दर्शनार्थी अयोध्या पहुंचे। सभी को सुविधाजनक तरीके से मंदिर ले जाकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कराए गए। रामलला के दर्शन कर सभी के चेहरे खुशी से खिल उठे। इसके उपरान्त सभी ने हनुमान गढ़ी में बजरंगबली के दर्शन किए। साथ ही कुछ श्रद्धालुओं ने सरयू में स्नान भी किया। यात्रा की वापसी में श्रद्धालुओं को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट स्वरूप दी गई। पूरी यात्रा के दौरान विधायक की टीम के सदस्यों ने सभी का ख्याल रखा तथा उन्हें किसी प्रकार की समस्या नहीं होने दी। सभी श्रद्धालुओं ने विधायक द्वारा कराई जा रही इस यात्रा की प्रशंसा की और उन्हें ढेरों आशीर्वाद दिया। यात्रा के दौरान एक श्रद्धालु ने कहा कि विधायक हमारा हर तरह से ख्याल रखते हैं, आज फ्री बस सेवा से अयोध्या आकर बहुत खुशी हो रही है। एक अन्य श्रद्धालु ने बताया कि वे जबसे अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना है तबसे अयोध्या आने की इच्छा थी, आज विधायक डॉ. राजेश्वर ने हमारी इच्छा पूरी कर दी। डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा सरोजनीनगर की जनता को तीर्थ यात्रा करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस विशेष पहल की हर तरफ सराहना हो रही है।

बता दें कि विधायक डॉ. राजेश्वर द्वारा निरंतर संचालित 'रामस्थ श्रवण अयोध्या यात्रा' के माध्यम से वृद्धजनों, माताओं-बहनों को श्रीराम लला के दर्शन, नैमिषारण्य धाम यात्रा व अन्य तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए गए है। इस बारे में डॉ. राजेश्वर सिंह का मानना है कि वरिष्ठजनों के तीर्थ यात्रा के सपने को पूरा करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। रामलला के दर्शन कर वरिष्ठजनों के चेहरों पर आई खुशी और संतुष्टि देख अलौकिक आनंद की अनुभूति होती है।

पीजीआई में डॉक्टर के विरोध में चल रहा आंदोलन समाप्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीते चार दिनों से पीजीआई में सीवीटीएस विभाग की डॉ. वरूणा के खिलाफ आंदोलन कर रहे नर्सिंग यूनियन ने मंगलवार को संस्थान के निदेशक डॉ. आरके धीमन के साथ हुई वार्ता के बाद अपना आंदोलन वापस ले लिया है। वार्ता के दौरान इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए स्टैण्डर्ड ऑपरेशन प्रोसीजर (एसओपी) ग्रिवांस बनाने पर सहमति बनी।

नर्सिंग यूनियन द्वारा जारी आंदोलन का आज पांचवा दिन था। यह आंदोलन सीवीटीएस विभाग की डॉ. वरुणा पी. वर्मा द्वारा नर्सिंग अधिकारी के साथ थप्पड़, व गाली गलौज पर न्याय ना मिलने पर यह आंदोलन किया जा रहा था। आज यूनियन की संस्थान के निदेशक, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, चिकित्सा अधीक्षक, डीन, रजिस्टार ने फैकल्टी फोरम के साथ वार्ता की। वार्ता के दौरान निदेशक द्वारा पीड़ित नर्सिंग अधिकारी द्वारा मामले पर आगे किसी भी प्रकार की कार्यवाही ना करने, एवं यूनियन द्वारा जारी आंदोलन का समर्थन नही करने का लिखित पत्र बैठक मे प्रस्तुत किया गया। इसके आधार पर जारी आंदोलन वापस लेने की अपील निदेशक द्वारा की गयी। जिस पर नर्सिंग यूनियन ने कुछ शर्तें रखी की संस्थान प्रबन्धन द्वारा हमारे किसी भी नर्सिंग अधिकारी के खिलाफ किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही ना की जाय। साथ ही संस्थान मे भविष्य मे इस प्रकार की घटनाओ की पुनरावृति ना हो, इसपे स्टैण्डर्ड ऑपरेशन प्रोसीजर बनाई जाय। साथ ही विभाग का निरीक्षण समय समय पर निदेशक द्वारा किया जाय।

भाषा विश्वविद्यालय व नोवेल अकादमी के बीच एमओयू

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय एवं नोवेल अकादमी, पोखरा नेपाल के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया है। एमओयू के तहत अकादमिक विनिमय के द्वारा सांस्कृतिक एवं अकादमिक मूल्य संवर्धन पर सहमति जताई है। विश्वविद्यालय की प्रवक्ता प्रो. रुचिता सुजय चौधरी के मुताबिक यह एमओयू अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रतिभार भाषा विश्वविद्यालय के नोडल अफसर एमओयू डॉ नीरज शुक्ल एवं नोवेल अकेडेमी के सीईओ विश्वेश्वर आचार्य ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू के विषय में डॉ नीरज शुक्ल ने बताया कि दोनों ही संस्थानों के अकादमिक विकास के लिए यह एमओयू एक मील का पत्थर साबित होगा।

कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों से संविधान व लोकतंत्र को खतराः योगी

● आपातकाल पर काला दिवस विषयक संगोष्ठी और लोकतंत्र रक्षक सेनानी सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस की आस्था कभी भी भारत के संविधान और लोकतंत्र में नहीं रही है। जब भी उसे मौका मिला, उसने संविधान का गला घोंटने और लोकतंत्र को कुचलने का कार्य किया है। जब मौका नहीं मिला तो उसने संविधान और लोकतंत्र की ही दुहाई देकर जनता को झूठी बातों से गुमराह किया। वास्तविकता यही है कि आज भी संविधान और लोकतंत्र को खतरा कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल उसके सहयोगी दलों से है। सीएम योगी देश में 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल (इमरजेंसी) के पचासवें वर्ष में मंगलवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में भाजपा की जिला व महानगर इकाई की तरफ से आयोजित काला दिवस विषयक संगोष्ठी और लोकतंत्र रक्षक सेनानी सम्मान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

28 लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को सम्मानित करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि 50 वर्ष पहले आज ही के दिन मध्य रात्रि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने भारतीय संसदीय लोकतंत्र का एक काला अध्याय लिखा था। देश के संविधान का गला घोंटकर, आपातकाल लागू कर कांग्रेस ने लोकतंत्र को तहस नहस करने की कुचेष्टा की थी।

इमरजेंसी लगाकर कांग्रेस ने नागरिकों के मौलिक अधिकार छीन लिए थे, न्यायालयों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया गया था। जिन लोगों ने इस तानाशाही रवैये के विरोध किया, उन्हें जेल में डालकर अमानवीय यातनाएं दी गईं। कांग्रेस के इस कृत्य से संविधान कराह उठा था, लोकतंत्र तड़प गया था। यह लोकतंत्र को कुचलने की पराकाष्ठा थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपातकाल में कांग्रेस का बर्बर चेहरा हम सभी को देखने को मिला था।

पर्यटन के क्षेत्र में शोधार्थियों को मिलेगी मुख्यमंत्री टूरिज्म फैलोशिप

कैबिनेट के फैसले

● वाराणसी, बरेली व मुरादाबाद विकास प्राधिकरणों का किया गया सीमा विस्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में आयोजित कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री टूरिज्म फेलोशिप कार्यक्रम को मंजूरी देने के साथ ही वाराणसी, बरेली और मुरादाबाद विकास प्राधिकरणों के विस्तार समेत करीब 43 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। लोकभवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को योगी कैबिनेट ने मुख्यमंत्री टूरिज्म फेलोशिप कार्यक्रम के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की है। इसके तहत पर्यटन विभाग शोधार्थियों का चयन करेगा जो प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ इस क्षेत्र में हो रहे निवेश को गति प्रदान करेंगे। साथ ही निवेशकों को आ रही समस्याओं को निस्तारित कराने में भी भूमिका निभाएंगे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ये शोधार्थी पर्यटन विभाग से जुड़ी योजनाओं के पर्यवेक्षण, अनुश्रवण एवं पारिस्थितिकीय स्थलों के सर्वांगीण विकास, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का मूल्यांकन, मेले व महोत्सव की योजनाओं को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे। यह शोधार्थी जिला पर्यटन और संस्कृति परिषद और विशेषकर पर्यटन निदेशालय के संरक्षण में अपना योगदान करके निवेशकों और पर्यटकों के अनुरूप माहौल बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

फिलहाल 25 शोधार्थियों का चयन किया जाएगा। इन्हें मानदेय के रूप में कुल 40 हजार रुपए प्रदान किए जाएंगे, जिसमें पारिश्रमिक के रूप में 30 हजार रुपए और क्षेत्र भ्रमण के लिए 10 हजार रुपए मिलेंगे। साथ ही उन्हें एक टैबलेट भी प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही योगी सरकार ने वाराणसी, बरेली और मुरादाबाद विकास प्राधिकरणों के विस्तार के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की है। इसके तहत इन विकास प्राधिकरणों में कई राजस्व गांवों को सम्मिलित किया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि तीन प्राधिकरणों के सीमा विस्तार का भी निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत वाराणसी विकास प्राधिकरण में 215 राजस्व गांव सम्मिलित किए गए हैं। वहीं बरेली विकास प्राधिकरण में भी 35 राजस्व गांव शामिल किए गए हैं। इसी तरह मुरादाबाद विकास प्राधिकरण में 71 राजस्व गांवों को सम्मिलित किया गया है।

एसजीपीजीआई के पैरामेडिकल कार्मिकों को मिलेगा हॉस्पिटल पेशेंट केयर भत्ता

मंत्रिपरिषद ने संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान एसजीपीजीआई, लखनऊ की परिनियमावली में विहित व्यवस्था के क्रम में एसजीपीजीआई के ग्रुप ए एवं बी पैरामेडिकल के कार्मिकों को कतिपय शर्तों के अधीन हॉस्पिटल पेशेंट केयर भत्ता अनुमन्य किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। ग्रुप ए एवं बी पैरामेडिकल के कार्मिकों को हॉस्पिटल पेशेंट केयर भत्ता शासनादेश निर्गत किये जाने की तिथि से देय होगा तथा इस हेतु किसी एरियर का भुगतान नहीं किया जाएगा। हॉस्पिटल पेशेंट केयर भत्ताष् की द्विरावृत्ति नहीं की जाएगी अर्थात यदि किसी कार्मिक को यह भत्ता पूर्व से दिया जा रहा है तो अतिरिक्त रूप से यह भत्ता देय नहीं होगा।

ई-स्टाम्पिंग नियमावली 2013 में संशोधन का प्रस्ताव मंजूर

मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश ई.स्टाम्पिंग नियमावली 2013 में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश ई.स्टाम्पिंग नियमावलीए 2013 के भाग.छः में ई.स्टाम्प प्रमाण पत्र के निर्गम की प्रक्रिया सम्बन्धी प्राविधान हैं। इन प्राविधानों में ई.स्टाम्प प्रमाण पत्र हेतु सामान्य जन द्वारा धनराशि की अदायगीए ई.स्टाम्प प्रमाण पत्र के निर्गम की रीति एवं ई.स्टाम्प प्रमाण पत्र के आकार एवं मुद्रण सम्बन्धी प्राविधान हैं। इनमें ई स्टाम्प प्रमाण पत्र की सामान्य जन द्वारा सेल्फ प्रिन्टिंग किए जाने सम्बन्धी कोई प्राविधान नहीं हैं। जन सामान्य को छोटे मूल्य के ई.स्टाम्प पत्रों की उपलब्धता के दृष्टिगत ई.स्टाम्प प्रमाण पत्र की सामान्य जन द्वारा सेल्फ प्रिन्टिंग किए जाने सम्बन्धी प्राविधान समाहित करने हेतु उत्तर प्रदेश ई.स्टाम्पिंग नियमावली 2013 में संशोधन किए जाने का प्रस्ताव है। इस व्यवस्था के लागू होने से उत्तर प्रदेश में जन सामान्य को छोटे मूल्य के ई.स्टाम्प प्रमाण पत्रों की सेल्फ प्रिन्टिंग किए जाने की सुविधा प्राप्त होगी। इसके साथ ही मंत्रिपरिषद ने प्रदेश के पर्यावरणीय लाभ एवं कृषकों की आय में सतत् वृद्धि के दृष्टिगत वित्तीय वर्ष 2024 25 में 35 करोड़ पौधारोपण हेतु प्रदेश के समस्त शासकीय विभागों, न्यायालय परिसरों निःशुल्क पौध (यूकेलिप्टस एवं पॉपलर को छोड़कर) उपलब्ध कराए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर्स की स्थापना हेतु राज्य सरकार, यूपीसीडा एवं केन्द्र सरकार की कार्यदायी संस्था नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट एण्ड इम्पलीमेंटेशन ट्रस्ट के मध्य हस्ताक्षरित किये जाने वाले त्रिपक्षीय स्टेट सपोर्ट एग्रीमेंट के आलेख परए यूपीसीडा और नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट एण्ड इम्पलीमेंटेशन ट्रस्ट के मध्य हस्ताक्षरित किये जाने वाली द्विपक्षीय शेयर होल्डर्स एग्रीमेंट्स के आलेख पर तथा एसपीवी के गठन के लिए आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन एवं मेमोरेण्डम ऑफ एसोसिएशन के आलेख पर मंत्री परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

सहारनपुर में मां शाकुम्भरी देवी धाम को मिलेगी निशुल्क भूमि

मंत्रिपरिषद ने ग्राम मिरगपुर पांजूवाला, तहसील बेहट, जनपद सहारनपुर में कुल 0.369 हेक्टेयर भूमि माँ शाकुम्भरी देवी धाम पर पर्यटन विकास कार्य हेतु पर्यटन विभाग को निःशुल्क उपलब्ध कराए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

मंत्रिपरिषद ने प्रकरण में आवश्यकतानुसार अग्रेतर निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री जी को अधिकृत किया है। ज्ञातव्य है कि सहारनपुर जनपद मुख्यालय से 45 किमी दूर शिवालिक पर्वत श्रृंखला में स्थित सिद्धपीठ माँ शाकुम्भरी देवी मन्दिर स्थित है। इस मन्दिर की गणना देश की 51 पवित्र शक्तिपीठों में की जाती है। माँ शाकुम्भरी देवी आदिशक्ति का ही स्वरूप हैं। सिद्धपीठ में निर्मित माता के पावन भवन में माता शाकुम्भरी देवी, भीमा, भ्रामरी एवं शताक्षी देवी की भव्य एवं प्राचीन मूर्ति स्थापित हैं।

पीपीपी मोड पर विकसित होंगे पर्यटक आवास गृह

मंत्रिपरिषद ने पर्यटन विभाग के राही पर्यटक आवास गृह, मुंशीगंज (अमेठी), राही पर्यटक आवास गृहए खुर्जा ;बुलन्दशहरद्धए राही पर्यटक आवास गृहए देवाशरीफ बाराबंकी व राही पर्यटक आवास गृह, हरगांव सीतापुर को सार्वजनिक निजी सहभागिता (पीपीपी) मोड पर विकसित व संचालित कराये जाने हेतु निर्धारित दर पर लीज पर दिये जाने के साथ ही लेटर ऑफ अवॉर्ड जारी किये जाने एवं चयनित फर्म तथा विभाग के मध्य अनुबंध किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। ज्ञातव्य है कि देश में पर्यटन उद्योग का परिदृश्य निरन्तर बदल रहा है। इसके साथ ही मंत्रिपरिषद ने प्रदेश के प्राचीन तथा विरासत भवनों को एडाप्टिव रि यूज के अन्तर्गत सार्वजनिक निजी सहभागिता पीपीपी मॉडल पर पर्यटन इकाईयों के रूप में विकसित व संचालित कराये जाने हेतु कोठी रोशन उद् दौला लखनऊ, बरसाना जल महल मथुरा तथा शुक्ला तालाब कानपुर देहात की तकनीकी निविदा, तकनीकी प्रस्तुतीकरण एवं वित्तीय निविदा सम्बन्धी प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है।

लखनऊ, प्रयागराज, कपिलवस्तु में पीपीपी मोड पर विकसित होंगे हेलीपैड

मंत्रिपरिषद ने जनपद लखनऊ, प्रयागराज एवं कपिलवस्तु में पर्यटन विकास के दृष्टिगत हेलीकॉप्टर सेवा संचालन के लिए हेलीपैड को पीपीपी मोड पर विकसित एवं संचालित कराए जाने के सम्बन्ध पास कर दिया है। मंत्रिपरिषद ने जनपद लखनऊ, प्रयागराज एवं कपिलवस्तु स्थित हेलीपैड को सार्वजनिक निजी सहभागिता (पीपीपी) मोड पर निजी निवेशकों के माध्यम से विकसित एवं संचालित कराए जाने हेतु ड्राफ्ट शिड्यूल्स टू कन्सेशन एग्रीमेन्ट को अनुमोदित कर दिया है। मंत्रिपरिषद द्वारा शॉर्टलिस्टेड निविदाकर्ताओं के मध्य निविदा कराए जाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन उद्योग के बहुआयामी महत्व को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के मुख्य पर्यटन स्थलों, आकर्षणों और पर्यटन सम्भावनाओं के प्रति अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया जा रहा है। इसके दृष्टिगत पर्यटकों के लिए अन्तरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं का सृजन किया जा रहा है ताकि यहाँ पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो सके।

कानपुर की बन्द पड़ी कताई मिलों की भूमि यूपीसीडा को निशुल्क मिलेगी

मंत्रिपरिषद ने टेक्सफेड समूह के अन्तर्गत यूपी स्टेट स्पिनिंग कं0लि0ए कानपुर एवं यूपी स्टेट यार्न कं.लि., कानपुर की बन्द पड़ी कताई मिलों की भूमि के औद्योगिक प्रयोग के लिए यूपीसीडा को निःशुल्क हस्तांतरित किए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया है। इसके तहत यूपी स्टेट स्पिनिंग कं.लि. की बाराबंकी इकाई में उपलब्ध 69.86 एकड़ भूमि तथा यूपी स्टेट यार्न कम्पनी की इकाईयों क्रमशः मेजा, प्रयागराज 175 एकड़, बांदा 90 एकड़ एवं रसड़ा, बलिया 57 एकड़ भूमि यूपीसीडा को निःशुल्क उपलब्ध कराए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है। ज्ञातव्य है कि प्रदेश सरकार द्वारा वर्तमान में उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु इन्वेस्टर्स समिट तथा ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से देश.विदेश के उद्यमियों को आकर्षित करने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम भी विगत वर्षों में सामने आये हैं। विभिन्न सेक्टरों के निवेशकों द्वारा प्रदेश में औद्योगिक इकाईयों की स्थापना के सम्बन्ध में एमओयू किये गये हैं।

प्रदेश सरकार विशेष कानूनों में करेगी बदलाव

मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश आपराधिक विधि संशोधन अध्यादेश 2024 के आलेख को स्वीकृति प्रदान कर दी है। ज्ञातव्य है कि भारत सरकार द्वारा निरसित भारतीय दण्ड संहिता 1860, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के स्थान पर प्रवर्तित भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के अन्तर्गत विषयगत अध्यायों एवं प्राविधानों के क्रमांकों के अनुरूप उत्तर प्रदेश राज्य की विशेष आपराधिक विधियों में संशोधन हेतु उत्तर प्रदेश आपराधिक विधि संशोधन अध्यादेश, 2024 का प्रख्यापन किया जाना है।

वर्तमान में विधान मण्डल के सत्र में न होने के कारण विधेयक के स्थान पर अध्यादेश का प्रस्ताव किया जाना समीचीन होगा। इसके साथ ही मंत्रिपरिषद ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता उत्तर प्रदेश संशोधन, अध्यादेश 2024 के आलेख को स्वीकृति प्रदान कर दी है। वर्तमान में विधान मण्डल के सत्र में न होने के कारण विधेयक के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 482 को नवीन धारा-482 द्वारा प्रतिस्थापित करने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता उत्तर प्रदेश संशोधन अध्यादेश 2024 का प्रख्यापन प्रस्तावित है।

प्रयागराज व आगरा में इंटीग्रेटेड मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर्स की स्थापना को मंजूरी

मंत्रिपरिषद ने भारत सरकार की अमृतसर कोलकाता इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर परियोजना के अन्तर्गत प्रयागराज और आगरा में एक.एक इंटीग्रेटेड मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर की स्थापना हेतु राज्य सरकारए यूपीसीडा एवं केन्द्र सरकार की कार्यदायी संस्था नेशनल इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट एण्ड इम्प्लीमेंटेशन ट्रस्ट (एनआईसीडीसी ट्रस्ट) के मध्य हस्ताक्षरित किये जाने वाले त्रिपक्षीय स्टेट सपोर्ट एग्रीमेंट के आलेखए यूपीसीडा और एनआईसीडीसी ट्रस्ट के मध्य हस्ताक्षरित किये जाने वाले द्विपक्षीय शेयर होल्डर्स एग्रीमेंट के आलेख तथा एसपीवी के गठन के लिए आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन एवं मेमोरेण्डम ऑफ एसोसिएशन के आलेख को अनुमोदित कर दिया है।

नोएडा में एक्वा लाइन मेट्रो कॉरिडोर का डीपीआर अनुमोदित

मंत्रिपरिषद ने नोएडा सेक्टर 142 स्टेशन से बॉटेनिकल गार्डेन तक 11.56 किमी लम्बाई के एक्वा लाइन मेट्रो कॉरिडोर के प्रस्तावित विस्तार के सम्बन्ध में डीपीआर को अनुमोदित कर दिया है। उक्त विस्तारित परियोजना परिवहन अवस्थापना को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने तथा विभिन्न परिवहन माध्यमों में निर्बाधित कनेक्टिविटी में सहयोग प्रदान करेगी। परियोजना में 08 नए एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन प्रस्तावित हैं। इस परियोजना की कुल लागत 2254.35 करोड़ रुपये भूमि आईडीसी एवं सभी करां सहितद्ध है। राज्य सरकार की अंश पूंजी के सापेक्ष 573.31 करोड़ रुपये का व्ययभार का वहन नोएडा प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।

पेट शॉप में बिना लाइसेंस मिले चार श्वान, 20 हजार का लगाया जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कैंटिल कैचिंग विभाग द्वारा पेट शाप्स, पेटस ब्रीडिंग सेंटर और डॉग लाइसेंस का आलमबाग क्षेत्र में चेंकिंग अभियान चलाया गया। अपर नगर आयुक्त के आदेश चले अभियान में पशु कल्याण अधिकारी द्वारा रतनाम पेट्स शॉप पर चार श्वान बिना लाइसेंस के पाए गए। अवैध ब्रीडिंग के साक्ष्य मिलने पर प्रवर्तन टीम द्वारा कड़ी कार्रवाई की गयी। 20 हजार रुपए का जुर्माना ठोंका गया। मंगलवार को अपर नगर आयुक्त डॉ अरविन्द राव के आदेश पर नगर निगम कैटल कैचिंग विभाग ने पेट शॉप्स, पेट्स ब्रीडिंग सेंटर, डॉग लाइसेंस चेकिंग अभियान चलाया। आलमबाग में प्रवर्तन दल और डॉग कैचिंग स्क्राड के साथ पशु कल्याण अधिकारी डॉ अभिनव वर्मा के नेतृत्व में चलाये गए अभियान में लाइसेंस परीक्षण किया। आलमबाग के भोला खेड़ा आलमबाग स्थिति रतनाम पेट शॉप पर 4 श्वान बिना लाइसेंस मिले, जिसमे 3 जर्मन शेफेर्ड , 2 नर, 1 मादा और 1 पोमेरियन श्वान बिना लाइसेंस और बिना तंइपमे वैक्सीनेशन के पाया गया। मौके पर बिना लाइसेंस श्वान पाए जाने पर 20000 रूपए जुर्माना काफ़ी जद्दोजहद के साथ वसूला गया। रतनाम पेट शॉप पर श्वानों की अवैध ब्रीडिंग के साक्ष्य मिले। श्वानों का क्रय विक्रय भी किया जा रहा था, शॉप का उत्तर प्रदेश जीव जंतु कल्याण बोर्ड से रजिस्ट्रेशन भी नहीं था। अन्य पेट शॉप ब्लू बेर्री राजाजीपुरम मौके पर बंद मिली। क्रि स्टल पेट शॉप पर मौके पर कोई श्वान नहीं मिला लेकिन गुप्त रूप से जानकारी करने पर श्वान उपलब्ध करवाने की बात कही। दोनों के विरुद्ध नोटिस की कार्रवाही की जाएगी। नगर निगम ने निरंतर लाइसेंस चेकिंग अभियान चलाया जाता है और लाइसेंस न होने की दशा में श्वान पालक से रुपए 5000 श्वान तक श्वान जुर्माना वसूला जाता है। जुर्माना ना देने की स्थिति में श्वान कों जब्त भी किया जा सकता है।

राज्य स्तरीय संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● अलीगढ़ के मनोज कुमार ने प्रथम, प्रयागराज के शिव मंगल ने द्वितीय और वाराणसी के नजीर अहमद ने तीसरा स्थान प्राप्त किया

प्रदेश भर के बीएड कालेजों में दाखिले को लेकर मंगलवार को बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी ने राज्य स्तरीय संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2024 का परिणाम जारी कर दिया। घोषित परीक्षाफल के अनुसार प्रथम 10 में स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों में 6 पुरूष तथा 4 महिला अभ्यर्थी है। जनपद अलीगढ़ के मनोज कुमार कला वर्ग द्वारा उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2024 में प्रथम, जनपद प्रयागराज के शिव मंगल पुत्र विज्ञान वर्ग द्वारा द्वितीय तथा जनपद वाराणसी के नजीर अहमद कला वर्ग द्वारा प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय में बीएड प्रवेश परीक्षा 2024 के लिए हाईटेक कमाण्ड कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया जिसमें आधुनिक सर्विलांस सिस्टम का प्रयोग किया गया, जिसके माध्यम से प्रदेश के सभी परीक्षा केन्द्रों की लाइव मॉनीटरिंग की गयी। इसके लिए उच्च तकनीक से लैस अत्याधुनिक लगभग 5500 सीसीटीवी कैमरे केन्द्रों पर लगाये गये।

परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति के लिए एआई का उपयोग करते हुए सभी अभ्यर्थियों की फेस रिकग्निशन और फिंगर प्रिंट अटेंडेंस करायी गयी। आधुनिक सर्विलांस सिस्टम के द्वारा प्रदेश के 470 परीक्षा केन्द्रों पर स्ट्रांग रूम, परीक्षा कक्ष एवं प्रवेश/निकास स्थान की कड़ी निगरानी की गयी। कुलपति बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय प्रो. मुकेश पाण्डेय ने बताया कि अभ्यर्थियों में कृषि वर्ग के 1746, वाणिज्य वर्ग के 12633, विज्ञान वर्ग के 72342 तथा कला वर्ग के 136663 अभ्यर्थी रहे। इनमें 1,08,656, सामान्य वर्ग के 69407 अन्य पिछड़ा वर्ग के 44369 अनुसूचित जाति के तथा 952 अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी रहे। आवेदन के सापेक्ष प्रथम पाली में कुल 1,93,352 तथा द्वितीय पाली में कुल 1,93,351 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। पुरुष अभ्यर्थी 102011 तथा महिला अभ्यर्थी 1,21,372 सम्मिलित है। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में कुल 1,93,062 अभ्यर्थियों को रैंक जारी की गयी, जिसमे कला वर्ग के 1,18,499, विज्ञान वर्ग के 62,774, वाणिज्य वर्ग के 10,332, एवं कृषि वर्ग के 1,457, अभ्यर्थी शामिल है। जिनमें अनारक्षित वर्ग के 93,557, पिछडा वर्ग के 62,341, अनुसूचित जाति के 36,351 एवं अनुसूचित जनजाति के 813 अभ्यर्थी है। कुल 1,93,062 अभ्यर्थियों में 89103 पुरूष अभ्यर्थियों को तथा 103958 महिला अभ्यर्थियों को रैंक जारी की गयी, सफल अभ्यर्थियों में 54 प्रतिशत महिलायें तथा 46 प्रतिशत पुरुष है।

आपातकाल ने पूरे देश को जेल में बदल दिया थाः यशवंत सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकतन्त्र सेनानी कल्याण समिति, उत्तर प्रदेश के संरक्षक पूर्व मंत्री यशवन्त सिंह ने कहा है कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के चेहरे पर वह दाग है जिसे कभी मिटाया नहीं जा सकता है। इसे लेकर किसी को भी गलत फहमी नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा है कि फिलहाल इसका खतरा नहीं है। फिर भी इसे लेकर सदैव सतर्क रहने की जरूरत है। मंगलवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर मंगलवार को चन्द्रशेखर चबूतरा (दारुलशफा, लखनऊ) पर हुई लोकतन्त्र सेनानियों और सामाजिक साथियों की सभा को सम्बोधित करते हुए लोकतन्त्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक पूर्व मंत्री यशवंत सिंह ने कहा है कि 25/26 जून 1975 को आधी रात को देश पर थोपे गए आपातकाल ने पूरे देश को जेल में बदल दिया था। सत्ता के अहंकार में पगलाई सरकार ने जयप्रकाश नारायण जैसे महानायक को नहीं छोड़ा। जयप्रकाश नारायण को संत कहने वाले अपने ही दल के नेता राष्ट्रपुरुष चन्द्रशेखर सहित देश के लाखों लोगों को जेल में डाल दिया। उन्होंने कहा है कि इसे लेकर जेल में बन्द लोगों का जीवन पूरी तरह से बर्बाद हो गया। इस बर्बादी की कोई भरपाई नहीं कर सकता है।

सपा प्रतिनिधिमंडल कल जाएगा मेरठ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मण्डल 27 जून गुरुवार को जनपद मेरठ जायेगा। जनपद मेरठ की विधान सभा क्षेत्र सिवालखास थाना जानी के गॉव रसूलपुर धौलड़ी निवासी ठेकेदार श्री सिराजुद्दीन उर्फ पप्पू और उनके बेटे शहनवाज का आम के बाग में पानी लगाने को लेकर विपक्षियों से विवाद हुआ जिसमें विपक्षियों द्वारा सिराजुद्दीन उर्फ पप्पू पुत्र मान एवं शहनवाज उर्फ राजा पुत्र पप्पू की गोली मारकर हत्या कर दी गई तथा श्री चांद गम्भीर रूप से घायल हैं जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना की जांच एवं जानकारी तथा शोकाकुल परिवार से मिलने हेतु प्रतिनिधि मण्डल गॉव रसूलपुर धौलड़ी मेरठ पहुंचेगा।

बड़े पर्दे पर लखनऊ के लाल की एंट्री, दिखाया एक्टिंग का दमखम

● फिल्म जेएनयू में लखनऊ के अतुल पांडे ने निभाया है कृष्णा कुमार का किरदार

संवाददाता। मोहनलालगंज

राष्ट्रीय राजधानी में यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स की पॉलिटिक्स पर बनी फिल्म जहांगीर नेशनल यूनिवर्सिटी के जरिए लखनऊ के अतुल पांडे ने थिएटर लाइफ से निकलकर बड़े पर्दे पर एंट्री की है। उर्वशी रौतेला और रवि किशन जैसे नामी कलाकारों के साथ लखनऊ के रायबरेली रोड एल्डिको उद्यान कॉलोनी निवासी अतुल पांडे ने फिल्म में कृष्णा कुमार का किरदार निभाकर अपने भीतर छिपे कलाकार से दर्शकों को रूबरू कराया है। पायनियर के साथ खास बातचीत में अतुल पांडे ने अपने 17 वर्षों के संघर्ष की कहानी कुछ इस तरह बताई...

फिल्म जेएनयू में आपका किरदार क्या है ?

फिल्म जेएनयू यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स पॉलिटिक्स को लेकर बनाई गई है। फिल्म में प्रमुख रूप से लेफ्ट और राइट विचारधारा को फिल्माया गया है। कृष्णा कुमार लेफ्ट विचारधारा से प्रेरित किरदार है। पूरी फिल्म में इस किरदार ने स्टूडेंट्स के बीच इसी विचारधारा को लेकर समर्थन जुटाने की हर मुमकिन कोशिश की है।

एलएलबी के बाद आपका सिनेमा की तरफ रुझान कैसे हुआ ?

मेरे पिताजी मूलरूप से उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ के रहने वाले और पीडब्ल्यूडी में असिस्टेंट इंजीनियर के पद से सेवानिवृत्त हैं। लेकिन पूरा परिवार पिछले 19 वर्षों से लखनऊ में ही रहता है। मेरी अधिकांश शिक्षा दिल्ली से ही हुई है। इसलिए राष्ट्रीय राजधानी में यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स की पॉलिटिक्स को मैने करीब से देखा है। पोस्टग्रेजुएट के बाद मैने एलएलबी जरूर की थी लेकिन थिएटर से मेरा लगाव कॉलेज एजुकेशन के दौर से ही हो गया था। पढ़ाई के साथ मैं अभिनय की बारीकियां भी सीखता रहा और आज अपने सपने को बड़े पर्दे पर हकीकत में बदलता देख काफी सुकून मिल रहा है।

एक्टिंग करियर की शुरुआत कब और कैसे हुई ?

थिएटर लाइफ से काफी कुछ सीखने के बाद वर्ष 2017 में मैं मुंबई गया और कई महीने तक काम की तलाश में भटकता रहा। कास्टिंग ऑफिस के चक्कर काटता रहा। तब जाकर करीब साल भर बाद मुझे रंगबाज नाम की वेब सिरीज में तनुज प्रताप सिंह का किरदार निभाने का मौका मिला। फिर कुछ छोटे छोटे किरदार निभाए लेकिन जब कुछ अच्छे किरदार निभाने का मौका मिला तो अचानक कोरोना काल ने तमाम उम्मीदों पर पानी फेर दिया। लेकिन मैने हिम्मत नही हारी अंतत: मेरा संघर्ष मुझे जेएनयू तक ले आया। मुझे उम्मीद है कि जेएनयू को दर्शकों का प्यार और आशीर्वाद जरूर मिलेगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि आगे फिल्मी कैरियर में अच्छे किरदार निभाने का मौका लगातार मिलता रहेगा।

सिनेमा जगत के नामचीन कलाकारों के साथ काम कर कैसा लगा ?

सिनेमा जगत के नामचीन कलाकारों के साथ अभिनय को लेकर शुरुआत में थोड़ा नर्वस जरूर था। लेकिन सभी के सपोर्ट से अपने किरदार के साथ न्याय करने में काफी अहम मदद मिली। यही नहीं उनके साथ रहकर काफी कुछ सीखने का भी मौका मिला। फिल्म के सभी सहयोगियों की मदद से बड़े पर्दे पर रिलीज हुई फिल्म जेएनयू में अपने किरदार को शत प्रतिशत देने की पूरी कोशिश की है। पूरी उम्मीद है कि कलाकारों की जीतोड़ मेहनत दर्शकों को आकर्षित करने में कामयाब होगी। फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिलेगा।

थिएटर से बड़े पर्दे तक के सफर में परिवार ने कैसे साथ दिया ?

थिएटर लाइफ से निकलकर काम की तलाश में मुंबई की खाक छानने के दौरान कई बार हिम्मत टूटती नजर आई। लेकिन इस नाजुक दौर में पूरा परिवार हौसला बनकर मेरे साथ खड़ा रहा। माता जी पिताजी और दोनों भाइयों ने मजबूती से साथ दिया।

भाजपा ने आपातकाल के दुर्दिनों को याद कर मनाया काला दिवस

●लोकतंत्र सेनानियों को किया गया सम्मानित

संवाददाता। सोनभद्र

भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिला कार्यालय पर लोकतंत्र सेनानी सम्मान व गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानियों का मुख्यअतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल के द्वारा नारियल अंगवस्त्र व माल्यार्पण कर सम्मान किया एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के द्वारा आपातकाल लगाने के विरोध में काला दिवस के रुप में मनाया गया। इस मौके पर मुख्यअतिथि जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दोषी पाया और छह साल के लिए पद से बेदखल कर दिया।

इंदिरा गांधी पर वोटरों को घूस देना सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल सरकारी संसाधनों का गलत इस्तेमाल जैसे 14 आरोप सिद्ध हुए लेकिन आदतन श्रीमती गांधी ने उन्हें स्वीकार न करके न्यायपालिका का उपहास किया। राज नारायण ने 1971 में रायबरेली में इंदिरा गांधी के हाथों हारने के बाद मामला दाखिल कराया था। जस्टिस जगमोहन लाल सिन्हा ने यह फैसला सुनाया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष भाजपा नन्दलाल ने कहा कि 24 जून 1975 को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को बरकरार रखा, लेकिन इंदिरा को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बने रहने की इजाजत दी जो कि होना भी जरुरी था क्योकि राजतन्त्र में ऐसा ही होता है।

पूर्व विधायक तीरथराज शिवशंकर व सुरेन्द्र बरनवाल ने कहा कि आपातकाल के खिलाफ सत्याग्रह आंदोलन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के द्वारा चलाया गया जिसके कारण पूरे देश में इन्दिरा गांधी व कांग्रेस के खिलाफ बड़े विरोध प्रदर्शन होने लगे जिसके कारण इन्दिरा गांधी ने लोकसभा भंग करते हुए घोषणा की कि मार्च मे लोकसभा के लिए आम चुनाव होंगे।

चार नाबालिग बच्चों को बालश्रम से कराया गया मुक्त, की गई कार्रवाई

सोनभद्र। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के दिशा निर्देश के क्रम में मंगलवार को थाना राबर्ट्सगंज अन्तर्गत सुकृत बाजार समेत विभिन्न स्थानों पर होटलों ढाबों एवं मोटर पार्ट्स की दुकानों पर से बालश्रम उन्मूलन अभियान के तहत चार बच्चों को बालश्रम से मुक्त कराते हुए सम्बंधित चार नियोक्ताओ पर विधिक कार्यवाही की गयी। जिला बाल संरक्षण इकाई से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि बालश्रम से मुक्त कराये गये पात्र बच्चों को महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना स्पान्सरशिप योजना से लाभान्वित कराते हुए उनके शिक्षा और संरक्षण हेतु चार हजार रूपये दिये जायेगे। उन्होनें बताया कि माह जून में बालश्रम उन्मूलन अभियान थीम के तहत संयुक्त टीम द्वारा 18 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराते हुए श्रम विभाग द्वारा सम्बन्धित पन्द्रह नियोक्ताओं को कार्यवाही किये जाने हेतु नोटिस जारी किया गया है। टीम मे मौकै पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी रॉबर्ट्सगंज शिवेन्द्र प्रताप सिंह थाना मानव तस्करी रोधी एवं विशेष किशोर पुलिस इकाई प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव मुख्य आरक्षी धनंजय यादव आरक्षी अमन द्विवेदी मुख्य आरक्षी मंजीत कुमार पटेल आदि उपस्थित रहे।

व्यापारियों व उद्यमियों के प्रति सहयोग की दृष्टि से करें मामलों का निस्तारण: डीएम

संवाददाता। सोनभद्र

जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक की। उन्होंने कहा कि जिले में उद्योग बन्धुओं से जुड़े मामलों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से अवश्य किया जाये व व्यापारियों उद्यमियों के प्रति सहयोगात्मक रूख अपनाया जाये और उद्यमियों के लम्बित प्रकरणों का निस्तारण सकारात्मक सोच के साथ किया जाये। उद्योगों से सम्बन्धित आवेदन पत्र शत प्रतिशत निवेश मित्र पोर्टल से किया जाये व उद्योगों के आवेदन सीधे ऑन लाईन किये जायें।

इस दौरान उन्होंने सभी सम्बन्धितों को आगाह करते हुए कहाकि वे नियमानुसार कार्यवाही कर उद्यमियों की मदद करें, ताकि अधिक से अधिक रोजगार सृजित हों और उद्यमी भी सकून के साथ अपने उद्योग को संचालित करते रहें। बैठक में गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि व प्रगति की समीक्षा की गयी। इस दौरान जिलाधिकारी ने जिले के व्यापारियों द्वारा सुझाये गये विभिन्न समस्याओं को सुना और सम्बन्धित को तत्काल निराकरण के निर्देश दियें। बैठक के अन्त में जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि 19 फरवरी, 2024 को ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया।

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री द्वारा जनपद में प्राप्त निवेश की 51 इकाईयों का वर्चुअल के माध्यम से उद्घाटन किया गया। जिसमें शासन स्तर से 1 लाख करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें जनपद स्तर पर 1 लाख 21 हजार 220 करोड़ का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिले की सभी 51 इकाईयों को शासन स्तर से निवेशकों को वितरित करने हेतु स्मृति चिन्ह प्राप्त हुए थे। जिसे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय उद्योग बन्धु की बैठक के दौरान जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह के कर कमलों द्वारा निवेशकों को शासन स्तर से प्राप्त स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

बीजपुर, सोनभद्र। विकास खण्ड म्योरपुर के ग्राम सभा अंजानी के टोला बकरिहवां में आदिवासी सेवा समिति बखरीहवां के तत्वाधान में सोमवार को रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रमों व वार्षिक सभा के बीच मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रानी दुर्गावती के फोटो प्रतिमा के पूजा अर्चना व माल्यार्पण करके किया गया। अगली कड़ी में वार्षिक सभा का आयोजन करके वक्ताओं ने अपने अपने विचार रखते हुए सामाजिक, शैक्षणिक विषयों पर चर्चा व परिचर्चा करके उसे और भी बेहतर बनाने पर जोर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ प्रान्त से आए हुए कलाकारों व स्थानीय कलाकारों ने गीतों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख म्योरपुर मान सिंह गोंड विशिष्ट अतिथि के रूप में संजय सिंह गोंड एडीओ पंचायत म्योरपुर काशी राम ठाकुर जिला पंचायत सदस्य म्योरपुर सुषमा सिंह व दीपनारायन सिंह आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य किरबील जनकधारी सिंह ने किया।

कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र और संविधान को रौंदा था: दयाशंकर मिश्र

●लोकतंत्र सेनानियों का किया गया अभिनंदन

संवाददाता। प्रयागराज

भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर के द्वारा आपातकाल दिवस की 50 वीं वर्षगांठ काला दिवस के रूप में मनाते हुए पार्टी कार्यालय सिविल लाइन के सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर मुख्य अतिथि स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु गुरु ने कहा कि प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी निजी स्वार्थ और सत्ता के लिए आपातकाल लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटा का था और देश के संविधान को रौंदा था।

उन्होंने अपनी राजनैतिक मंशा को पूरी करने के लिए संविधान एवं न्यायपालिका के विरोध में जाकर लोकतंत्र का काला इतिहास रचते हुए देश के अंदर आपातकाल लगा दिया और जब उनके इस फैसले का विरोध लोकतंत्र के रक्षकों ने किया तो उनके ऊपर लाठियां भांजी गई और काला पानी की जैसे सजा देते हुए जेल में ठूंस दिया गया और इस यातना के बाद भी वे रुके नहीं झुके नहीं और लोकतंत्र के लिए संघर्ष करते रहे और कहा कि लोकसभा के चुनाव में राहुल गांधी ने देश के चुनाव आयोग का बदनाम करते हुए ईवीएम हैक करने का बहाना करते हुए दुष्प्रचार फैलाया और कहा कि राहुल गांधी विदेश में जाकर लोकतंत्र की दुहाई देते हुए देश को बदनाम करते हैं और खटाखट 8500 रुपए देने का दुष्प्रचार फैलाया।

जनता को धोखा दिया और लोकतंत्र को शर्मसार किया। कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में सिर्फ सत्ता प्राप्त के लिए 75 बार संविधान में संशोधन किया और कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और देश का लोकतंत्र मजबूत हुआ सबको समान रूप से सरकार की लाभ की योजनाओं को पहुंचाया गया। कहा कि आज भी कांग्रेस की इंडी इलायंस तमिलनाडु कर्नाटक और पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की लूट कर रही है संविधान को रौंदने का काम कर रही है। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौर ने कहा कि आपातकाल दिवस के 50 साल के बाद भी कांग्रेस की सोच 1975 वाली बनी है वह अपने परिवार के लिए और सत्ता के लिए किसी भी हद तक जा सकती है और इस लोकसभा के चुनाव में संविधान बदलने को लेकर भ्रामक प्रचार किया। जबकि कांग्रेस का इतिहास रहा है अपने सरकार की कार्यकाल में अपने वोट बैंक के खातिर देश की संविधान के साथ छेड़छाड़ की और आज भी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इस अवसर लोकतंत्र सेनानी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष नरेंद्र देव पांडे ने कहा कि आपातकाल की लड़ाई देश को दूसरी आजादी दिलाने के जैसा रहा हम लाठी खाते रहे वंदे मातरम का गीत गाते रहे और कहा कि राहुल गांधी ने लोकसभा के चुनाव में सत्ता प्राप्त करने के लिए संविधान बदलने के नाम पर झूठ फैलाकर लोकतंत्र को गुमराह किया।

जिलाधिकारी ने जन चौपाल में किया प्रतिभाग, योजनाओं का लाभ प्रदान करने के दिए निर्देश

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह तथा पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ की अध्यक्षता में विकास खण्ड भीटी अंतर्गत ग्राम पंचायत सेनपुर में जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी द्वारा आमजन की समस्याओं को सुना गया तथा सम्बन्धित को निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विभागों के आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन, शौचालय, प्रधानमंत्री आवास तथा आदि योजना के बारे में जानकारी लिया गया। साथ ही साथ पंचायत भवन में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी पूछताछ किया गया। ग्रामीणों द्वारा अवगत कराया गया कि हम सभी को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ मिलता है।

इस दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जिन पात्र व्यक्तियों को नही मिल रहा है उनका नाम चिन्हित कर लाभ दिलाया जाय।

इस दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि के लाभार्थियों से वार्ता की गई। इस ग्राम पंचायत में *प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से कुल 430 किसानों को लाभ मिल रहा है।* जो भी पात्र लाभार्थी इस योजना से वंचित हैं उसे उक्त योजना से लाभान्वित करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी द्वारा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि पशुओं के टीकाकरण के लिए अभियान चलाकर टीकाकरण कराए। *ग्राम पंचायत में बारात घर हेतु जिलाधिकारी द्वारा 42 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई।

जमीन चिन्हित करने के लिए जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी भीटी को निर्देशित किया गया। उपस्थित ग्रामीण महिलाओं द्वारा अवगत कराया गया कि स्वरोजगार के तहत अपने को आत्मनिर्भर बनते हुए उनके द्वारा उच्च गुणवत्ता युक्त मिठाई का निर्माण किया जाता है व उसकी सप्लाई की जाती है साथ ही टांडा टेरीकाट गमछे पर कढ़ाई का कार्य किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को इस तरह आत्मनिर्भरता की स्थिति में आते देखकर जिलाधिकारी द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई और जिलाधिकारी ने कहा कि इसी तरह से अन्य महिलाओं को आगे बढ़कर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ लेते हुए आत्मनिर्भर बनना चाहिए। साथ ही साथ जिलाधिकारी ने उपस्थित युवाओं को भी स्वरोजगार करने के लिए प्रेरित किया गया तथा लड़कियों को पढ़ने के साथ-साथ सिलाई, कढ़ाई तथा अन्य कार्य के रूप में स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया।

राजस्व संबंधी जो भी मामले लंबित है उसका निस्तारण ससमय करने हेतु निर्देशित किया गया।इस दौरान मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. सदानंद गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजकुमार, उप जिलाधिकारी भीटी, परियोजना निदेशक, ग्रामीण , अन्य लोग तथा संबंधित विभाग के अधिकारी /कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

हिंदी पत्रकारिता में गणेश शंकर विद्यार्थी भारत बोध के प्रखर प्रवक्ता थे: प्रो संजय द्विवेदी

संवाददाता। प्रयागराज

हिन्दुस्तानी एकेडमी उत्तर प्रदेश प्रयागराज के तत्वावधान में मंगलवार को गाँधी सभागार हिन्दुस्तानी एकेडमी प्रयागराज में गणेश शंकर विद्यार्थी की पत्रकारिता पर केन्द्रित राष्ट्रीय एकता के निर्माण में गणेश शंकर विद्यार्थी की पत्रकारिता विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मंचासीन अतिथियों का स्वागत सम्मान शाल पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिह्न देकर एकेडेमी के सचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए एकेडेमी के सचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि निर्धनों किसानों और मजदूरों की समस्याओं को उजागर करने तथा सामाजिक जड़ताओं अंध परंपराओं एवं कुरीतियों के विरुद्ध सामाजिक जागृति का उद्देश्य लिए पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी का लेखन अपने आप में ही महान है। साहित्य के माध्यम से राष्ट्रीयता की अलख जगाना वे बखूबी जानते थे। अहर्निश राष्ट्र सेवा को समर्पित एक ऐसा व्यक्ति जो स्वातंत्र्य समर समाजसेवा सामाजिक राजनीतिक संगठन और पत्रकारिता में एक साथ सक्रिय रहा हो। इन सबके साथ जिसने कोर्ट कचहरी और जेल जीवन का भी सहर्ष वरण किया हो यह विलक्षण प्रतिभा अदम्य साहस और अटूट लगन को ही दर्शाता है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे प्रो संजय द्विवेदी पूर्व कुलपति माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एव संचार विश्वविद्यालय भोपाल ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता में गणेश शंकर विद्यार्थी भारतबोध के प्रखर प्रवक्ता की तरह सामने आते हैं। उनकी पत्रकारिता का सूत्र है राष्ट्र प्रथम। इन्हीं मूल्यों के लिए उन्होंने अपना जीवन भी बलिदान कर दिया। विद्यार्थी ने न सिर्फ प्रयागराज में जन्म लिया बल्कि यहीं से उन्होंने महावीर प्रसाद द्विवेदी और महामना मालवीय के सान्निध्य में पत्रकारिता की दीक्षा ली। लोकमान्य तिलक के राष्ट्र दर्शन से प्रभावित होने के कारण विद्यार्थी जी की समूची पत्रकारिता में क्रांतिकारी और परिवर्तनकारी विचार दिखते हैं।

उनका मानना था कि पत्रकारिता का उद्देश्य समस्त मानव जाति का कल्याण है और शिक्षा सुशासन तथा कुरीतियों के विरोध से ही यह संभव हो पाएगा। वह साफ कहते थे हम अपने जातीय गौरव की प्रशंसा करें किन्तु पत्रकारिता के माध्यम से अपने दोषों को भी प्रकट करें। संगोष्ठी के सम्मानित वक्ता के रूप में षिवषरण सिंह गहरवार सचिव मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति लखनऊ ने कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी एक निर्भीक निष्पक्ष ईमानदार क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाले पत्रकार स्वतंत्रता सेनानी थे। ब्रिटिश शासन की जड़ों को खोखला कर देने की कुबत ने अंग्रेजो को हिला दिया था।

गंभीर चोट पहुंचाने के दोषी राम सुभग को 10 वर्ष की कठोर कैद

सोनभद्र। साढ़े पांच वर्ष पूर्व फुलझरिया की आंख के नीचे तीर जैसे हथियार से प्रहार कर गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में मंगलवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम जीतेंद्र कुमार द्विवेदी की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी राम सुभग को 10 वर्ष की कठोर कैद व 15 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 4 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक बिहारी खरवार पुत्र स्वर्गीय बबलू खरवार निवासी बहेराडार थाना जुगैल, ने 23 अगस्त 2018 को थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसकी बहन फुलझरिया करीब 10 साल से पति को छोड़ने पर उसी के साथ रहती है। करीब दो साल से राम सुभग पुत्र राम सागर खरवार निवासी जुगैल टोला जोरवा, थाना जुगैल, जिला सोनभद्र के साथ रह रही थी। परन्तु एक माह से आपसी विवाद की वजह से वह उसी के यहां रहती थी। बावजूद इसके राम सुभग उसके घर आकर बहन से विवाद करता था। बीती रात को राम सुभग ने तीर जैसे नुकीले हथियार से बहन की आंख के नीचे वार कर गंभीर चोट पहुंचा दिया। जिसे दवा इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आवश्यक कार्रवाई की जाए। इस तहरीर पर पुलिस ने राम सुभग पुत्र राम सागर निवासी जुगैल टोला जोरवा, थाना जुगैल, के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किया। मामले की विवेचना करते हुए विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था।

मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी राम सुभग को सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विनोद कुमार पाठक एडवोकेट ने बहस की।

संचारी अभियान में रोगों को दूर करने के लिए 10 विभागों की होगी सहभागिता

संवाददाता। मीरज़ापुर

संचारी रोग नियन्त्रण अभियान व दस्तक अभियान के तहत मंगलवार को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय स्थित विवेकानन्द सभागार में जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर छोटे लाल वर्मा ने समीक्षा ली। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर छोटे लाल वर्मा ने बताया कि यह अभियान 01 जुलाई से 31 जुलाई तक चलाया जायेगा। मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि अभियान के सम्बन्ध में पहले ही सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों, आशा बहुओं, एएनएम समेत सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पत्र के माध्यम से अवगत करा दिया गया है। इसके साथ ही इस बार के दस्तक अभियान के दौरान जिले की समस्त आशाओं को यह निर्देशित किया कि वे दस्तक अभियान के दौरान सभी का आभा कार्ड भी बनाने का कार्य करेगी जिसकी रिपोर्ट प्रतिदिन जिला मुख्यालय पर तैनात नोडल द्वारा लिया जायेगा। इसके अलावा वे अपने जिग व ओआरएस घोल का पैकेट भी जिन घरो में 05 वर्ष से छोटे बच्चे पाये जाने पर देने का कार्य करेगी। इस बार के अभियान में पहले से चल रहे स्टाफ डायरिया प्रोगाम को भी लिया गया है।

अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, नोडल अधिकारी डॉक्टर राजकिशोर अहिरवार ने बताया कि इस अभियान में नगरपालिका, नगर पंचायत, कृषि विभाग, पंचायती विभाग, पेयजल, पशुपालन, बाल विकास विभाग समेत तमाम विभागों के सहयोग से साफ.सफाई का कार्य कराया जायेगा। जल भराव व गंदगी के स्थानों पर लार्वा को नष्ट करने के लिये दवाओं का एक महीने तक लगातार छिड़काव किया जायेगा। सभी विभागों के सहयोग से संचारी रोगों को नियन्त्रण करनेका प्रयास किया जायेगा। इस अभियान में डोर.टू.डोर दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई चलाया जायेगा। उसके बाद व्यक्तियों का उपचार करने का काम किया जायेगा। इसके साथ ही इस बार खाद्य सुरक्षा विभाग को भी जोड़ा गया जो खुले में बिकने वाले समानों को चेक करने का कार्य करेगी।

सकलडीहा में तीन सौ गरीबों का बनेगा मुख्यमंत्री आवास

सकलडीहा, चन्दौली। शासन की ओर से मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत कुष्ट रोग पीड़ित और दिव्यांगों को भी मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जायेगा। मंगलवार को सकलडीहा ब्लॉक प्रशासन की ओर से विभिन्न कटेगरी के साथ कुल 302 आवास बनाने के लिये लाभार्थियों को चयन करके सूची जिला प्रशासन को भेजा है। शीघ्र ही चयनित लाभार्थियों का सीएम आवास बनवाने की कवायद शुरू किया जायेगा। मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत सकलडीहा ब्लॉक में विकास कार्यो गति देने की कवायद शुरू कर दिया गया है। इस क्रम में बीडीओ केके सिंह के निर्देश सचिवों ने विभिन्न वर्ग के गरीब लाभार्थियों की सूची उपलब्ध कराया है। जिसमें 46 बनवासी, 7 नट, दिव्यांगजन में 66 सामान्य वर्ग, 35 अनुसूचित जनजाति, निराश्रित महिला में सामान्य वर्ग के 69 और अनुसूचित में 70, कुष्ट रोग से पीड़ित 7, दैविक आपदा से पीड़ित 2 सहित कुल 136 सामान्य और 166 अनुसूचित वर्ग के लाभार्थियों को मुख्य मंत्री आवास मुहैया कराया जायेगा।

विशेष दुर्घटना सुरक्षा बीमा लेकर आया डाक विभाग का इंडिया पोस्ट पेमेंटस बैंक

प्रयागराज। महंगे प्रीमियम पर बीमा करवाने में असमर्थ लोगों के लिए डाक विभाग का इण्डिया पोस्ट पेमेंटस बैंक विशेष दुर्घटना सुरक्षा बीमा लेकर आया है। जिसमें वर्ष में महज 520 और 799 रुपए के प्रीमियम के साथ लाभार्थी का 10 और 15 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा होगा। एक साल खत्म होने के बाद अगले साल यह बीमा फिर से रिन्यू करवाना होगा। इसके लिए इंडिया पोस्ट पेमेंटस बैंक में लाभार्थी का खाता होना अनिवार्य है।

यह जानकारी प्रयागराज क्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने दी। डाक विभाग इसके लिए 26 और 27 जून 2024 को प्रयागराज क्षेत्र में विशेष अभियान चलायेगा।पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इण्डिया पोस्ट पेमेंटस बैंक और विभिन्न बीमा कंपनियों के मध्य हुए एक एग्रीमेंट के तहत 18 से 65 वर्ष आयु के लोगों को यह निजी दुर्घटना बीमा सुरक्षा मिलेगी। इसके तहत बीमा कवर में दुर्घटना से मृत्यु, स्थाई या आंशिक पूर्ण अपंगता अंग विच्छेद या पैरालाइज्ड होने पर 10 और 15 लाख रुपए का कवर मिलेगा। साथ ही साथ इस बीमा में दुर्घटना होने की स्थिति में हॉस्पिटल में भर्ती आईपीडी खर्च ओपीडी एवं दैनिक भुगतान की भी सुविधा मिलेगी। इस बीमा में डॉक्टर से पोषण संबंधी सलाह एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए परामर्श की भी सुविधा होगी। उपरोक्त सभी लाभों के अलावा दो बच्चों की पढ़ाई के लिए रूपया एक लाख तक का खर्च दस दिन अस्पताल में रोजाना का एक हजार खर्च किसी अन्य शहर में रह रहे परिवार हेतु ट्रांसपोर्ट का 25 हजार रूपए तक का खर्च और मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार के लिए पांच हजार तक का खर्च मिलेगा।

निदेशक डाक सेवाएँ गौरव श्रीवास्तव ने कहा कि इसके लिए इंडिया पोस्ट पेमेंटस बैंक में लाभार्थी का खाता होना अनिवार्य है। प्रीमियम खाता मात्र 200 सौ से खोला जा सकता है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए ग्राहक का आधार नंबर एवम मोबाइल नंबर होना अनिवार्य है। ग्राहक का खाता बिना किसी दस्तावेज के केवल बायोमेट्रिक के आधार पर तुरंत खुल जाता है एवं साथ ही साथ दुर्घटना बीमा का भी लाभ बिना किसी दस्तावेज जमा कराए लिया जा सकता है। प्रीमियम खाता में किसी भी प्रकार का डोर स्टेप चार्ज नहीं देना होगा तथा इसके साथ ही बिजली बिल भुगतान और कैशबैक भी प्राप्त किया जा सकता है। घर बैठे आईपीपीबी एप के माध्यम से सुकन्या पीपीएफ आर डी पीएलआई आदि का ऑनलाइन जमा किया जा सकता है। आई पी बी बी प्रीमियम खाता खोलने पर आधार सीडिंग डीबीटी मैपिंग की भी सुविधा उपलब्ध होगी।

जिसके तहत खाता धारक भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं किसान सम्मान निधि विधवा पेंशन आदि में मिलने वाले लाभ का भुगतान सरलता से अपने खाते के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले में आरोपी मोनू शर्मा की सशर्त जमानत मंजूर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले में आरोपी झांसी के निवासी मोनू शर्मा उर्फ मोनू पंडित की सशर्त जमानत मंजूर कर ली है। उच्च न्यायालय ने कहा कि अन्य दो सह अभियुक्तों रजनीश रंजन व मोनू कुमार को इस वाद में पहले ही जमानत मिल चुकी है। याची ने चार आपराधिक केसों का खुलासा किया है। जिसमें वह पहले से जमानत पर चल रहे हैं। याची के कब्जे से कुछ भी बरामद नहीं किया गया है और वह पांच अप्रैल 24 से कारागार में बंद हैं। उच्च न्यायालय अपने आदेश में ने कहा है कि यह मामला मजिस्ट्रेट के अधीन विचारणीय है इसलिए वह जमानत पाने का हकदार है। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन ने मोनू शर्मा की जमानत अर्जी को स्वीकार करते हुए दिया है। याची के खिलाफ नवाबाद थाना झांसी में भारतीय दंड संहिता की धारा 420 467 468 471 व 34 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज की गई है।

हज त्रासदी

तैयारी जरूरी

हज यात्रा में तीर्थयात्रियों की दु:खद मौतों के बाद बेहतर तैयारियों तथा सऊदी अरब सरकार की बेहतर प्रतिक्रिया की आवश्यकता उजागर होती है। यह वर्ष सर्वाधिक दु:खद हज यात्राओं में से एक रहा है जब 98 भारतीय हाजियों की मौत की पुष्टि हो गई है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि इन मौतों का कारण सऊदी अरब के मक्का में चलने वाली अभूतपूर्व लू थी। यह त्रासदी हालिया वर्षों में सर्वाधिक भयानक गर्मी के कारण हुई जिसमें तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया जिससे विभिन्न देशों के 1,000 से अधिक हज यात्रियों की मृत्यु हो गई। उच्च तापमान और अत्यधिक नमी के कारण अनेक तीर्थयात्रियों में गर्मी के कारण बीमारियां पैदा हो गईं। इनका असर खासकर पहले से बीमारियों का शिकार व वृद्ध लोग हुए। लू लगने तथा निर्जलीकरण के कारण चिकित्सा सुविधाओं पर बहुत बोझ पड़ा जिसके कारण बड़ी संख्या में लोग बीमार हुए या मर गए। पीड़ितों में मिस्र, इंडोनेशिया व जार्डन के नागरिक बड़ी संख्या में थे। इससे इस त्रासदी का व्यापक वैश्विक प्रभाव पता चलता है और हज यात्रियों के लिए बेहतर सुरक्षा व्यवस्थाओं की आवश्यकता उजागर होती है। हज यात्रा में हर साल लाखों मुसलमान मक्का आते हैं। हालांकि, सऊदी अरब हज यात्रियों की सुरक्षा के व्यापक प्रबंध करता है, पर इसके बावजूद अनेक त्रासद घटनायें हो जाती हैं। तीर्थयात्रियों की मौतों के पीछे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे बड़ा कारण हैं जिनमें गर्मी के कारण पैदा बीमारियां भी शामिल हैं। भयानक गर्मी और शारीरिक थकान के कारण निर्जलीकरण हो जाता है, लू लग जाती है तथा अन्य समस्यायें पैदा होती हैं। 2018 में भी दर्जनों हज यात्री भयानक गर्मी के कारण मर गए थे जो इस मौसम में सऊदी अरब में सामान्य बात है।

लू के विनाशकारी प्रभाव के कई कारण हैं। पहला, जलवायु परिवर्तन निरंतर स्पष्ट होता जा रहा है। इसके कारण अक्सर वैश्विक तापमान बढ़ने की घटनायें होती हैं तथा भयानक लू चलती है। इससे खासकर मध्यपूर्व में मौसम बहुत खराब हो जाता है तथा ऐसे आयोजन जानलेवा साबित हो सकते हैं। दूसरा, बड़ी संख्या में हज यात्रियों को सुविधायें देने के लिए ढांचागत संरचना में भारी निवेश के बावजूद मौसम का बहुत खराब होना इन सुविधाओं पर भारी पड़ता है। इससे उपयुक्त चिकित्सा देखभाल तथा शीतलन समाधान प्रदान करने में बाधा आती है। इसके साथ ही बहुत से हज यात्री भयानक गर्मी से निपटने के लिए ठीक से तैयार नहीं होते हैं। बहुत से लोगों को इसके बारे में समुचित जानकारी नहीं थी या वे इतने खराब मौसम से निपटने में अक्षम थे। उनको समुचित मात्रा में निर्जलीकरण से बचाने तथा अन्य रक्षात्मक उपायों की कमी थी जिसके कारण बड़ी संख्या में हज यात्रियों की मौत हुई। भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचने के लिए अनेक उपाय करने की आवश्यकता है। मौसम की पूरी सतर्कता से निगरानी की जानी चाहिए तथा सही समय पर लू संबंधी जानकारी से हज यात्रियों व अधिकारियों को बेहतर तैयारी करने का अवसर मिलेगा। लू की चेतावनियों की जीवन्त व्यवस्था तथा आवश्यक सावधानियों के बारे में महत्वपूर्ण सूचनायें देने से भविष्य में जोखिम को घटाया जा सकता है। इसके साथ ही ढांचागत संरचना में व्यापक स्तर पर सुधार की जरूरत है। इसमें ज्यादा छायादार क्षेत्रों तथा 'कूलिंग सेंटरों' की स्थापना शामिल है। इसके साथ ही इस बात के प्रयास आवश्यक हैं कि हज यात्रियों में निर्जलीकरण न होने पाए, उनको समुचित मात्रा में पानी और द्रव पदार्थ दिए जाएं ताकि उनको गर्मी संबंधी स्वास्थ्य मुद्दों से सुरक्षा दी जा सके।

भ्रष्टाचार का विकास पर प्रभाव

वैश्विक स्तर पर भ्रष्टाचार-उन्मूलन के अनेक प्रयासों के बावजूद व्यवस्था में भ्रष्टाचार बना हुआ है। इससे भारत में लोकतंत्र का भविष्य तथा उसका सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य प्रभावित होता है।

प्रफुल्ल गोराडिया
(लेखक, पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं)

वैश्विक स्तर पर भ्रष्टाचार-उन्मूलन के अनेक प्रयासों के बावजूद व्यवस्था में भ्रष्टाचार बना हुआ है। इससे भारत में लोकतंत्र का भविष्य तथा उसका सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य प्रभावित होता है। कुछ दिन पहले मेरे एक अमेरिकन परिचित कोलकाता जाने के रास्ते पर दिल्ली से गुजर रहे थे। उन्होंने पिछले दस साल में भारत द्वारा की गई उल्लेखनीय प्रगति की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत का विकास और प्रगति किसी भी दृष्टिकोण से आश्चर्यजनक है। लेकिन वे इस बात से बहुत परेशान थे कि यही भारतीय इतने अधिक भ्रष्टाचार को कैसे सहन करते हैं। भारत में भ्रष्टाचार बहुत व्यापक है और इसका व्यापक स्तर पर लोगों की सोच पर प्रभाव पड़ता है। उनको पता लगा कि भारत में कई राज्यों के मुख्यमंत्री वर्तमान समय में जेलों में बंद हैं। उन्होंने मुझे बताया, अमेरिका में लोग इस बात पर आश्चर्य करते हैं कि भारतीय जनता इतने बड़े स्तर पर दुर्व्यवहार कैसे सहन करती है और इसके कारण दुनिया भर में उसका सम्मान गिरता है। इसकी तुलना में दूसरे देशों पर गौर करें तो स्पष्ट होगा कि कुछ साल पहले जापान के एक प्रधानमंत्री को जेल जाना पड़ा था। लेकिन इस घटना से जापानी जनता बहुत व्यथित हुई और इसके बाद से, जहां तक हमें पता है ऐसी घटना फिर दुहराई नहीं गई। मेरे अमेरिकन परिचित एक तथ्य पर जोर दे रहे थे कि भारत में भ्रष्टाचार लगातार जारी रहने और इसकी व्यापक स्तर पर उपस्थिति के बावजूद आम जनता में इसके प्रति कोई शर्म या परेशानी की भावना नहीं है।

ऐसा नहीं कि दुनिया में कहीं और भ्रष्टाचार नहीं है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति तथा एक बार फिर 2024 में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को न्यूयार्क की एक अदालत ने 'फेलोनी' या झूठ बोलने का दोषी पाया है। यह कदाचार से ज्यादा गंभीर अपराध है। कुछ दिनों पहले वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन के पुत्र हंटर बाइडेन को नशीले पदार्थों के उपयोग के बारे में तथ्य छिपाने का दोषी पाया गया है। इसकी तुलना में भारत का रिकार्ड न केवल सहन सीमा में है, बल्कि यहां दागी मुख्यमंत्रियों और राजनेताओं को 'सजा' भी मिली है जो अपने आप में अत्यधिक उल्लेखनीय है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को जानवरों के लिए निर्धारित सरकारी बजट से 600 करोड़ रुपये गबन का दोषी पाया गया। यह ऐसे देश में हुआ जहां लोग गाय को माता मान कर उसकी पूजा करते हैं। तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय जयललिता एक समय सिनेमा की लोकप्रिय नायिका थीं, पर उनको भी भ्रष्टाचार के मामले में जेल जाना पड़ा। हाल ही में भ्रष्टाचार के आरोपों में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तथा दिल्ली के वर्तमान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल जाना पड़ा।

हेमंत सोरेन तथा अरविंद केजरीवाल पर हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोप हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या इन नेताओं को अपना अस्तित्व बचाए रखने, अपनी सरकारें चलाने या चुनाव लड़ने के लिए पैसे की आवश्यकता के कारण भ्रष्टाचार करना पड़ा? इसका जवाब निश्चित रूप से 'नहीं' है। लगता है कि उन्होंने लालच के कारण हजारों करोड़ का भ्रष्टाचार किया। आश्चर्यजनक है कि इन लोगों को अपने किए पर कोई पछतावा तक नहीं है, जैसे कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया हो।

पिछले वर्षों में मुझे अनेक सजा प्राप्त चोरों और अपराधियों से मिलने का मौका मिला। इनमें से कुछ ने विरोध प्रकट करते हुए कहा कि उनको 'जरूरत से ज्यादा दंड मिला'। लेकिन इनमें से किसी ने पश्चाताप की जरा भी भावना नहीं व्यक्त की, न ही उन्होंने इस बात पर कोई अफ्सोस किया कि उनको ऐसा काम नहीं करना चाहिए था। विडंबना है कि भारत में भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए या इसके आरोपित लोग बार-बार न केवल चुनाव लड़ते रहे, बल्कि जोश के साथ चुनाव प्रचार भी करते रहे। अक्सर इनमें से अनेक प्रबल बहुमत से चुनाव जीतने में भी सफल हुए। इस परिघटना से यह संदेश भी गया कि शायद मतदाताओं को उनके 'भ्रष्टाचारी कृत्यों' की जरा भी चिन्ता नहीं है। ऐसे में यह सवाल भी स्वाभाविक रूप से उठता है कि जनता में भ्रष्टाचार की इस परोक्ष या प्रत्यक्ष स्वीकार्यता के प्रति समाज विज्ञानी क्या कहते हैं? आखिर ऐसी परिघटना का क्या कारण है? अधिकांश मतदाताओं के ईमानदार होने की संभावना है या कम से कम वे दूसरे लोगों से जीवन में ईमानदारी के व्यवहार की उम्मीद करते हैं। लेकिन आश्चर्य है कि फिर वे ऐसे नेताओं को कैसे सहन करते हैं जो सार्वजनिक धन का बड़ा हिस्सा हड़प कर उसे निजी उपयोग में लाते हैं? क्या मतदाता यह समझ नहीं पाते कि भ्रष्टाचारी नेता जो पैसा हड़प लेते हैं वह स्वयं उनकी कठोर परिश्रम से कमाई गई संपत्ति है?

स्वर्गीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भ्रष्टाचार को यह कह कर सही ठहराने का प्रयास किया था कि यह 'वैश्विक परिघटना' है। उन्होंने पूछा था, 'दुनिया का कौन सा देश भ्रष्टाचार से मुक्त है?' इंदिरा गांधी के समय के अनेक नेताओं ने इसे बेलगाम होकर सार्वजनिक संपत्ति हड़पने के लिए उनकी अनुमति मान लिया। इंदिरा गांधी के बड़े बेटे राजीव गांधी जब प्रधानमंत्री थे तब उनके ऊपर बोफोर्स तोपें खरीदने के मामले में भ्रष्टाचार का बड़ा आरोप लगा था। इसके बाद डा. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में बनी कांग्रेस नीत संप्रग सरकार पर कार्यकाल के दस साल में भयानक भ्रष्टाचार के अनेकों आरोप लगे थे।

मनमोहन सरकार की पहचान भ्रष्टाचार तथा एक खास धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय का अंतहीन तुष्टीकरण बन गई थी। यदि उनके किसी मंत्री पर भ्रष्टाचार का आरोप सिद्ध होता या उसे जेल जाना पड़ता तो मनमोहन सिंह यह कह कर अपना बचाव करते थे कि उसका संबंध उनके गठबंधन साझीदारों से है और वह उनकी पार्टी का नहीं है। भले ऐसे में वे क्या कर सकते थे? इसके साथ ही उनको यह सार्वजनिक घोषणा करने में कोई तकलीफ नहीं हुई थी कि 'देश के संसाधनों पर मुसलमानों का पहला हक है और इस प्रकार स्वाभाविक रूप से उनको 15 प्रतिशत संसाधन आबंटित कर दिए जाने चाहिए।' भले ही उनका यह कृत्य 'भ्रष्टाचार' के दायरे में न आता हो, पर निश्चित रूप से यह नैतिक पतन की पराकाष्ठा है।

इन सबका खासकर भारत में लोकतंत्र के भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है? सौभाग्य से पिछले दस साल से भारत को एक ऐसा प्रधानमंत्री मिला है जिसने 'भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान' में कभी रियायत नहीं बरती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह कथन बहुत लोकप्रिय हुआ, 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा।' प्रधानमंत्री मोदी अपने इस कथन के प्रकाशवान प्रतीक बने हुए हैं। उनके द्वारा पिछले दस साल में उठाए गए अनेक कदमों और उपायों से भ्रष्ट राजनेताओं और अधिकारियों का जीना हराम हो गया है। उनके इन उपायों और कदमों में नोटबंदी, फर्जी कंपनियों की पहचान और उनको समाप्त करना, अस्तित्वहीन फर्जी एनजीओ समाप्त करना तथा वस्तु एवं सेवाकर-जीएसटी के माध्यम से देश की कर व्यवस्था को सुचारु बनाना शामिल है। उनके सतत प्रयासों से अनेक भ्रष्टाचारी नेता और अधिकारी जेल भेजे गए हैं। इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'वैश्विक नेता' के रूप में स्वीकार्यता बढ़ी है और उनका सभी सम्मान करते हैं।

यह कोई संयोग नहीं है कि आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है और यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। इसका सीधा संबंध भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी के लगातार और अथक युद्ध से है। लेकिन यह भी सच है कि पहले की सरकारों में गहराई तक व्याप्त भ्रष्टाचार का आदी रहा जनता का एक हिस्सा आजकल बहुत दु:खी है। पहले ऐसे तत्वों बिना प्रयास के पैसे बनाने, बिना किसी जवाबदेही के पद या शक्ति का लाभ उठाने का अवसर मिलता था और उनको दंड का भी कोई भय नहीं था। ऐसे लोगों को अचानक ऐसी दुनिया का सामना करना पड़ रहा है जिसके वे आदी नहीं थे। वे इसे पसंद नहीं करते हैं और स्वयं को उत्पीड़ित अनुभव कर रहे हैं। इस चुनाव में भाजपा की सीटें घटना इसी प्रतिक्रिया का भी परिणाम है।श के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होगा।

आध्यात्मिक क्रियाओं की शक्ति

> हम आध्यात्मिक गतिविधियों के प्रभावों का अनुभव कर सकते हैं, यदि हम उन्हें करते हैं। ऐसी कई गतिविधियां हैं।

अजीत बिश्नोई
(लेखक आध्यात्मिक शिक्षक हैं)

हमें आश्चर्य होता है या होना चाहिए कि क्या हम आध्यात्मिक गतिविधियों के प्रभावों का अनुभव कर सकते हैं, यदि हम उन्हें करते हैं। ऐसी कई गतिविधियां हैं। मैंने दस सबसे प्रमुख गतिविधियों को चुना है ताकि यह विस्तार से बता सकूं कि वे हमारे लिए क्या करती हैं। इसके अतिरिक्त, मैं यह बताने का प्रयास करूँगा कि वे समग्र रूप से क्या करती हैं, भले ही हम उनमें से कुछ को ही चुनें, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे हमारे लिए उपयुक्त हैं या नहीं। उन्हें चुनने और उन्हें लंबे समय तक करने की हमारी क्षमता दोनों में हमारी प्रकृति निर्णायक कारक हैं। आखिरकार, उनका प्रभाव मीठा खाने और उसके स्वाद का आनंद लेने जैसा स्थूल नहीं है। सभी आध्यात्मिक गतिविधियाँ हम पर सूक्ष्म प्रभाव छोड़ती हैं, लेकिन उनका अनुभव किया जा सकता है। केवल एक शर्त है खुले दिमाग का होना। नकारात्मक या आलोचनात्मक रवैया उनके प्रभावों को महसूस करने से रोकेगा।

प्रार्थना से शुरू करें, ऐसा करना सबसे स्वाभाविक है, बच्चे भी परेशान होने पर या किसी चीज की जरूरत होने पर प्रार्थना करते हैं। क्या भगवान जवाब देते हैं? वे निश्चित रूप से जवाब देते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि हम जिस तरह से चाहते हैं, वैसा ही हो, क्योंकि हमें वह मिलना चाहिए जो हम चाहते हैं।

हमारा प्रयास व्यर्थ नहीं जाएगा। अगला है याद रखना, हम सभी करते हैं। यह बहुत स्वाभाविक है; भगवान हमारे जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा हैं, कम से कम हम भारतीयों के लिए - जो धन्य हैं। क्यों? क्योंकि बचपन से ही आध्यात्मिकता हमसे दूर नहीं होती; यह हमारे खून में है। इसका इनाम प्रार्थना करने जैसा ही होगा। तीसरा है मंदिर में देवता के दर्शन करना। हममें से बहुत से लोगों के घर में पूजा घर है, जहाँ

हम आसानी से दर्शन कर सकते हैं। हममें से बाकी लोगों के पास, कम से कम हममें से ज्यादातर के पास भगवान के अवतारों की तस्वीरों वाले कैलेंडर हैं। इसका तुरंत फ़ायदा यह होता है कि हम अच्छा और आशावान महसूस करते हैं। भगवान को देखना इतना अद्भुत है। चौथी सबसे आम आध्यात्मिक गतिविधि भगवान के नाम या सिर्फ़ ओम का जाप करना है। इसका इतना असर होता है कि एक बार शुरू करने के बाद, व्यक्ति राम जैसे नामों को दोहराता रहता है। हम भारतीय लगभग हमेशा 'नमन' करते हैं, ख़ास तौर पर, जब हम किसी देवता के सामने होते हैं। यह क्या करता है? सबसे बढ़िया चीज़ जो यह करता है, वह है हमारे अंदर विनम्रता पैदा करना, जिससे हमारा अहंकार नियंत्रित रहता है। हममें से बहुत से लोग भगवान का शुक्रिया अदा करते हैं अगर हमारे जीवन में कुछ अच्छा होता है। यह हमें और अच्छे समय का हकदार बनाता है, और वे निश्चित रूप से आते हैं। शास्त्रों को पढ़ना इतना आम नहीं है, लेकिन इतना दुर्लभ भी नहीं है। हनुमान चालीसा बहुत लोकप्रिय है; मैंने हनुमान चालीसा को याद करके इस जीवन में अपनी आध्यात्मिक यात्रा शुरू की।

एक और लोकप्रिय आध्यात्मिक गतिविधि मंदिरों या अन्य स्थानों पर सुनना (उपदेश) है। वे हमें समझदार बनाते हैं। अंतिम है 'ध्यान' करना। इसके लाभ व्यापक रूप से ज्ञात हैं और उन्हें दोहराने की आवश्यकता नहीं है। अब आध्यात्मिक गतिविधियों को करने के समग्र लाभों की ओर मुड़ते हैं। जब हम उन्हें करते हैं, तो हम ईश्वर की संगति प्राप्त करते हैं। क्या हम उनसे जुड़ नहीं रहे हैं? आध्यात्मिक ऊर्जा हमारे अंदर प्रवाहित होगी। यह बहुत खास है, क्योंकि यह हमारी 'आत्मबल' (आंतरिक शक्ति) को बढ़ाता है।

इसके अलावा, ईश्वर हम पर ध्यान देते हैं, जैसे एक प्रिंसिपल एक प्रतिभाशाली छात्र पर ध्यान देता है। अगर हम इस मार्ग पर आगे बढ़ने में ईमानदार हैं, तो हम उनकी निगरानी में रहते हैं। भगवान हमें बढ़ावा देना शुरू करते हैं, जैसा कि उन्होंने मेरे मामले में किया। बड़ी तस्वीर की अवधारणा जड़ पकड़ रही थी। ईश्वर में आस्था बढ़ने लगी, साथ ही 'कर्मफल सिद्धांत' में भी आस्था बढ़ने लगी। मैं समझने लगा कि भाग्य क्या होता है, यानी पिछले जन्मों के संचित कर्मफल, जिनका फल अभी मिलना बाकी है। मुझे यह भी एहसास हुआ कि ईश्वर उनके आने में हस्तक्षेप नहीं करते, बल्कि उनसे सफलतापूर्वक निपटने में हमारी मदद कर सकते हैं। माया का प्रभाव कम होने लगा और 'धुंध' (अज्ञान) इतना प्रबल नहीं रहा। मैं अपने कार्यों को मनमाने ढंग से तय करने के बजाय ईश्वर से मार्गदर्शन लेने के लिए प्रोत्साहित हुआ कि मुझे क्या करना चाहिए। धर्म मेरे अंदर स्वाभाविक रूप से आने लगा, साथ ही मदद के लिए ईमानदारी से प्रार्थना करने लगा। मैं अपने दिल में जानता था कि मैं बहुत छोटा, असहाय, अज्ञानी और असुरक्षित था। केवल ईश्वर ही मदद कर सकते हैं, और उन्होंने मेरी देखभाल करना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने मुझे अपने 'निमित्त' (साधन) के रूप में उपयोग करना शुरू कर दिया। मुझे आध्यात्मिक ग्रंथ लिखने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिसके बारे में मेरे भगवान ने मार्गदर्शन करना शुरू किया।

आप की बात

कांग्रेस का ड्रामा

2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने एक बेहद झूठे विमर्श का प्रचार कर थोड़ी-बहुत सफलता अवश्य पाई, पर वह मोदी को प्रधानमंत्री बनने से नहीं रोक पाया। कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष अभी भी संविधान की प्रतियां हाथों में लेकर संसद परिसर में संविधान बचाओ और लोकतन्त्र बचाओ के नारे लगाकर देश को भ्रमित कर रहा है। जिनके पूर्वजों ने 25 जून 1975 को अपनी सत्ता बचाने के लिए देश पर आपातकाल थोपा था आज वही निर्लज्जता के साथ गला फाड़कर संविधान और लोकतन्त्र बचाने निकले हैं। इन्दिरा गांधी द्वारा थोपे गए आपातकाल में प्रेस का गला घोटा गया था, सभी मानवाधिकार छीन लिये गये थे तथा विरोधियों को जेलों में ठूंस दिया गया था। विरोधियों के नाखून तक उखड़वा दिये थे। मीसा जैसे कानून की स्मृति में लालू यादव ने अपनी एक बेटी का नाम ही मीसा रख दिया था। आज वही मीसा राहुल के साथ है। आज उसी प्रधानमंत्री का पौत्र संविधान बचाने निकला है। कांग्रेस 2019 के चुनाव को अंतिम चुनाव कहकर मतदाता को बहका रही थी। 2024 के चुनाव को भी कांग्रेस ने अन्तिम चुनाव कहा, पर वह सैकड़े तक नहीं पहुंच सकी। वास्तव में लोकतंत्र व संविधान के बजाय विपक्ष अपने अस्तित्व पर खतरा महसूस करते हुए यह नौटंकी कर रहा है।

- नरेन्द्र टोंक, मेरठ

थोथी विपक्षी मानसिकता

संसद में विपक्ष का नया नजारा जनता को देखने को मिला। सारे विपक्षी संविधान की प्रति लेकर संसद भवन में शपथ के दौरान दिखे। यह उनकी थोथी मानसिकता ही दर्शाती है। उनसे ही पूछा जाए कि क्या पिछले 10 वर्षों तक देश संविधान के तहत नहीं चला? अगर संविधान के अनुकूल नहीं चलता तो उन्हें याद कर लेना चाहिए 50 वर्ष पूर्व के आपातकाल को जहाँ संविधान को ताक पर रखकर सत्ता चलाई गई। सबको याद रखना चाहिए कि देश में भ्रष्टाचार गहरी जड़ें जमा चुका है। इसे संवैधानिक विधि से कम करने के प्रयास किये गए तथा आरक्षण यथावत रहा और है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में पद पर आने के बाद से देश को हर प्रकार से मजबूत करने के प्रयास किए। सवाल है कि विपक्षियों के हाथों में संविधान की प्रति मात्र दिखावे के रूप में रखी गई या वे संविधान के अनुरूप क्या संसद को पूर्णकालीन रूप से चलने में सत्ता को मदद करेंगे। भले ही संविधान, लोकतंत्र व आरक्षण खतरे में का शोर मचाने से विपक्ष को चुनावी लाभ मिला हो, पर वह संविधान के पीछे अपना भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण व परिवारवाद छिपा नहीं सकता है। देश की जनता बहुत गौर से उसका यह ड्रामा देख रही है।

- शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

नायडू से उम्मीदें

चंद्रबाबू नायडू के भारी बहुमत से राज्य की सत्ता में वापस आने और केंद्र सरकार में साझेदारी से अमरावती को नए अत्याधुनिक विकसित शहर और राजधानी के रूप में विकसित करने के सभी अवसर उपलब्ध हैं। केंद्र सरकार भी देश के सभी राज्यों में आधुनिकतम सेवाओं वाली राजधानियां बनाने में तत्पर रहती है। नरेन्द्र मोदी एक राजनीतिज्ञ होने के साथ व्यापार व वाणिज्य को बढ़ावा देने का महत्व भी समझते हैं। वे जानते हैं कि यदि अमरावती को सिंगापुर की तर्ज पर विकसित कर दिया जाए तो देश के भीतर ही पर्यटन का एक नया केंद्र बन जाएगा और कुछ ही वर्षों में बढ़ी हुई आमदनी वहां के नागरिकों के लिए वरदान साबित होगी। स्वयं को मुख्यमंत्री के बजाय राज्य का सीईओ कहने और दशकों पहले हैदराबाद को साइबराबाद बनाने में सफल चंद्रबाबू नायडू को सुनहरा अवसर मिला है। उम्मीद करनी चाहिए कि वे प्रचंड बहुमत देने वाली राज्य की जनता को निराश नहीं करेंगे। नायडू पर आरोप था कि शहरीकरण की दौड़ में उन्होंने ग्रामीण व कृषि अर्थव्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया था। उम्मीद है कि वे इस बार शहरी विकास तथा ग्रामीण विकास में संतुलन बनाते हुए राज्य को देश में पहले स्थान पर लाने में सफल होंगे।

- विभूति बुपक्या, खाचरोद

सूडान में गृहयुद्ध

सूडान में जारी मानवीय त्रासदी पर मीडिया का ध्यान बहुत कम है। गृहयुद्ध के कारण सिर्फ इस साल सूडान में 15 हज़ार लोग मारे जा चुके हैं। यह देश आज दुनिया का सबसे बड़ा बाल विस्थापन संकट झेल रहा है, जहाँ अप्रैल 2023 से 46 लाख से अधिक बच्चे अपने घरों से भाग चुके हैं। इनमें लगभग 10 लाख बच्चे सीमा पार चाड, मिस्र और दक्षिण सूडान में जाने को मजबूर हुए हैं। बच्चे आठ महीने तक अनिश्चितता, आघात और हिंसा झेलने के बाद पलायन को मजबूर हुए हैं। वहां के स्कूलों में बच्चे अब नहीं के बराबर है। इस प्रकार सूडान की एक पूरी भावी पीढ़ी अनपढ़ होकर अपने साथ ही देश-दुनिया को विकृत करेगी। यूनिसेफ प्रमुख के अनुसार, सूडान बच्चों के लिए दुनिया का सबसे खराब स्थान बन गया है। यहां चारों तरफ अकाल, विस्थापन, कुपोषण एवं बीमारी का बोलबाला है। सूडान के इस गृहयुद्ध और बच्चों पर आई विपदा के समाधान के प्रयास के बजाय विश्व शक्तियां अपनी राजनीति चमकाने में लगी हैं। सूडान जैसी त्रासदी ऐसे समय मानवता के लिए सबसे बदनुमा धब्बा है, जब सुख समृद्धि के नए रास्ते खुल रहे हैं।

- जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

भारतीय लोकतंत्र का सबसे दुःखद व काला अध्याय आपातकालः शंकर गिरी

संवाददाता। गौरीगंज, अमेठी

गौरीगंज स्थित भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लागू की गई 25 जून 1975 इमरजेंसी, आपातकाल पर संगोष्ठी आयोजित की गई एवं पूर्व विधायक दादा तेजभान सिंह,राम मूर्ति त्रिपाठी,रामदुलार तिवारी, श्याम लाल चौहान आदि लोकतंत्र सेनानी को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि शंकर गिरी प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी भाजपा अमेठी रहे। संगोष्ठी की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामप्रसाद मिश्रा ने की।संचालन सुधांशु शुक्ला ने किया।

मुख्य अतिथि शंकर गिरी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के बाद सबसे बड़ा काला दिवस भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा इमरजेंसी लागू करने वाला दिन था, जिसमें भारत की आजादी के लिए लड़ रहे लोकतंत्र सेनानियों का जिस प्रकार यतनायें दी गई और जेल में भरने का कृत्य किया गया उसको देश कभी भी माफ नहीं करेगा,आजादी के आज भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री जिस प्रकार भारत को पूरे विश्व में एक नई पहचान दिलाने का कार्य कर रहे हैं उसका हम सभी देशवासियों को गर्व है। पूर्व विधायक दादा तेजभान सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि संगठन द्वारा आयोजित इमरजेंसी का यह काला दिन हर वर्ष अपने लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान करती आई है और आगे भी अपने सभी लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान करेगी।जब तक प्राण रहेंगे तब तक आपातकाल को याद करते रहेंगे। प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने जानकारी देते हुए बताया की संगोष्ठी को पूर्व जिलाध्यक्ष दयाशंकर यादव,गोविंद सिंह चौहान एवं केशव सिंह ने भी सम्बोधित किया। संगोष्ठी प्रमुख रूप से चंद्रप्रकाश मिश्रा मटियारी पूर्व विधायक,दुर्गेश त्रिपाठी पूर्व जिलाध्यक्ष, दलजीत सिंह प्रदीप सिंह थोरी, कालीबक्स सिंह, सहित सभी पदाधिकारी एवं प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

खलीलाबाद विधानसभा को मिले विकास के लिए साढ़े चार करोड़

विधायक अंकुर राज तिवारी

संतकबीरनगर। खलीलाबाद सदर विधायक अंकुर राज तिवारी के प्रयास से विधानसभा में चौमुखी विकास कार्य के साढ़े चार करोड़ का बजट प्राप्त हुआ है। शहर में राजकीय महिला विद्यालय में साढ़े चार करोड़ से विज्ञान भवन बनाया जाएगा। इसके लिए शासन ने बजट जारी कर दिया है और कार्यदायी संस्था भी नामित कर दी है। इसके बनने से छात्राओं को जिले में ही कम बजट में बीएससी करने का लाभ मिलेगा। वहीं नगर पालिका बरदहिया बाजार को सीसी रोड बनाने जा रही है।

जिसके लिए 40 लाख रूपये जारी किया गया है। इससे नगर वासियों को बार-बार टूट रही सड़क से छुटकारा मिलेगा। गौरतलब है कि राजकीय महिला महाविद्यालय में अभी तक कला संकाय की पढ़ाई होती है। इसके लिए प्रचार्य ने शासन को प्रस्ताव भेजा था कि महाविद्यालय परिसर में अगर विज्ञान संकाय की मान्यता मिल जाए तो छात्राओं की संख्या बढ़ सकती है। जिसके बाद प्रधानमंत्री उच्च शिक्षा अभियान के तहत साढ़े चार करोड़ रूपये बजट जारी कर दिया गया है। इसके तहत दो मंजिला विज्ञान भवन बनाया जाएगा।

विज्ञान भवन बन जाने से छात्राओं को अन्य जनपदों में शिक्षण के लिए नही जाना पड़ेगा और कम फीस में विज्ञान की पढ़ाई जिले में ही कर सकेंगी। प्राचार्य डॉ0 डी0पी0 शाही ने बताया कि भवन निर्माण के लिए जल निगम को कार्यदायी संस्था नामित किया है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ समिति (शासी निकाय) के कार्यक्रमों, संचालित योजनाओं की अद्यतन स्थिति एवं प्रगति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार उपस्थित रहे। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में जिला स्तर पर विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों, स्वास्थ्य संकेतको की अद्यतन स्थिति एवं प्रगति पर बिंदुवार समीक्षा की गयी। बैठक में डीपीएम विनित कुमार श्रीवास्तव ने एजेंडा बिंदु सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति से जिलाधिकारी को अगवत कराया। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी सहित सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में कदापि लापरवाही न बरती जाए, बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का रूटीन टीकाकरण, बच्चों में कुपोषण के स्थिति की जांच आदि की विभागीय स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना के व्यवस्थित संचालन, ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकत्रियों जैसे-आशा एवं एएनएम की कार्य प्रणाली, संस्थागत प्रसव की दर में गिरावट तथा विभागीय स्तर पर इसकी समीक्षा आदि में लापरवाही पाये जाने पर असंतोष व्यक्त करते हुए सम्बंधित चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित जितनी भी सेवाओं/योजनाओं का संबंध ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकत्रियों (आशा/एएनएम) से है उसकी समीक्षा अनिवार्य रूप से मुख्य चिकित्साधिकारी एवं सम्बंधित चिकित्साधिकारीगण एक-एक आशा/एएनएम के सापेक्ष सुनिश्चित करते हुए अगली बैठक में आख्या उपलब्ध करायें।

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये है कि जनपद के समस्त निजी चिकित्सालयों का रजिस्ट्रेशन की जांच एवं जनपद के समस्त वैधानिक रूप से लाइसेन्स प्राप्त चिकित्सालयों/नर्सिंग होम की सूची भी आम नागरिकों के सुविधा हेतु जारी कर दी जाए।

समीक्षा के दौरान चिकित्सालयों में दवाओं की उपलब्धता के साथ-साथ एन्टी स्नेक की इन्जेक्शन की उपलब्धता रहनी चाहिए। जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय एवं आर.एम. एन.सी.एस की समीक्षा बैठक में विगत बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन एवं प्रगति/सुधार की भी समीक्षा की गयी।

विवाहिता से छेड़छाड़ के आरोप में चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज

नसीराबाद ,रायबरेली। घर पर अकेली देख एक विवाहिता से छेड़छाड़ करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता ने थाने पहुंच कर पुलिस को तहरीर दी। जहां आखिरकार घटना के एक सप्ताह बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक को सौपी गयी है। 15 जून की रात करीब एक बजे नसीराबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में 30 वर्षीय विवाहिता घर पर अकेली थी। पति रोजी रोटी के लिए शहर मे रहता है। पीड़िता को अकेला पाकर गांव के ही एक युवक ने विवाहिता से गलत नीयत से छेड़छाड़ किया। विवाहिता के विरोध करने पर गाली गलौज की और मुंह खोलने और कहीं शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। सुबह जब पीड़िता पुलिस से शिकायत करने की बात कहने लगी तो आरोपी नारायण सिंह और उसकी पत्नी सुशीला, भैयालाल पुत्र रामसेवक सिंह, तेज बहादुर उर्फ तेजई निवासी गण महमूद अली मजरे नसीराबाद देहात थाना नसीराबाद रायबरेली। उक्त चारों आरोपियों ने पीड़िता के घर मे घुसकर लात घूंसो और डन्डो से बुरी तरह से मारा पीटा।

दबंगों ने घर में घुसकर की तोड़फोड़ व मारपीट

नसीराबाद, रायबरेली। पुरानी रंजिश को लेकर करीब आठ बजे दबंगो ने पड़ोसी महिला के घर में घुसकर तोड़फोड़ करते हुए दुकान का सारा सामान फेंक दिया और घर में रखा पंखा,कूलर,फ्रिज और मोटर साईकिल आदि भी क्षतिग्रस्त कर दिया।घटना को लेकर पीड़ित महिला ने जब विरोध किया तो दबंगों ने उसको जमकर मारा पीटा। पुलिस पीड़ित महिला की तहरीर पर गांव के ही दो आरोपियों के खिलाफ़ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही रमेश पुत्र राम समुझ और उनकी पत्नी अन्जू भद्दी भद्दी गाली और जान से मारने की धमकी देते हुए जबरन घर में घुसकर दुकान का सामान फेंक दिया, पीड़िता के विरोध करने पर आरोपियों ने घर रखा पंखा,फ्रिज और बाइक आदि को क्षतिग्रस्त कर दिया।

ईको टूरिज्म-एग्रो टूरिज्म हब के रूप में विकसित होगा बखिरा झील, पक्षी बिहार क्षेत्र

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर द्वारा बखिरा झील एवं बखिरा पक्षी बिहार के विकास एवं ईको टूरिज्म के अन्तर्गत पर्यटकों के आवागमन के दृष्टिगत उच्च स्तरीय पर्यटक सुविधाओं के सृजन तथा पर्यटकों के अनुभव को बेहतर करने के उद्देश्य से नेचर टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म, वाटर स्पोटर्स, ईको रिजार्ट्स, जंगल कैम्पिंग, वेलनेस टूरिज्म जैसी गतिविधियों का चिन्हांकन कर आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं हेतु बखिरा डेवलपमेंट प्लान विकसित कर प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

जिलाधिकारी ने बखिरा झील एवं पक्षी बिहार के विकास को पर्यटन के दृष्टिकोण एवं जनपद के विकास में महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए कहा कि जनपद संत कबीर नगर में सूफी संत कबीरदास की महापरिनिर्वाण स्थली मगहर है, जिसकी आध्यात्मिक ख्याति सम्पूर्ण विश्व में है, जिसके दर्शन हेतु प्रतिवर्ष लाखों अनुयायी/पर्यटक भ्रमण करते है। आध्यात्मिक रूप से सम्पन्न जनपद में मगहर से 20.00 किमी. की दूरी पर बखिरा पक्षी विहार अवस्थित है, जिसे 29, जून, 2021 को रामसर साइट घोषित किया गया।

आध्यात्मिक एवं प्राकृतिक रूप से समृद्ध जनपद में पर्यटन को बढ़ावा देने की अपार सम्भावनाएं हैं। मगहर में पर्यटकों के लिए आवश्यक अवसंरचना यथा कबीर अकादमी, ऑडिटोरियम, कबीरदास की जीवनी पर बनी गैलरी का निर्माण कराया गया है, जबकि बखिरा पक्षी विहार को पर्यटन स्थल के रूप मे विकसित करने हेतु विभिन्न कार्य किये जाने की आवश्यकता है। यह पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने के उपरान्त ईको टूरिज्म के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण स्थल होगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि बखिरा विकास योजना के अन्तर्गत टूरिस्ट फैशिलिटेशन सेण्टर विकसित करने हेतु क्रिटिकल गैप से रू0 80.00 लाख निर्गत कराते हुए का निर्माण कराया जा रहा है। मनरेगा से अमृत सरोवर, खेल मैदान एवं बखिरा झील की साफ-सफाई का कार्य कराया गया है।

उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति-2022 में दिए गए प्राविधानों के क्रम में 50 मेगा वॉट क्षमता के फ्लोटिंग अथवा स्थलीय सोलर पॉवर प्लाट के स्थापना हेतु के प्रस्ताव निदेशक, यू0पी0नेडा को भेजा गया है। बखिरा विकास योजना में पर्यटन के साथ-साथ क्षेत्र के निवासियों/ग्रामिणों/कृषकों की समस्याओं की समाधान करते हुए उनके जीवन स्तर में गुणात्मक उन्नयन हेतु भी योजना बनायी गयी है। इसी क्रम में बाढ़ खण्ड-2 द्वारा बखिरा झील के चारों ओर पाथ-वे-कम-डैम का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

आकाशीय बिजली गिरने से दो मौसेरे भाईयों की मौत

जामो, अमेठी। जामो थाना अंतर्गत रामशाहनाऊपुर गांव में आकाशीय बिजली गिरने से दो मौसेरे भाईयो की मौत हो गई। युवकों की मौत के बाद से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है एवं गांव में कोहराम मच गया है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पूरे सुब्बा पांडे मजरे रामशाहनाऊ पुर गांव निवासी मुकेश कुमार पासी (28) पुत्र नगेस्वर पासी उम्र मंगलवार सुबह अपने खेतो में कृषि कार्य करने के लिए गया था। वही उसने अपने मौसेरे भाई रंजीत कुमार पासी (25) पुत्र राम समुझ निवासी लोरिकपुर को फ़ोन करके कृषि कार्य में सहयोग करने के लिए बुला लिया। दोपहर एक बजे के करीब तेज गर्जना के साथ बारिश होने लगी। बारिश से बचने के लिए दोनों युवक पास के बाग में पेड़ के नीचे खड़े हो गए। बारिश तेज होने एवं अचानक आकाशीय बिजली गिरने से दोनो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

डीएम की अध्यक्षता में जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक संपन्न

श्रावस्ती, भिनगा। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा की अध्यक्षता में जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद के सीताद्वार मंदिर इकौना श्रावस्ती स्थित बौद्ध विहार पर पर्यटन सुविधाओं के कार्यो के सृजन तथा सिरसिया स्थित विभूतिनाथ मंदिर स्थल के पर्यटन विकास की योजनाओं को गति प्रदान करते हुए ससमय तीव्रता के साथ पूर्ण कराने हेतु जिलाधिकारी ने सहायक पर्यटन अधिकारी को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने क्रियान्वित एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रस्तावित महत्वाकांक्षी योजनाओं की प्रस्तुतीकरण तैयार कर प्रस्तुतीकरण कराकर निदेशालय पत्र प्रेषित करने हेतु निर्देश दिया।

उन्होंने जेतवन स्मारक चौराहे पर पर्यटन विभाग द्वारा निर्मित पार्किंग स्थल को जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद श्रावस्ती के द्वारा पी0पी0पी0 मॉडल पर फर्म का चयन कर संचालन/रखरखाव के लिए अविलम्ब बैठक कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पर्यटकों के आवश्यकता के अनुरूप कार्ययोजना तैयार की जाए।

झूठे मामले में फंसाने को लेकर सिमिरिया के ग्रामीणों ने डीएम से मिल सुनाई आपबीती

संवाददाता। उरई, जालौन

मंगलवार को ग्राम सिमिरिया के अनेकों ग्रामीण ग्राम प्रधान विनय के पिता रामप्रकाश के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने जिलाधिकारी को संबोधित दिये गये प्रार्थना पत्र में साफ तौर पर कहा कि उसके पुत्र व उसके समर्थकों का गांव में चल रहे मौरम खनन से कोई सरोकार नहीं है फिर भी गांवदारी की रंजिश में उसके बेटे को ही नहीं बल्कि उनके समर्थकों को भी बेवजह झूठे आरोपों में फंसाने का कुचक्र रचा जा रहा है।

जिलाधिकारी को संबोधित दिये गये प्रार्थना पत्र में ग्राम सिमिरिया निवासी रामप्रकाश पुत्र देवीदीन ने बताया कि वर्तमान में उसका बेटा विनय ग्राम प्रधान है। गांव में संचालित मौरम घाट को लेकर अक्सर विवाद होते रहते हैं। मेरा पुत्र विनय कुईया रोड बृज के पास उरई में निवास करता है। विनय का मौरम घाट के संचालन से कोई लेनादेना नहीं है और न ही उसका मौरम खनन के संबंध में विवाद से कोई वास्ता रहा है। गांवदारी में प्रधानी चुनाव की रंजिश में पार्टीबंदी में उसका व उसके समर्थकों को झूठा गलत तरीके से फंसाने के प्रयास के पीछे पूर्व के समय में ग्राम सभा व वन विभाग की भूमि से कराये जा रहे अवैध मौरम खनन की शिकायतें उनके पुत्र द्वारा समय-समय पर प्रशासनिक अधिकारियों से की गयी थी। इसी कारण से उसके बेटे को नहीं ही बल्कि उनके समर्थकों पर भी इस तरह की कार्यवाही अमल में लायी जा रही है जबकि हकीकत में मेरा व मेरे पुत्र विनय ही नहीं बल्कि समर्थकों का भी कभी भी मौरम घाट संचालन में किसी भी प्रकार का कोई संबंध नहीं रहा। और न ही खनिज ठेकेदारों से किसी भी तरह का विवाद करने लायक है। इस दौरान बड़ी संख्या में सिमिरिया के ग्रामीण मौजूद रहे।

विधायक अदिति सिंह ने किया लाभार्थी आवासों का भूमि पूजन

रायबरेली। सदर विधायक अदिति सिंह ने की नगर पालिका परिषद रायबरेली के मोहल्ला चकधरौरा में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की नौवीं वर्षगांठ के अवसर पर नवीन स्वीकृत 613 की परियोजना के लाभार्थियों के आवास निर्माण स्थल पर भूमि पूजन एवं प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सम्मानित क्षेत्रीय सभासद श्रीमती सुनीता पाल जी एवं श्रीमती श्रवण कुमारी जी तथा डूडा द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के लाभार्थियों एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थियों द्वारा प्रतिभा किया गया, मौके पर डूडा के परियोजना अधिकारी एवं समस्त स्टाफ भी मौजूद रहे।

आपातकाल को लेकर हुआ भाजपा कार्यालय में गोष्ठी का आयोजन

अयोध्या। भारतीय लोकतंत्र के काले अध्याय आपातकाल को लेकर सहादतगंज स्थित भाजपा कार्यालय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमएलसी अवनीश पटेल ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान पुलिस की बर्बरता व तानाशाही को याद करने के बाद आज भी लोगो के मन में डर की झलक आ जाती है। लोकतंत्र को फिर से स्थापित करने व तानाशाही मानसिकता को हराने के लिए अपना सबकुछ कुर्बान करने वाले लोकतंत्र सेनानी हमारे आदर्श हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि आपातकाल लोकतंत्र के इतिहास में सबसे काला अध्याय है। कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र व विरोध में उठने वाले स्वर को सत्ता के बल पर रौंद दिया था।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए लोकतंत्र सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों ने यातनाओं को सहते हुए सरकार के आपातकाल लागू करने के निर्णय का विरोध किया। तानाशाही सरकार के खिलाफ विपरीत परिस्थितियों भी आवाज उठायी। उनके योगदान के फलस्वरुप लोकतांत्रिक मूल्यों की पुर्नस्थापना हुई।

रुचिपूर्ण गणित और प्रतियोगी गणित विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल त्रिपुला में गणित विषय के शिक्षकों के लिए रुचिपूर्ण शिक्षण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। गणित जैसे जटिल विषय को रुचिकर बनाते हुए कैसे पढ़ाये, साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए गणित की तैयारी को लेकर प्रशिक्षिका इशिता मुखर्जी ने कार्यशाला में उपस्थित सभी शिक्षकों को प्रशिक्षित किया। उन्होंने अपने प्रशिक्षण में बताया कि गणित विषय को हंसते-हंसते भी सरलता से पढ़ाया जा सकता है,इससे विद्यार्थी ऊबेंगे नहीं और विषय को सरलता से आत्मसात् कर सकेंगे। विद्यालय के प्रधानचार्य शिवलखन प्रजापति ने बताया की विद्यार्थियों की उन्नति के लिए समय-समय पर विषयवार कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। ऐसी कार्यशालाओं से शिक्षकों में आत्मविश्वास की बृद्धि होती है और वह शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले नित नए बदलावों से रूबरू भी होते हैं। इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य फैज़ान खान, संयोजिका संचिता त्रिवेदी,कफ़ील अहमद,शिवकरन पाल,अनूप सिंह,अमित मौर्या, शरद अवस्थी, अपर्णा मिश्रा, कायनात जैदी, मनीसा मौर्या, मंजू शर्मा,आशीष कुमार, दीपिका, श्रद्धा अवस्थी, अंशिका शुक्ला, निशी सिंह, माया देवी, शिवम सिंह, रामदेव, मो.कामरान सिद्दीकी सहित विषय शिक्षक मौजूद रहे।

हाइवे की सर्विस रोड पर खड़े वाहन आवागमन में बन रहे बाधक

संवाददाता। कालपी, जालौन

हाईवे के सर्विस रोड पर वाहन खड़े वाहन आने जाने वालों के लिए समस्या बन रहे हैं लेकिन हाईवे अथॉरिटी के साथ प्रशासन भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं जिससे कभी कभार जैम की स्थित बन रही है। विदित हो कि नगर सीमा में ओवरब्रिज बनाये जाने के बाद लोगों को नगर में आने जाने के लिए सर्विस रोडों का निर्माण किया गया है जो अमलतास तिराहे से दुर्गा मंदिर चौराहा तक बने है नगर को आने और जाने वाले वाहन इन्हीं सर्विस रोड से गुजर कर हाईवे पर पहुंचते है लेकिन हाईवे अथारिटी एवं स्थानीय प्रशासन की शिथिल कार्य प्रणाली के चलते ट्रक चालक अपने ट्रकों को सर्विस रोड पर खड़ा कर कई कई दिनों तक गायब हो जाते हैं।

जिससे 5 मीटर चौड़े इस रोड पर दूसरा वाहन नही निकल पाता है जिससे नगर में आने जाने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है और कभी कभार तो जैम की स्थित बन जाती है और ऐसा भी नहीं है सर्विस रोड पर वाहनों के खड़े होने की जानकारी हाईवे एवं प्रशासनिक अधिकारियों को न हो बल्कि हाईवे की पेट्रोल गाड़ी 24 घण्टे हाइवे की पेट्रोलिंग करती रहती है जो दिन में कई बार गुजरती है तो प्रशासनिक और पुलिस के अफ्सर भी ऐसी हालत से गुजरते है लेकिन किसी ने भी इस तरफदेखने की जहमत नही उठाई है जिसकी वजह से यह समस्या कम होने के वजाय और बढ़ती जा रही है। हाईवे के इंजीनियर एन गणेशन कहते हैं कि सर्विस रोड पर स्थाई रूप से वाहन खडा करना नियमों के खिलाफ है शीघ्र ही इस मामले को ज्यादा कठोर कार्यवाही की जाएगी।

वहीं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नागेन्द्र पाठक के अनुसार जैम का कारण बनने वालो वाहनों के खिलाफ शीघ्र कार्यवाही की जाएगी। फिलहाल कुछ भी यह समस्या विगत कई वर्षो से बनी है चालक ट्रकों को खड़ाकर अपने घरों पर जाते हैं जिससे कभी कभार जाम लग जाता है।

थानों पर न्याय न मिला तो उच्चाधिकारियों की चौखट पर गुहार लगा रहे फ़रियादी

गोंडा। वर्तमान में थानों पर अधिकांश पीड़ितों की सुनवाई नहीं हो रही है। जिससे पीड़ितों को पुलिस कार्यालय का चक्कर काटना पड़ रहा है। कार्यवाही न होने पर फरियादी पुलिस अधीक्षक के दरबार में हाजिरी लगाते हैं। जहां भी कुछेक मामलों को छोड़कर फरियादियों को न्याय नहीं मिल पाता है। दरअसल, न्याय प्रक्रिया की इस कड़ी में सबसे बड़ी बाधा संबंधित थानों की पुलिस होती है, जो अक्सर अपने आला अफ्सरों को गुमराह करते हुए मामलों को दूसरे ढंग से पेश कर देते हैं और अफ्सर भी उसी को सच मान लेते हैं। जिससे पीड़ित समुचित न्याय पाने से वंचित रह जाते हैं। इन्हीं कारणों के चलते डीआईजी से लेकर पुलिस अधीक्षक तक के जनता दर्शन में फरियादियों की भीड़ दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही है। कुछ मामलों में अधिकारी तत्काल न्याय मुहैया करा देते हैं, किन्तु तमाम मामले जांच, रिपोर्ट और कार्रवाई के आश्वासनों की गर्द में दब जाते हैं। हालांकि पीड़ित की संतुष्टि के लिए जांच का झुनझुना थमा दिया जाता है। जिससे दर्द कम होने के बजाय बढ़ जाता है।

अपनी फरियाद लेकर मनकापुर से आये राम किशोर का कहना है कि वह अपनी फरियाद लेकर डीआईजी से मिलने के लिए गये तो उसका प्रार्थना पत्र लेकर बाहर से ही वापस कर दिया गया। इसीक्रम में मोतीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि उसकी नाबालिग लड़की को एक युवक बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। इस संबंध में नामजद मुकदमा दर्ज कराया गया था, लेकिन पुलिस गिरफ्तारी नहीं कर पा रही है। वह चौकी, थाना और पुलिस अधीक्षक के यहां फरियाद लगा चुकी है। मामले को जब अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत (आईपीएस) के संज्ञान में लाया गया उसके बाद मोतीगंज पुलिस हरकत में आई और मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया। ऐसे अन्य कई मामले देखने को मिले हैं जब लोगों की थाने पर सुनी नहीं जाती है।

एसडीएम ने की राजस्व अधिकारियों के साथ ही जनता से जुड़े कार्यों की समीक्षा

संवाददाता। कालपी, जालौन

मंगलवार को उप जिलाधिकारी ने राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक की जिसमें सरकारी एवं जनता से जुड़े कामकाज की समीक्षा की गई। तहसील सभागार में आयोजित साप्ताहिक बैठक के दौरान एसडीएम हेमन्त कुमार ने बैठक के दौरान मौजूद राजस्व अधिकारियों एवं कानून गो, लेखपालों आदि कर्मचारियों के कामकाज की समीक्षा करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुसार सभी कामकाज निर्धारित समय में होने चाहिए क्योंकि बिलम्ब होने से न्याय प्रभावित होता है।

उन्होंने सभी से कहा कि जुलाई का समय नजदीक है ऐसे में जमीन संबंधी समस्याओं की भरमार है जिसका निस्तारण समय और गुणवत्ता से किया जाए क्योकि जमीन संबंधी मामला वेहद संवेदनशील होते हैं छोटी सी गलती या लापरवाही के परिणाम बेहद खतरनाक हो जाते हैं। इसके अलावा उन्होने कहा कि शैक्षणिक सत्र भी शुरू हो रहा ऐसे में छात्र छात्राओं को आय, जाति और निवास प्रमाण पत्रों के साथ अन्य दस्तावेजों की जरूरत होती है इसलिए सभी संबंधित इस कामकाज पर विशेष नजर रखेंगे और जिस स्तर पर गड़बड़ी होगी उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

बैठक के दौरान तहसीलदार अभिनव त्रिपाठी ने भी लेखपालों को निर्देशित किया कि जमीनी विवादों में वेहद संवेदनशीलता बरते और उनका त्वरित निस्तारण भी करें और निष्पक्ष होकर कामकाज करें जिससे आरोप न लगे। उन्होंने कहा कि समस्या आ रही है तो आला अधिकारियों को अवगत कराये। बैठक के दौरान नायब तहसीलदार नीलमणि, हरदीप सिंह के अलावा बैठक में सभी क्षेत्रीय कानून गो और क्षेत्रीय लेखपाल तथा तहसील के अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

ठगी पीड़ितों का धन वापस दिलवाने की प्रशासन करें पहल

बड्स एक्ट 2019 की सुनवाई आरंभ करने की मांग

फतेहपुर। चिटफंड कम्पनियों द्वारा निवेशकों का पैसा हड़प कर फरार होने के बाद जमा पीड़ित अपना धन वापस पाने के लिये दर दर भटकने को मजबूर है। पीड़ितों ने प्रदर्शन कर जिला प्रशासन से सरकार द्वारा ठगी पीड़ितों के लिए सरकार द्वारा बनाये गए कानून बड्स एक्ट के तहत कार्रवाई आरम्भ करने की मांग किया। मंगलवार को ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार संगठन के बैनर तले ठगी पीड़ितों ने नहर कालोनी परिसर में धरना प्रदर्शन किया तत्पश्चात जिलाध्यक्ष मातादीन पाल की अगुवाई में पीड़ितों ने डीएम को संबोधित मांग पत्र देते हुए ठगी पीड़ितों को उनकी मेहनत की कमाई वापस दिलाने की दिशा में कार्रवाई करने की मांग किया। डीएम को दिये शिकायती पत्र में बताया कि जनपद में लाखों लोग ठगी से पीड़ित है जिनका पैसा विभिन्न चिटफंड कम्पनियों द्वारा ठगा गया है जिससे लाखों परिवार है। सरकार द्वारा ठगी पीड़ितों को राहत दिलाने के लिए बड्स एक्ट 2019 कानून लागू किया गया जिसमें ठगी से पीड़ितों को उनकी जमा राशि ब्याज सहित लौटाने का प्रावधान है। उन्होने आरोप लगाते हुए कहा कि ठगी पीड़ितों के लिए भुगतान पटल की स्थापना की गई थी जिसमे पीड़ितों से आवेदन लिया जाता था उन पटल को बंद कर दिया गया हैं साथ ही कहा कि ठगी पीड़ितों के भुगतान के लिए सक्षम या सहायक सक्षम अधिकारी की नियुक्ति कर सुनवाई की जाती है। जो कि जंनपद के शुरू नही हो सकी। प्रशानिक स्तर से कार्रवाई न होने से निवेशक व एजेंटों के मध्य तनाव बना हुआ है। उन्होंने कहा कि लाखो परिवारों की पूंजी ठगों व प्रशासनिक लापरवाही के कारण अटकी हुई है। जिससे परिवारों के सामने भूखों मरने की स्थिति है। उन्होंने एजेंटों वे ऊपर अनावश्यक कार्रवाई न करने व बचे हुए निवेशकों को बड्स एक्ट के तहत आवदेन करने के लिये पटल दोबारा खोले जाने की मांग किया। राकेश कुमार साहू, संयोजक मदन लाल आज़ाद, अमृत लाल, अम्बिका प्रसाद, राम औतार, अशोक कुमार, विनोद मौर्या, प्रेम कुमार, श्रवण कुमार, राजकुमार गुप्ता, बिन्दा प्रसाद, राम प्रकाश साहू, जितेंद्र सिंह, जगमोहन, संजय विश्वकर्मा, महेश कुमार समेत बड़ी संख्या में निवेशक व ठगी पीड़ितों के परिवार मौजूद रहें।

शिक्षिका ने शिक्षक पति समेत ससुरालीजनों पर दर्ज करायी दहेद उत्पीड़न की रिपोर्ट

मौदहा हमीरपुर। नगर की एकपरिषदीय विद्यालय में कार्यरत अध्यापिका ने अपने अध्यापक पति समेत ससुराली जनों के खिलाफदहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया है। कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज होने के बाद घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। नगर के उपरौस निवासी अध्यापक का प्रीति द्विवेदी पुत्री नरेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि कि 9 मई 2022 को उसके पिता ने वाई ब्लॉक किदवई नगर कानपुर निवासी नारायण उर्फ मोनू द्विवेदी के साथ हिन्दू रीति रिवाज के साथ विवाह किया था जिसमें उन्होंने अपनी हैसियत के मुताबिक दान दहेज देकर उसे ससुराल के लिए विदा किया था। वह वर्तमान में हरदोई जनपद में सहायक अध्यापिका का पद पर तैनात है जबकि उसका पति भी लखीमपुर खीरी में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत है। शादी के बाद से ही उसका पति व उसके ससुरालीजन दहेज को लेकर संतुष्ट नहीं थे।

राम प्रकाश त्रिपाठी के आदर्शों से प्रेरणा लें युवा: मयंक गुप्ता

भाजपा पूर्व जिला महामंत्री ने पूर्व सहकारिता मंत्री को दी श्रद्धांजलि

स्व. रामप्रकाश त्रिपाठी स्मृति में दिव्यागों को उपहार व पौधरोपण करते मयंक गुप्ता।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। स्व. राम प्रकाश त्रिपाठी गरीबों के सामाजिक उत्थान के लिये कार्य करनें बाले प्रखर राजनीति के पुरोधा थे। उन्होने हर वर्ग, जाति, धर्म के लोगों को साथ लेकर चलना सिखाया। आज हम सभी युवा उनके बताये मार्ग पर चलकर राजनीति में आगे बढ रहे हैं। उनका मार्गदर्शन और आदर्श आज भी लोगों के बीच जीवंत है।

यह बात पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता ने कार्यकर्ताओं के साथ स्वर्गीय राम प्रकाश त्रिपाठी की 16 वीं पुण्यतिथि पर दिव्यांग बच्चों को मिष्ठान व उपहार भेंट करनें एवं उनकी स्मृति में पौधरोपण करनें के उपरान्त कही। भाजपा पिछडा मोर्चा क्षेत्रीय महामंत्री विनय वर्मा नें कहा कि युवाओं को स्व. त्रिपाठी के बताये गये मार्ग पर चलनें की आवश्यकता है। सुमित सक्सेना नें कहा कि उन्होनें क्षेत्र के विकास के लिये सहकारिता के क्षेत्र में रात दिन कार्य करके जनपद को एक अलग पहचान दिलाई थी। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष राजीव ठाकुर नें समर्थकों के साथ छिबरामऊ में स्व. राम प्रकाश त्रिपाठी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया और श्रद्धांजलि देनें के उपरान्त कहा कि उनके विचारों व मार्गदर्शन से हम सभी को सदैव आगे बढने की प्रेरणा मिलती है। वह हम सभी युवाओं के प्रेरणा श्रोत हैं। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर भाजपा पिछडा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सुमित सक्सेना, विहिप नेता नीरज मिश्रा, अमरदीप मिश्रा, सुगम दुवे, मोनू गुप्ता, नीलेश गुप्ता, नवल गुप्ता, आकाश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अलग-अलग मार्ग दुर्घटनाओं में पांच घायल, मचा हड़कंप

बिंदकी (फतेहपुर)। चार अलग-अलग मार्ग दुर्घटना में कुल पांच लोग घायल हो गए। दुर्घटनाओं के बाद हड़कंप मचा रहा। मौके पर भारी भीड़ लग गई। घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जिनमें तीन की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत जोनिहा कस्बे के निकट चार पहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार शत्रुघ्न 40 वर्ष पुत्र विष्णु निवासी ग्राम पुरईया खेड़ा थाना जाफरगंज घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। इसी प्रकार नगर के ललौली चौराहे के समीप दयानंद इंटर कॉलेज के पास बाइक की टक्कर से स्कूटी सवार प्रकाश सैनी पुत्र सुशील सैनी निवासी मोहल्ला जहानपुर कस्बा बिंदकी घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए शानदार विश्वास केंद्र में भर्ती कराया गया। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। तीसरी दुर्घटना बिंदकी कस्बे के कुंवरपुर रोड में प्राइवेट बस स्टैंड के समीप हुई। साइकिल सवार छात्रा को बचाने में बाइक सवार अवधेश 40 वर्ष पुत्र गंगाराम निषाद निवासी ग्राम जहगीराबाद थाना जहानाबाद घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बाइक सवार घायल अवधेश अपनी पुत्री अनामिका को बाइक में लेकर गांव से फतेहपुर जा रहा था। तभी रास्ते में दुर्घटना हो गई चौथी दुर्घटना कोतवाली बिंदकी क्षेत्र के अंतर्गत दरबेशाबाद गांव के समीप हुई। जहां पर चार पहिया वाहन की टक्कर से बाइक सवार दीपक कुमार तथा नरेश कुमार दोनों निवासी रारी बुजुर्ग कोतवाली बिंदकी घायल हो गए।

लोकतंत्र व राजनीति में 25 जून सबसे दुखद व काला दिन: मुखलाल

लोकतंत्र सेनानियों को माल्यार्पण कर किया सम्मानित

फतेहपुर। भाजपा कार्यालय में 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल पर काला दिवस मनाया गया। जिले के लोकतंत्र सेनानियों का माल्यार्पण व अभिनंदन किया गया। जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने उपस्थित लोगों को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के तानाशाही व यातनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि अपने युवाओं को आपातकाल में मीसा कानून की जानकारी जरुर देनी चाहिए। वह भी जाने कि आज जो संविधान मिटाने का झूठ व भ्रम फैला रहे हैं। उनकी सरकारों में किस तरह से संविधान को तार-तार किया जाता था। प्रेस मीडिया पर पूर्ण पाबंदी लगाई गई थी। लोकतंत्र सेनानी संगठन के जिलाध्यक्ष मूलचंद्र सिंह पटेल द्वारा आपातकाल की यातनाओं को साझा किया गया। पटेल ने कहा कि गांव में हमारी छोटी सी कच्ची छत के नीचे किराना की दुकान थी पुलिस पहले हमें पकड़कर ले गयी और 18 जुलाई 1975 को दुकान की छत में सुराग करके बारिश के पानी से दुकान को बर्बाद कर दिया गया। वह यह सब कहते हुए भावुक हो गए। जिला प्रभारी रंजना उपाध्याय ने कहा कि जिसने वह दौर जिया और भुगता है वही उस दुख दर्द को समझ सकता है। पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला ने कहा कि वह तत्कालीन सरकार के विरोध में पोस्टर मित्रों के साथ लगा रहे थे तभी पुलिस द्वारा जेल भेजा गया पर नाबालिग होने के कारण 14 दिनों में रिहाई हो गई थी। पूर्व मंत्री रणवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि कांग्रेस के आपातकाल जैसे काले को कभी नहीं भूलना चाहिए। कार्यक्रम में शैलेन्द्र रघुवंशी, उदय लोधी, कार्यक्रम संचालिका व जिला उपाध्यक्ष अपर्णा सिंह गौतम, जिला मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह जितेंद्र सिंह पप्पू, विनोद गौतम उपस्थित रहे।

पैसा लेने के बाद भी जमीन की रजिस्ट्री न करने पर मुकदमा दर्ज

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के शेखपुर उनवा गांव स्थित जमीन का दो खातों में 56 लाख व 46 लाख रूपए नगद दिए जाने के बावजूद जमीन मालिकों द्वारा रजिस्ट्री न किए जाने पर पीड़ित पक्ष ने कोतवाली पुलिस के साथ-साथ मुख्यमंत्री को जरिए रजिस्ट्री शिकायत की, जिस पर पुलिस ने जमीन मालिकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाई है। थरियांव थाना क्षेत्र के बिलंदा कस्बा निवासी फरहान मिर्जा पुत्र मिर्जा इब्राहिम ने कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसने राजापुर चंद्र मेडिकल स्टोर के पास थाना कैंट प्रयागराज निवासी सै. सऊद अली व सगूफी सईद से उनकी शेखपुर उनवा गांव स्थित गाटा संख्या 141 क ख का सौदा 20 लाख रूपये प्रति बीघा तय किया था। सऊद के कहने पर उसने 56 लाख रूपए उसके व उसकी पत्नी सगूफी के खाते में आरटीजीएस के माध्यम से भेजा था।

क्विक न्यूज

महिला के साथ मारपीट व छेड़छाड़ का लगाया आरोप

राठ (हमीरपुर)। महिला ने दो सगे भाइयों पर घर में घुसकर मारपीट कर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पुलिस से लिखित शिकायत की है। कोतवाली के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि सोमवार की शाम चार बजे वह घर पर थी। तभी गांव का एक युवक अपने भाई व एक साथी के साथ हाथ में तमंचा लेकर घर में घुस आए। युवक ने अपने भाई के साथ उसे पकड़कर बाहर खींच कर ले जाने लगे। जब उसने अपना हाथ खींचा तो युवक ने उसे जमीन पर गिरा दिया और बुरी नियत से कपड़े खींचने लगे। चिल्लाने पर जब उसका पुत्र प्रीतम बचाने के लिए आया तो उक्त युवक पुत्र को सीने में तमंचा लगाकर बाहर ले गए। आरोप लगाया कि पुत्र के साथ मारपीट कर उसे घर छोड़ गए। शिकायत करने पर उक्त युवक जान से मारने की धमकी दे गए। सूचना पर पहुंची पुलिस को देख उक्त आरोपित भाग खड़े हुए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दहेज में बाइक व एक लाख रुपये न देने पर घर से निकाला

राठ (हमीरपुर)। महिला ने ससुरालियों पर अतिरिक्त दहेज में बाइक व एक लाख रुपए की मांग पूरी न होने मारपीट कर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। मझगवां थाने के गिरवर गांव निवासी अर्पिता पत्नी धीरेन्द्र सेन ने बताया कि उसकी शादी 21 मई 23 को हुई थी। शादी में उसके पिता ने अपनी हैसियत अनुसार दान दहेज दिया था। शादी के एक माह से पति सहित सास, ससुर, जेठ, जेठानी, देवर मारपीट कर उसका उत्पीड़न करने लगे थे। बताया कि ससुरालीजन अतिरिक्त दहेज में बाइक और एक लाख रुपए की मांग करने लगे। सोमवार की दोपहर करीब दो बजे पति सहित ससुरालियों ने जेवरात छीनकर उसे मारा-पीटा और जान से मारने की धमकी दी। बताया कि उसने अपने मायके में सूचना दी। दो घंटे बाद उसके पिता, भाई व रिश्तेदार गिरवर आ गये।

करंट की चपेट आकर युवक की मौत

खखरेरू (फतेहपुर)। थाना क्षेत्र के नगर पंचायत खखरेरू के वार्ड नंबर 04 जोधा सिंह नगर (सलवन) में एक युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जोधा सिंह नगर में रहने वाला संदीप कुमार पुत्र अमरनाथ 20 वर्ष आज सुबह लगभग 8 बजे घर पर स्टेबलाइजर में करंट न आने के कारण उसको चेक कर रहा था तभी अचानक स्टेबलाइजर में करंट आने से युवक की मृत्यु हो गई। घरेलू कार्य में लगे परिजनों को जैसे ही जानकारी हुई युवक को लेकर प्राइवेट चिकित्सक के पास गए जहां पर प्राइवेट चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक दो भाई बहनों में सबसे छोटा था। खखरेरू थानाध्यक्ष प्रमोद राव ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं मिली है।

किशोरी को भगाने का मुकदमा दर्ज

गुरसहायगंज (कन्नौज)। एक नाबालिग किशोरी को एक युवक अपनी मॉ के सहयोग से कही बहला फुसला कर भगा ले गया है। किशोरी के भाई ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र के ग्राम निवासी पीडित भाई द्वारा कोतवाली में दर्ज कराये गये मुकदमें में कहा गया है कि बीती रात उसकी नाबालिग बहन को गावं का ही प्रशांत लोधी पुत्र रामजीत लोधी अपनी माता विनीता के सहयोग से कहीं बहला फुसलाकर भगा ले गया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 जुलाई को

लखीमपुर खीरी। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी 13 जुलाई को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरणए नई दिल्ली एवं उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लक्ष्मीकान्त शुक्ल के निर्देश पर 13 जुलाई द्वितीय शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय और तहसील स्तर पर किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में यातायात, लघु आपराधिक प्रकरण, नगर पालिका आदि के संबंधित मामलों एवं बैंक मामले धारा.138 परकाम्य लिखित अधि. के वाद विद्युत एवं जल विवाद (चोरी से संबंधित विवाद) राजस्व वाद, पारिवारिक वाद, व्यवहारिक वाद, उत्तराधिकार के वाद तथा अन्य वाद/प्रकरण अधिकाधिक संख्या में निस्तारित किये जायेंगे।

सीएचओ ने छेड़छाड़ करने की दर्ज कराई रिपोर्ट

राठ (हमीरपुर)। सरीला सीएचसी में तैनात सीएचओ ने गांव के एक व्यक्ति पर रास्ते में रोककर गाली गलौज कर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। जरिया थाने के एक गांव निवासी युवती ने बताया कि वह सरीला सीएचसी में सीएचओ के पद पर कार्यरत हैं। रविवार की शाम करीब चार बजे उसे फोन आया कि उसकी मां मिथलेश को गांव के राजू ने शराब पीकर गाली गलौज कर मारपीट की है। जब वह आईं तो गांव के बाहर उक्त युवक ने रोक कर गाली गलौज करने अश्लील हरकतें की और बुरी नियत से देखा। जरिया थानाध्यक्ष भरत कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है।

सेवायोजन कार्यालय परिसर में आज लगेगा रोजगार मेला, करें प्रतिभाग

कानपुर देहात। जिला सेवायोजन कार्यालय, कानपुर देहात द्वारा पुरुष ध् महिला बेरोजगारों के लिए 26.06.2024, स्थान जिला सेवायोजन कार्यालय परिसरए कानपुर देहात में प्रात: 10 बजे रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा। जिसमें कम्प्यूटर आपरेटर, हेल्थ एसोसिएट इत्यादि पदों हेतु विभिन्न कंपनियां प्रतिभाग कर रही हैं। इस रोजगार मेले में आईटीआई, नान आईटीआई डिप्लोमा, स्नातक उर्तीण अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते है। मेले में आए अभ्यर्थियों का कार्यालय में रोजगार संगम पोर्टल पर पंजियन भी किया जायेगा। अभ्यर्थी अपने शैक्षिक प्रमाण.पत्र तथा जाति प्रमाण पत्र की छाया प्रति ले आयेगें। सेवायोजन विभाग द्वारा विकसित नवीन पोर्टल पर जॉब सीकर नियोजक एवं संस्थान के पंजीयन की व्यवस्था है। कानपुर देहात के समस्त टेक्निकल/ नॉन टेक्निकल शिक्षण संस्थान, स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपना पंजीयन इंस्ट्रीटयूट रजिस्ट्रेशन में कराए।

चोरी की घटना का खुलासा: अभियुक्त को चोरी की बाइक के साथ किया गिरफ्तार

अभियुक्त के कब्जे से 01 अदद अवैध देशी तमन्चा व 02 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किये गये

संवाददाता। कानपुर देहात

अपराध नियन्त्रण की दिशा में चोरी की घटनाओं की रोकथाम व खुलासे हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान श्जागते रहोश् के क्रम में बरौर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुये मुखबिर की सूचना पर मोटरसाइकिल चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए अभियुक्त अनिकेत कुशवाहा पुत्र शिशपाल सिंह निवासी बरौली थाना देवराहट कानपुर देहात को मय चोरी की मोटर साइकिल नं0. 77 ड 3682 डिस्कवर रंग काला जिसकी असली नम्बर प्लेट को अभियुक्त द्वारा बदल दिया गया था व 01 अवैध देशी तमन्चा, 02 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ ग्राम मुरादपुर से 200 मीटर बरौर की तरफ भट्टे के सामने से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना बरौर पर मुअस. 45/24 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

बैंक कर्मचारी पर रुपए लेकर भाग जाने की पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

राठ (हमीरपुर)। शाखा प्रबंधक मिडलैंड माइक्रोफिन लिमिटेड बैंक के शाखा प्रबंधक ने बैंक कर्मचारी पर समूह की वसूली कर रुपए लेकर फरार हो जाने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी थी। शाखा प्रबंधक उमेश कुमार मिश्रा ने बताया कि शाखा में समूह की महिलाओं व पुरुषों को ऋण दिया जाता है। हर महीने किस्त वसूल की जाती है। शाखा में कुलदीप पुत्र तेज सिंह निवासी मौठ जिला झांसी कर्मचारी के पद पर हैं और किस्त वसूली का कार्य करता था। 28 अगस्त 23 को कुलदीप ने गांव में जाकर बसेला गांव की जयंती, तस्लीम, सीमा, राजा, कंचन, शिवकुमारी, नगीना, पुष्पा, माया देवी, नूरजहां, मीरा, अनीसा, रामरती, सीमा आदि महिलाओं से किस्त वसूली के 57890 लेकर भाग गया है। कई बार उसे फोन कर संपर्क किया। लेकिन कुलदीप ने फोन बंद कर दिया। कई बार कोतवाली में तहरीर दी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अदालत में न्याय की गुहार लगाई।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान में सहयोग करें नागरिक

पालिका में बैठक लेते जिला मलेरिया अधिकारी।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। शासन के निर्देश पर स्थानीय नगर पालिका सभागार में जिला मलेरिया अधिकारी की अध्यक्षता में 01 जुलाई से 31 जुलाई तक चलने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पालिका कर्मियों व सभासदों के साथ अभियान की सफलता के लिये रणनीति बनाई गई। मंगलवार को स्थानीय पालिका सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के सफल संचालन के लिये जिला मलेरिया अधिकारी की अध्यक्षता में निकाय स्तरीय बैठक एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा कर्मचारियों को कीटनाशक, एंटीलारवा छिडकाव, फॉगिंग आदि गतिविधियों को संपन्न कराये जाने के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान प्रधान लिपिक आरपी सिंह, मोहसिन खान चिकित्सक, नसीबा खान बीएमसी, राजन बाबू, अशोक कुमार, आकाश सक्सेना, सभासद निर्मल श्रीवास्तव मौजूद रहे।

पुलिस चौकी में अपराधियों का प्रवेश वर्जित: रवीन्द्र सोनकर

लखीमपुर। पुलिस चौकी में दलालों और अपराधियों का प्रवेश वर्जित रहेगा। पीड़ित व्यक्ति स्वयं नि:संकोच होकर आकर अपनी समस्या बताए उसकी समस्या का समाधान त्वरित किया जाएगा। यह संदेश मंगलवार सुबह ढखेरवा पुलिस चौकी में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान नवागत चौकी प्रभारी रवीन्द्र सोनकर ने दिए। नवागत चौकी प्रभारी सोनकर ने स्थानीय पत्रकारों से रूबरू होते हुए कहा कि निष्पक्ष न्याय दिलाना उनका परम कर्तव्य है। पीड़ित व्यक्ति स्वयं नि:संकोच होकर पुलिस चौकी आए और अपनी समस्या बताए उसकी समस्या का समाधान किया जाएगा। कुछ पत्रकारों ने पूर्व में रहे इंचार्जो पर दलाल और अपराधियों की मिली भगत का सवाल उठाया। जिस पर चौकी प्रभारी सोनकर ने दो टूक में कहा कि पूर्व में क्या हुआ इससे उनका कोई मतलब नहीं है। उनके कार्यकाल में पुलिस चौकी के अंदर दलालों और अपराधियों का प्रवेश पूर्णतय: वर्जित रहेगा। प्रेस वार्ता के दौरान बिजेंदर शुक्ला, अमित अवस्थी, शंकर चक्रवर्ती, राजीव वर्मा, माधव कुमार, राजीव मिश्रा तथा मो. शाहिद आदि पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

ओडीओपी में प्रशिक्षण लेने के लिए करें आवेदन

लखीमपुर खीरी। एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) कार्यक्रम के तहत दक्षता, कौशल विकास, उद्यमिता विकास प्रशिक्षण व टूलकिट वितरण योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024.25 में प्रशिक्षण एवं टूलकिट वितरण योजना संचालित है। योजनान्तर्गत गुड उत्पाद एवं जनजातीय शिल्प (थारू कपट) से सम्बन्धित 10 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र ऑनलाइन बेबसाइट पर यथा ट्रेड.गुड उत्पाद एवं जनजातीय शिल्प (थारू काफ्ट) से सम्बन्धित कारीगरों द्वारा ऑनलाईन आवेदन करने की तिथि 05 जुलाई तक निर्धारित हैं। उक्त जानकारी उपायुक्त उद्योग संजय सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि आवेदन ऑनलाईन ही मान्य होगा। आफ्लाईन आवेदन पत्र स्वीकार नही किये जायेगें। विस्तृत जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्रए लखीमपुर खीरी से सम्पर्क स्थापित कर सकते है।

लेखपाल के विरुद्ध कार्रवाई न होने पर सेवानिवृत्त फौजियों ने दिया धरना

राठ तहसील में नारेबाजी करते सेवानिवृत्त फौजी

राठ (हमीरपुर)। प्लाट के दाखिल खारिज के लिए सुविधा शुल्क मांगने पर पूर्व सैनिक और लेखपाल के बीच मारपीट हुई थी। पूर्व सैनिकों ने तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर लेखपाल के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। कस्बा निवासी रिटायर्ड फौजी शिवमंगल अपनी पत्नी बीनू देवी के नाम प्लाट में दाखिल खारिज करने के लिए लेखपाल शिवपाल से कई बार मिन्नत की। सुविधा शुल्क की मांग को लेकर लेखपाल पूर्व फौजी को रजिस्ट्री में अखियां लगवाने के टरकाता रहा। 20 जून को शिवमंगल रजिस्ट्री फॉर्म में आख्या लगवाने के लिए लेखपाल के पास तहसील पहुंचा। दोनों में विवाद हुआ और मारपीट हो गई। लेखपाल की तहरीर पर रिटायर्ड फौजी के खिलाफमुकदमा हुआ। फौजी की तहरीर पर पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज न करने से नाराज पूर्व सैनिकों ने तहसील परिसर में मंगलवार से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। सीओ दिलीप सिंह और इंस्पेक्टर उमेश कुमार सिंह वार्ता करने पहुंचे। पूर्व फौजियों का कहना है जब तक लेखपाल के खिलाफकड़ी कार्रवाई न होगी तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

जांच में पांच पैथालाजी व क्लीनिक के खिलाफ नोटिस जारी कर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने के आदेश

कई बार नोटिस के बाद भी नही कराया रजिस्ट्रेशन, अठारह आयुर्वेद क्लीनिकों के खिलाफ कार्यवाही की संस्तुति

हमीरपुर। लंबे अर्से से सीएमओ कार्यालय में बिना रजिस्ट्रेशन के ही संचालित हो रहे पैथालांजी व क्लीनिकों के खिलाफस्वास्थ्य विभाग ने शिंकजा कसा है। सुमेरपुर व राठ में संचालित पांच प्रायवेट पैथालांजी व क्लीनिकों के खिलाफनोटिस जारी कर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने के आदेश दिये है। अठारह आयुर्वेद क्लीनकों के खिलाफकार्यवाही करने के लिये जिला आयुर्वेद अधिकारी को कड़ा पत्र सीएमओ ने लिखा है।

डिप्टी सीएमओ संजय कुमार ने बताया कि जिले में संचालित प्रायवेट पैथालाजी व क्लीनकों का सीएमओ कार्यालय में रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य होता है। नीरज पैथालांजी सुमरेपुर, कौशल डेंटल क्लीनिक राठ, न्यू लाइट पैथालाजी राठ, बैष्णोदेवी पैथालाजी राठ का सीएमओ कार्यालय में विना रजिस्ट्रेशन कराये ही कई महीनों से संचालित है। इनको कई मर्तवा नोटिस भी जारी की गयी है मगर कोई ध्यान नही दिया गया है। इसलिये इनकी जांच पड़ताल कर फिर से नोटिस जारी की गयी है और संबंधित थानों में पुलिस को इनके खिलाफरिपोर्ट दर्ज करने को कहा गया है। जांच मे अठारह आयुर्वेद चिकित्सालय बिना रजिस्ट्रेशन कराये संचालित पाये गये है जो गैर कानूनी है। जिले में जो बड़े नर्सिंग होम है उनका तो पंजीकरण करा लिया गया है मगर छोटे क्लीनिक पंजीकरण नही कराये है इसके लिये अभियान चलाया जा रहा। जिला आयुर्वेद यूनानी चिकित्साधिकारी डा.बलभद्र सिंह को पत्र लिखकर कार्यवाही करने को कहा गया है ताकि ये लोग पंजीकरण कराये।

दो जगह बिना जांच के हो रहे है रजिसट्रेशनः आयुर्वेद अधिकारी

हमीरपुर। जिला आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डा.बलभद्र सिंह का कहना है कि रजिस्ट्रेशन को लेकर बड़े ही असमंजस की स्थिति बनी हुई है। क्लीनिकों का रजिस्ट्रेशन कराने के बाद संचालक सीएमओ के यहां रजिस्ट्रेशन कराने के बाद नर्सिंग होम संचालित करने लगता है जब कि नियमानुसार जिस क्लीनिक का आयुर्वेद से रजिस्ट्रेशन हो चुका है तब सीएमओ कार्यालय से उसका रजिट्रेशन नही होना चाहिये मगर सब कुछ धड़ाधड़ हो रहे है। इस प्रकार के कई मामले उनके संज्ञान में है। जिससे कुछ स्पष्ट नही हो पा रहा है। जब सीएमओ की चिट्ठी उनके पास आयेगी तो इस पर वह जवाब देगे उनका कहना है कि यह मामला कई मर्तवा उच्चाधिकारियों के सामने उठ चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कजाकिस्तान के राष्ट्रपति से बात की

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट तोकाएव के साथ बातचीत की और दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में यह जानकारी दी। पीएमओ के मुताबिक तोकाएव ने मोदी से फोन पर बातचीत की और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रिया के सफल संचालन और लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए उनके फिर से चुने जाने पर हार्दिक बधाई दी।

बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री ने उन्हें हार्दिक बधाई के लिए धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। पीएमओ के मुताबिक प्रधानमंत्री ने अस्ताना में आगामी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए भारत के पूर्ण समर्थन से अवगत कराया और विश्वास व्यक्त किया कि कजाकिस्तान का नेतृत्व क्षेत्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने में काफी योगदान देगा। बयान के मुताबिक दोनों नेताओं ने संपर्क में रहने पर सहमति व्यक्त की।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट तोकाएव के साथ अच्छी बातचीत हुई। चुनाव में सफलता की हार्दिक शुभकामनाओं के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। कजाकिस्तान के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, आगामी एससीओ शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए भारत के पूर्ण समर्थन से अवगत कराया। शिखर सम्मेलन में मोदी के भाग लेने के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन राजनयिक सूत्रों ने कहा कि वह इसमें शिरकत नहीं कर रहे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर के भारत का प्रतिनिधित्व करने की संभावना है।

एससीओ में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं और यह एक प्रभावशाली आर्थिक और सुरक्षा समूह है। यह सबसे बड़े अंतरक्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के रूप में उभरा है। कजाकिस्तान समूह के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। भारत ने पिछले साल एससीओ की अध्यक्षता की थी। पिछले साल जुलाई में वर्चुअल प्रारूप में एससीओ शिखर सम्मेलन हुआ था जिसकी भारत ने मेजबानी की थी।

मोदी ने पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू से मुलाकात की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू से मुलाकात की और इस दौरान दोनों ने राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एम वेंकैया नायडू से मुलाकात की। मुझे दशकों तक उनके साथ काम करने का अवसर मिला है और भारत की प्रगति के लिए उनके ज्ञान और जुनून की हमेशा प्रशंसा की है। उन्होंने मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, वेंकैया नायडू ने हमारे तीसरे कार्यकाल के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। नायडू ने भी एक्स पर मुलाकात के बारे में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने उनसे त्यागराज मार्ग स्थित आवास पर मुलाकात की। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें भारत के प्रधानमंत्री के रूप में तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेने पर हार्दिक बधाई दी। नायडू ने बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, हमारी बातचीत में, हमने राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। पूर्व उपराष्ट्रपति ने लिखा, मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में उनके नेतृत्व में भारत गौरव की नई ऊंचाइयों को छुएगा। नायडू भारत के 13वें उपराष्ट्रपति के रूप में 11 अगस्त, 2017 से 10 अगस्त, 2022 तक इस पद पर रहे हैं।

बिहार में पिछली सरकार के कार्यकाल में दिए गए 826 करोड़ के अनुबंध रद्द किए

भाषा। पटना

बिहार की राजग सरकार ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत पिछली महागठबंधन सरकार के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति के सिलसिले में दिए गए 826 करोड़ रुपए के अनुबंधों को रद्द कर दिया है। राज्य सरकार का लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) ने ठेकेदारों की चयन प्रक्रिया में अनियमितताओं का हवाला देते हुए 826 करोड़ रुपए के 350 अनुबंध रद्द कर दिए हैं। विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है। बिहार के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह ने पीटीआई-भाषा से कहा, विभाग की जांच से पता चला है कि राज्य में राजद के नेतृत्व वाली पिछली महागठबंधन सरकार के दौरान ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था से जुड़े 350 ठेकों (826 करोड़ रुपए के) के आवंटन में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था। ए ठेके हैंडपंप, मिनी जलापूर्ति व्यवस्था आदि की स्थापना से संबंधित थे। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद मैंने हाल में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई थी...जिसके बाद इन ठेकों को रद्द करने का आदेश जारी किया गया। मंत्री ने कहा, विभाग ने इन ठेकों से जुड़ी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट भी राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी को सौंप दी है, ताकि गहन जांच हो सके...जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्वाई की जाएगी। पिछली महागठबंधन सरकार के दौरान राजद नेता ललित यादव पीएचईडी मंत्री थे। सिंह ने कहा, 17 महीनों में पिछली सरकार ने पीएचईडी विभाग के 4600 करोड़ रुपए के कुल 1160 ठेके दिए थे। हमने अब तक 350 अनुबंध रद्द कर दिए हैं, शेष की जांच की जा रही है। मंत्री ने विभाग के अधिकारियों द्वारा पकड़ी गई अनियमितताओं का ब्यौरा देने से इनकार कर दिया और कहा, "इनके बारे में बताने का यह उचित समय नहीं है क्योंकि मामले की जांच एक सक्षम प्राधिकारी द्वारा की जा रही है। दस्तावेजों के अनुसार, बांका जिला इस सूची में सबसे ऊपर है, जहां ग्रामीण जलापूर्ति प्रणाली से संबंधित अधिकतम 106 अनुबंध रद्द किए गए हैं। जमुई में 73, लखीसराय में 20 , औरंगाबाद में 18 और आरा में 11 अनुबंध रद्द किए गए हैं। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस साल जनवरी में राजद से नाता तोड़कर राजग में वापस आ गए थे। सत्ता संभालने के तुरंत बाद फरवरी 2024 में राजग सरकार ने पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव और पिछली महागठबंधन सरकार में राजद कोटे से उनके दो तत्कालीन मंत्रियों ललित यादव और रामानंद यादव के प्रभार वाले विभागों द्वारा लिए गए सभी निर्णयों की समीक्षा का आदेश दिया था।

सपा विधायक रमाकांत यादव की जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2022 में आजमगढ़ में जहरीली शराब से नौ लोगों की मौत के मामले में सपा के विधायक रमाकांत यादव की जमानत याचिका पर विचार करने से मंगलवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अवकाशकालीन पीठ ने यादव को जमानत देने से इनकार करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। पीठ द्वारा इस पर विचार करने की अनिच्छा जताए जाने के बाद यादव के वकील ने याचिका वापस ले ली।

यादव ने उच्च न्यायालय के 14 मई के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसमें उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी और अधीनस्थ अदालत को निर्देश दिया गया था कि वह चार महीने के भीतर शेष गवाहों के बयान का परीक्षण करे। उच्च न्यायालय ने कहा था, रिकॉर्ड के अवलोकन से पता चलता है कि याचिकाकर्ता की पहली जमानत याचिका को इस अदालत के छह सितबंर 2023 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया था और अधीनस्थ अदालत को निर्देश दिया गया था कि वह मुकदमे में तेजी लाए और इसे यथाशीघ्र, अधिमानत: छह महीने की अवधि के भीतर निपटारा करे, हालांकि अब तक केवल छह गवाहों के बयान का ही परीक्षण किया गया है। उच्च न्यायालय ने कहा था, रिकॉर्ड पर रखी गई सामग्री से ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ महत्वपूर्ण गवाहों के बयान का परीक्षण हो चुका है, लेकिन कुछ गवाहों के बयान का परीक्षण होना बाकी है। मामले के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, सुनवाई के इस चरण में याचिकाकर्ता-आरोपी को जमानत पर रिहा करना उचित नहीं होगा। फरवरी 2022 में आजमगढ़ के अहरौला थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से नौ लोगों की मौत हो गई थी। प्राथमिकी में यादव का नाम नहीं था, लेकिन सितंबर 2022 में इसे जोड़ा गया था।

ईडी ने मारे गए माफिया विकास दुबे और उसकी पत्नी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया

नई दिल्ली (भाषा)। ईडी ने बताया कि उसने उत्तर प्रदेश के मारे गए माफिया विकास दुबे, उसकी पत्नी ऋचा दुबे और उसके पांच सहयोगियों के खिलाफ धनशोधन रोधी कानून के तहत आरोप पत्र दाखिल किया है। संघीय एजेंसी ने एक बयान में बताया कि लखनऊ की धनशोधन निवारण अधिनियम मामलों की विशेष अदालत के समक्ष मार्च में अभियोजन शिकायत दर्ज कराई गई और अदालत ने 29 मई को इस पर संज्ञान लिया। ईडी ने आरोप लगाया कि जांच के दौरान पाया गया कि विकास दुबे और उसके सहयोगी भू माफिया, रंगदारी, हत्या, जन वितरण प्रणाली के तहत आवंटित राशि में गबन सहित विभिन्न अपराधों में संलिप्त थे। ईडी ने विकास दुबे और अन्य के खिलाफ धनशोधन का मामला उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकियों के आधार पर दर्ज किया है।

सुखबीर बादल के खिलाफ बगावत, नेताओं के एक वर्ग ने उनसे पार्टी प्रमुख पद छोड़ने को कहा

चंडीगढ़ (भाषा)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के वरिष्ठ नेताओं के एक वर्ग ने मंगलवार को सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ बगावत कर दी और मांग की कि लोकसभा चुनावों में शिअद की हार के मद्देनजर उन्हें पार्टी प्रमुख के पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। जालंधर में बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी घोषणा की कि अगले महीने शिअद बचाओ आंदोलन शुरू किया जाएगा।

बागी नेताओं की जालंधर में उस समय बैठक हुई जब शिअद प्रमुख बादल चंडीगढ़ में जिला अध्यक्षों और अन्य नेताओं के साथ लोकसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए बैठक कर रहे थे। वहीं, पार्टी ने बागी नेताओं को भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रायोजित हताश तत्व बताया जो पार्टी को कमजोर करना चाहते हैं। आम चुनावों में शिअद को करारी हार का सामना करना पड़ा था। शिअद पंजाब की 13 लोकसभा सीट में से केवल एक पर ही जीत हासिल कर पाई। बादल की पत्नी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने बठिंडा सीट बरकरार रखी। शिअद के 10 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। वर्ष 2019 में पार्टी का मत प्रतिशत 27.45 था जो इस बार घटकर 13.42 रह गया। करीब पांच घंटे की बैठक के बाद बागी नेताओं ने बादल से पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने को कहा। पत्रकारों से बातचीत में शिअद के पूर्व सांसद प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने कहा कि उन्होंने पार्टी की पिछली गलतियों और कमियों पर विस्तृत चर्चा की जिसके कारण पार्टी में यह हालात बने हैं। उन्होंने पार्टी को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि एक जुलाई को अकालतख्त पर पिछली गलतियों और कमियों के लिए माफी मांगने का फैसला किया गया है। चंदूमाजरा ने कहा कि इस संबंध में एक पत्र सिखों की शीर्ष धार्मिक संस्था अकालतख्त के कार्यालय को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि उस दिन शिरोमणि अकाली दल बचाओ आंदोलन भी शुरू किया जाएगा। बादल का जिक्र करते हुए शिअद के वरिष्ठ नेता सिकंदर सिंह मलूका ने कहा कि इस पर विचार किया जाना चाहिए कि पार्टी ने 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों और अब आम चुनावों में खराब प्रदर्शन क्यों किया? चंडीगढ़ में, अकाली दल ने कहा कि भाजपा द्वारा प्रायोजित हताश तत्व पार्टी को अंदर से कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन उन्हें सफल नहीं होने दिया जाएगा। शिअद जिला अध्यक्षों और हलका प्रभारियों द्वारा सर्वसम्मति से पारित प्रस्तावों में पार्टी ने कहा कि शिरोमणि अकाली दल को कमजोर करने या तोड़ने के प्रयासों के पीछे भाजपा और सरकारी एजेंसियां हैं।

राम मंदिर भवन निर्माण समिति ने गर्भगृह में बारिश का पानी भरने के आरोप नकारे

भाषा। अयोध्या

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंदिर के गर्भगृह में बारिश का पानी भरने के आरोपों को सिरे से नकारते हुए कहा कि मंदिर निर्माण कार्य की गुणवत्ता में कोई भी कमी नहीं है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट राम मंदिर का निर्माण करा रहा है। राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्एंद्र दास ने आरोप लगाया था कि शनिवार आधी रात को हुई बारिश के कारण गर्भगृह में मंदिर की छत से तेजी से पानी टपक रहा था और रविवार सुबह फर्श पर पानी भरा हुआ था। दास ने कहा कि काफी मशक्कत के बाद मंदिर परिसर से पानी निकाला गया हालांकि नृपेंद्र मिश्रा ने इन आरोपों को सिरे से नकार दिया। मिश्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा, पहले मैं आपको एक बात स्पष्ट करना चाहूंगा। समाचार पत्रों में यह बात छपी है कि मंदिर की छत से बारिश का पानी टपका, जिस वजह से गर्भगृह में या अन्य स्थानों पर पानी भरा। ऐसा कुछ भी नहीं है। मैंने स्वयं निरीक्षण किया। मिश्रा ने कहा, गुरु मंडप की जो छत और गुंबद है, उसका निर्माण कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है। वह तो द्वितीय तल पर जाकर पूरा होगा। उसके बाद ही वहां का पानी रुकेगा, इसीलिए आपने देखा होगा कि जब श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं तो उस छत पर हम लोगों ने अस्थाई निर्माण करके एक प्रोटेक्शन लेयर बनाई है। उन्होंने कहा, वह भी जब मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा तो हटा दिया जाएगा। लोगों ने उसके प्रति एक भ्रम पैदा किया कि वहां से पानी आया। मिश्रा ने कहा, प्रथम तल पर बिजली के तार डाले जाने हैं, जिसके लिए लगाए गए पाइप खुले हुए हैं।

पेज 1 का शेष

पेपर लीक....

उक्त परीक्षा प्राधिकारियों जैसे-उप्र लोक सेवा आयोग, उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, उप्र बोर्ड, विश्वविद्यालय, प्राधिकरण या निकाय या उनके द्वारा नामित संस्था भी सम्मिलित हैं। उक्त अधिनियम का विस्तार सार्वजनिक सेवा भर्ती परीक्षाओं, नियमितीकरण या पदोन्नति परीक्षाएं, डिग्री डिप्लोमा, प्रमाण-पत्रों या शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की प्रवेश परीक्षा पर भी लागू होगा। फर्जी प्रश्नपत्र बाटना, फर्जी सेवायोजन वेबसाइट बनाना इत्यादि भी दण्डनीय अपराध बनाये गये हैं। अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन के लिये न्यूनतम दो वर्ष से लेकर आजीवन कारावास का दण्ड तथा एक करोड़ रुपये तक के दण्ड का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि यदि परीक्षा प्रभावित होती है तो उस पर आने वाले वित्तीय भार को सॉल्वर गिरोह से वसूलने तथा परीक्षा में गड़बड़ी करने वाली संस्था तथा सेवा प्रदाताओं को सदैव के लिए ब्लैक लिस्ट करने का भी प्राविधान किया गया है। अधिनियम में अपराध की दशा में संपत्ति की कुर्की भी प्राविधानित की गई है। इसके तहत समस्त अपराध संज्ञेय, गैर जमानती एवं सत्र न्यायालय द्वारा विचारणीय एवं अशमनीय बनाए गए हैं। जमानत के संबंध में भी कठोर प्राविधान किए गए हैं। वर्तमान में विधान मण्डल के सत्र में न होने के कारण विधेयक के स्थान पर अध्यादेश का प्रस्ताव किया जाना समीचीन होगा। अत: उत्तर प्रदेश शासन के गृह विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अध्यादेश, 2024 प्रख्यापित किये जाने के सम्बन्ध में प्रस्ताव किया गया। मंत्रिपरिषद के द्वारा प्रस्ताव के अनुमोदन के बाद अध्यादेश की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा और इसके बाद इसे लागू किया जाएगा।

अयोध्या....

प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि टाटा संस सरीखे संस्थान द्वारा अपने वित्तीय स्रोतों से विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय का निर्माण करवाए जाने से मंदिर संग्रहालय निर्माण में प्रवीणता और दक्षता परिलक्षित होगी। साथ ही साथ प्रदेश सरकार मंदिर संग्रहालय के निर्माण के लिए व्यय की जाने वाली धनराशि की भी बचत होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अयोध्या आने वाले पर्यटकों का मुख्य आकर्षण श्रीराम जन्मभूमि परिसर और समीपवर्ती कनक भवन, हनुमान गढ़ी व अन्य धार्मिक स्थल हैं। यहां पर्यटक प्राय: धार्मिक पूजा-अर्चना और श्रद्धाभाव से आते हैं। नई पीढ़ी के युवाओं, विदेशी पर्यटकों, भारतीय सभ्यता और संस्कृति में रुचि रखने वाले अन्य पर्यटकों को अयोध्या के प्रति आकर्षित करने के लिए आवश्यक पर्यटक गंतव्य द्वारा अयोध्या में एक तरह का अभाव है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे...

बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट स्कैनर मशीन, सर्ज प्रोटेक्शन डिवाइस, लाइटनिंग प्रोटेक्शन यूनिट, एडवांस्ड ड्राइवर एडवायजरी सिस्टम, जीपीएस ट्रैकर समेत 890 कैमरों के संचालन के लिए वीएएमस लाइसेंस से युक्त किया जाएगा। मौजूदा प्रक्रिया में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को एटीएमएस अनुकूल बनाने के लिए अलग-अलग 50 स्थलों पर 150 वीआईडीएस आधारित कैमरे स्थापित किए जाएंगे। यह कैमरे विशिष्ट होंगे और सौर ऊर्जा से चलने के साथ ही इनकी एक चार्ज में 96 घंटे तक की परिचालन की क्षमता होगी। योजना के अंतर्गत सीसीटीवी कंट्रोलर युक्त पीटीजेड कैमरों को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर लगाया जाएगा।

सेंसेक्स...

उच्चस्तर पर पहुंचा था। निफ्टी 183.45 अंक या 0.78 प्रतिशत बढ़कर 23,721.30 के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 216.3 अंक या 0.91 प्रतिशत चढ़कर 23,754.15 अंक पर पहुंच गया था। सेंसेक्स की कंपनियों में एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस में उल्लेखनीय बढ़त हुई। दूसरी ओर पावर ग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, नेस्ले, मारुति और जेएसडब्ल्यू स्टील में गिरावट आई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा शोध प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, बैंकिंग शेयरों में तेजी ने निफ्टी को इस साल 34वीं बार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा दिया, हालांकि कई अन्य क्षेत्र गिरकर बंद हुए। व्यापक बाजार में बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.26 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप 0.03 प्रतिशत टूट गया। क्षेत्रवार बात करें तो बैंक में 1.87 प्रतिशत, वित्तीय सेवाओं में 1.45 प्रतिशत, आईटी में 0.53 प्रतिशत, पूंजीगत वस्तुओं में 0.28 प्रतिशत और प्रौद्योगिकी शेयरों में 0.43 प्रतिशत की तेजी हुई। दूसरी ओर रियल्टी में 1.82 प्रतिशत, बिजली में 1.05 प्रतिशत, यूटिलिटी में 0.95 प्रतिशत, धातु में 0.84 प्रतिशत और दूरसंचार में 0.28 प्रतिशत की गिरावट हुई।

लोकसभा के अध्यक्ष..

डिप्टी स्पीकर का पद देकर इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने की गेंद सरकार के पाले में है। सूत्रों ने बताया कि इससे पहले दिन में आम सहमति बनाने के लिए संसद में सिंह के कार्यालय में विपक्ष की ओर से कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल और द्रमुक के टीआर बालू और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा, जो भाजपा अध्यक्ष भी हैं, के बीच एक संक्षिप्त बातचीत हुई। दोनों पक्षों के अपने-अपने रुख पर अड़े रहने के कारण यह विवाद कटुता में समाप्त हो गया। दोनों विपक्षी नेता बाहर चले गए, वेणुगोपाल ने सरकार पर उप सभापति पद के लिए एक विपक्षी उम्मीदवार के प्रस्ताव का पालन नहीं करने का आरोप लगाया और बिड़ला के खिलाफ एक उम्मीदवार खड़ा करने के फैसले की घोषणा की। केंद्रीय मंत्री भाजपा के पीयूष गोयल और जदयू के ललन सिंह ने विपक्ष पर दबाव की राजनीति करने और वरिष्ठ मंत्रियों के आश्वासन के बावजूद पूर्व शर्तें रखने का आरोप लगाया कि उपसभापति चुनने का समय आने पर उनकी मांग पर विचार किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता ललन सिंह ने संवाददाताओं से कहा, कोई दबाव की राजनीति नहीं हो सकती, जबकि गोयल ने कहा कि लोकतंत्र को पूर्व शर्तों पर नहीं चलाया जा सकता है। एनडीए के पास 293 सांसद हैं और इंडिया ब्लॉक के पास 233, संख्या स्पष्ट रूप से लोकसभा में बिड़ला के पक्ष में है, जिसमें राहुल गांधी द्वारा निर्वाचित दो सीटों में से एक से इस्तीफा देने के बाद वर्तमान में 542 सदस्य हैं। कम से कम तीन स्वतंत्र सदस्य भी विपक्ष का समर्थन करते हैं। भाजपा सूत्रों ने दावा किया कि कांग्रेस इस मुद्दे पर मुख्य हमलावर रही है और इंडिया ब्लॉक के कुछ अन्य सदस्य मुकाबले के लिए बहुत उत्सुक नहीं हैं। यदि कोटा से भाजपा सांसद बिड़ला निर्वाचित होते हैं, तो यह पांचवीं बार होगा कि कोई अध्यक्ष एक लोकसभा के कार्यकाल से अधिक समय तक काम करेगा। हालांकि कांग्रेस नेता बलराम जाखड़ एकमात्र ऐसे पीठासीन अधिकारी हैं जिन्होंने सातवीं और आठवीं लोकसभा तक दो पूर्ण कार्यकाल पूरे किए हैं। तीसरी बार के सांसद, बिड़ला राजस्थान के तीन बार के पूर्व विधायक भी हैं और भाजपा में रैंकों के माध्यम से उभरे हैं। अध्यक्ष पद के लिए उनके प्रतिद्वंद्वी सुरेश केरल से आठवीं बार सांसद हैं और दलित समुदाय से आते हैं। सूत्रों ने कहा कि यदि बुधवार को लोकसभा में मतों का विभाजन होता है, तो कागजी पर्चियों का उपयोग किया जाएगा क्योंकि नई लोकसभा में इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली अभी तक चालू नहीं है, जहां सदस्यों को अभी भी अपनी सीटें आवंटित करने की प्रक्रिया चल रही है। अनुभवी भाजपा नेता राजनाथ सिंह ने इस मुद्दे पर विपक्षी दलों तक पहुंचने का बीड़ा उठाया था क्योंकि बिड़ला एनडीए की सर्वसम्मत पसंद के रूप में उभरे थे और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अपने वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी। सुरेश ने कहा कि यह जीत या हार के बारे में नहीं है, बल्कि एक परंपरा के बारे में है कि अध्यक्ष सत्ता पक्ष का होगा और उपाध्यक्ष विपक्ष का होगा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, पिछली दो लोकसभाओं में उन्होंने हमें डिप्टी स्पीकर का पद देने से इनकार कर दिया क्योंकि उन्होंने कहा कि आप विपक्ष के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं हैं। अब हम विपक्ष के रूप में मान्यता प्राप्त हैं, (और) डिप्टी स्पीकर का पद हमारा अधिकार है। लेकिन वे हमें देने के लिए तैयार नहीं हैं। सूत्रों ने कहा कि बिड़ला की उम्मीदवारी के समर्थन में नामांकन के 10 से अधिक सेट (जिन्हें प्रस्ताव के लिए नोटिस कहा जाता है) दाखिल किए गए थे, जिनमें प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री शाह, सिंह और नड्डा और टीडीपी, जेडी (यू), जेडी (एस) और एलजेपी (आर)जैसे भाजपा सहयोगियों के सदस्य शामिल हैं। सुरेश के समर्थन में नामांकन के तीन सेट दाखिल किये गये। कांग्रेस ने अपने सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी कर बुधवार को अध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान सुबह 11 बजे लोकसभा में उपस्थित रहने को कहा है।

एक दर्जन....

एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान को एसएसपी एसटीएफ, आजमगढ़ के एसपी अनुराग आर्य को एसएसपी बरेली, मेरठ के एसएसपी रोहित सिंह सजवान को एसएसपी सहारनपुर, प्रतापगढ़ के एसपी सतपाल को एसएसपी मुरादाबाद, चंदौली के एसपी डॉ. अनिल कुमार द्वितीय को एसपी प्रतापगढ़ बनाया गया है। इसके अलावा रेलवे आगरा के एसपी आदित्य लांम्हे को एसपी चंदौली के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कोर्ट ने....

ईडी ने अगले दिन उच्च न्यायालय का रुख किया और दलील दी कि निचली अदालत का आदेश त्रुटिपूर्ण, एकतरफा और गलत था तथा उसे मामले पर बहस करने का पर्याप्त अवसर दिए बिना पारित कर दिया गया। जमानत आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाने की ईडी की अर्जी पर 34 पृष्ठों के आदेश में न्यायमूर्ति जैन ने कहा कि प्रत्येक अदालत का यह दायित्व है कि वह पक्षों को अपना-अपना मामला प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त अवसर दे और इस मामले में भी ईडी को केजरीवाल की जमानत याचिका पर दलीलें पेश करने का पर्याप्त अवसर दिया जाना चाहिए था। न्यायमूर्ति जैन ने कहा कि निचली अदालत ने ईडी द्वारा लिखित दलीलों सहित दी गई अन्य दलीलों पर चर्चा और विचार नहीं किया और न ही जमानत देते समय धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 45 के तहत दोहरी शर्त की आवश्यकता के संबंध में भी चर्चा की। पीएमएलए की धारा 45 के तहत किसी आरोपी को दोहरी शर्त के मद्देनजर जमानत दी जा सकती है, यानी अदालत को प्रथम दृष्टया यह विश्वास हो कि वह ऐसे अपराध का दोषी नहीं है तथा अभियोजक को जमानत आवेदन का विरोध करने का अवसर दिया गया है। अदालत ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख के रूप में केजरीवाल की जिम्मेदारी के मुद्दे को भी जमानत आदेश में कोई जगह नहीं मिली। अदालत ने कहा कि इस स्तर पर, यह नहीं कहा जा सकता कि केजरीवाल की गिरफ्तारी और रिमांड कानून के अनुसार नहीं थी और कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया का पालन किए बिना उनकी निजी स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया गया था। इसने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री को उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गई अंतरिम जमानत लोकसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में दी गई थी और इसलिए उनकी यह दलील कि उन्होंने इसका दुरुपयोग नहीं किया, ज्यादा मददगार नहीं है। अवकाशकालीन न्यायाधीश के रूप में विशेष न्यायाधीश न्याय बिंदु ने 20 जून को धनशोधन मामले में केजरीवाल को जमानत दे दी थी और कहा था कि ईडी धनशोधन मामले में अपराध की आय से उन्हें जोड़ने वाले प्रत्यक्ष साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहा है। इक्कीस जून को, उच्च न्यायालय ने स्थगन के मुद्दे पर फैसला सुनाए जाने तक जमानत आदेश के क्रियान्वयन को स्थगित कर दिया था। केजरीवाल ने अपनी जमानत पर अंतरिम रोक के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। सोमवार को शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए 26 जून की तारीख तय की और कहा कि वह इस मुद्दे पर उच्च न्यायालय के आदेश की घोषणा की प्रतीक्षा करना चाहेगी। दिल्ली आबकारी नीति तैयार करने और इसके क्रियान्वयन से जुड़ी कथित अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार की उपराज्यपाल ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का आदेश दिया था, जिसके बाद 2022 में आबकारी नीति को रद्द कर दिया गया था। सीबीआई और ईडी के अनुसार, आबकारी नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं और लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया।

नीट विवाद...

मेडिकल प्रवेश परीक्षा एनईईटी और पीएचडी प्रवेश नेट में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र ने शनिवार को एनटीए के माध्यम से परीक्षाओं के पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पैनल को अधिसूचित किया था। जबकि नीट कथित लीक सहित कई अनियमितताओं को लेकर सवालों के घेरे में है, यूजीसी-नेट को रद्द कर दिया गया था क्योंकि मंत्रालय को इनपुट मिला था कि परीक्षा की अखंडता से समझौता किया गया था। दो अन्य परीक्षाएं - सीएसआईआर-यूजीसी नेट और एनईईटी पीजी - एहतियाती कदम के रूप में रद्द कर दी गईं। पैनल परीक्षा प्रक्रिया के तंत्र में सुधार, डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार और एनटीए की संरचना और कार्यप्रणाली पर सिफारिशें करेगा। पैनल में एम्स दिल्ली के पूर्व निदेशक रणदीप गुलेरिया, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति बी जे राव, आईआईटी मद्रास में सिविल इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर एमेरिटस के राममूर्ति, पीपल स्ट्रॉन्ग के सह-संस्थापक और कर्मयोगी भारत बोर्ड के सदस्य पंकज बंसल, आईआईटी दिल्ली छात्र मामलों के डीन आदित्य मित्तल और शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव गोविंद जयसवाल शामिल हैं।

अफगानिस्तान...

इस टीम ने मंगलवार को बांग्लादेश को रौंदने से पहले ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। निस्संदेह राशिद खान के नेतृत्व में अफगानिस्तान ने बारिश से प्रभावित सुपर 8 मैच में बांग्लादेश पर आठ रनों की जीत के साथ सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया, जिससे उनके क्रिकेट इतिहास में एक सुनहरा अध्याय जुड़ गया, जो युद्ध, राजनीतिक बहिष्कार और यहां तक ??कि आधार की कमी से भी बचा रहा। इस प्रक्रिया में, राशिद की मनमौजी टीम ने 2021 चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को अपने पिछले सुपर 8 मैच में पराजित करने के बाद बाहर कर दिया। अब 27 जून को अंतिम चार चरण में अफगानों का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। राशिद ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, यह अविश्वसनीय है, मेरे पास अपनी भावनाओं को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। घर वापस आकर, हर कोई इस बड़ी उपलब्धि से बहुत खुश है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की बल्लेबाजी लड़खड़ाकर 115/5 के स्कोर पर पहुंच गई, क्योंकि बांग्लादेश के गेंदबाजों ने मुश्किल पिच का फायदा उठाते हुए 66 डॉट गेंदें फेंकी। लेग स्पिनर ऋषद हुसैन ने 26 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि अफगानिस्तान के लिए सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने 55 गेंदों में 43 रन बनाए। बार-बार बारिश के व्यवधान के कारण मैच अंतत: 19-ओवर का कर दिया गया और बांग्लादेश को 114 का संशोधित लक्ष्य दिया गया। इसके बाद अफगानिस्तान ने दिखाया कि क्यों और कैसे वे राशिद (4/23) और तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक (4/26) की अगुवाई में शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन करके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतनी दूर तक आने में कामयाब रहे हैं। उनकी वीरता ने कम स्कोर का सफल और ऐतिहासिक बचाव सुनिश्चित किया क्योंकि बांग्लादेश 17.5 ओवर में 105 रन पर आउट हो गया। लिटन दास (नाबाद 54) खेल में बांग्लादेश के लिए एकमात्र योद्धा थे, जिसमें अफगानों द्वारा डीएलएस बराबर स्कोर पर आगे होने पर देरी करने की कुछ संदिग्ध रणनीति भी शामिल थी। अफगानों का काम भारत ने आसान कर दिया, जिसने कल रात ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हरा दिया। यह कहना गलत नहीं होगा कि आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भारत और एक ऐसी टीम ने टूर्नामेंट से वापस भेज दिया है जो अपने संघर्षग्रस्त देश में सुविधाओं की कमी के कारण भारत को अपना घरेलू आधार मानती है। अफगानिस्तान ने अपनी जीत के लिए बल्ले और गेंदबाजी से अपनी सलामी जोड़ी पर भरोसा किया है और मंगलवार को भी पटकथा कुछ अलग नहीं थी। जहां गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने बल्ले से 59 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की, वहीं फजलहक फारूकी और नवीन ने पहले विकेट लिए। शुरुआती विकेट झटकने की आदत रखने वाले फारूकी ने ठीक वैसा ही किया, उन्होंने दूसरे ओवर में तंजीद हसन (0) को पवेलियन भेजा, जिसके बाद नवीन का शानदार ओवर आया, जिसमें तेज गेंदबाज ने बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो (5) और शाकिब अल-हसन (0)का विकेट लिया। जब बारिश के कारण खेल रुका तब बांग्लादेश का स्कोर 31/3 था। उन्होंने आक्रामक तरीके से खेल फिर से शुरू किया और छह ओवर के स्कोर पर अपना स्कोर 46/3 कर लिया। फिर रशीद ने अपना परिचय दिया और अपना अनोखा जादू चलाया। उन्होंने अपने लगातार ओवरों में दो विकेट लिए लेकिन बांग्लादेश ने अपना निडर रवैया जारी रखा और डीएलएस बराबर स्कोर पर आगे रहे। हालाँकि, अफगानी कप्तान के पास कुछ भी नहीं था और उन्होंने लगातार गेंदों पर दो विकेट लिए और न्यूजीलैंड के टिम साउदी को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेज 150 टी20 विकेट लेने वाले खिलाड़ी भी बन गए। जब अनगिनत बार बारिश होने लगी और बांग्लादेश डीएलएस बराबर स्कोर पर पीछे चल रहा था। अफगान कोच जोनाथन ट्रॉट को अपने खिलाड़ियों को डगआउट से धीमी गति से चलने के लिए कहते हुए देखा गया और ऑलराउंडर गुलबदीन नैब स्पष्ट रूप से ऐंठन की शिकायत करते हुए नीचे चले गए। अचानक ब्रेकडाउन को देरी की रणनीति के रूप में देखा गया और ऑन-एयर कमेंटेटर ने उन्हें गेंदबाजी शुरू करने के कुछ ही मिनटों के भीतर ठीक होने के लिए दुनिया का आठवां अजूबा कहा।

कांग्रेस ने संविधान की भावना को कई बार कुचला: शाह

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश में आपातकाल लगाने के लिए मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि विपक्षी दल ने एक खास परिवार को सत्ता में बनाए रखने के लिए संविधान की भावना को कई बार कुचला। साल 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल के 49 साल पूरे होने के मौके पर शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें पार्टी का युवराज करार दिया और कहा कि वह भूल गए हैं कि उनकी दादी इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था और उनके पिता राजीव गांधी ने संसद में 23 जुलाई 1985 को कहा था कि आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक खास परिवार को सत्ता में बनाए रखने के लिए कांग्रेस ने हमारे संविधान की भावना को कई बार कुचला। इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान भारत के लोगों पर निर्मम अत्याचार किए। उन्होंने कहा, राजीव गांधी ने तो यहां तक कहा था, अगर इस देश का कोई प्रधानमंत्री जो यह महसूस करता है कि इन परिस्थितियों में आपातकाल जरूरी है और फिर वह आपातकाल लागू नहीं करता है, तो वह इस देश का प्रधानमंत्री बनने के योग्य नहीं है। तानाशाही कृत्य पर गर्व करना यह दिखाता है कि कांग्रेस के लिए परिवार और सत्ता के अलावा कुछ भी प्रिय नहीं है। शाह ने इससे पहले एक अलग पोस्ट में कहा, देश में लोकतंत्र की हत्या और उस पर बार-बार आघात करने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है। साल 1975 में आज के ही दिन कांग्रेस द्वारा लगाया गया आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अहंकार में डूबी, निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक परिवार के सत्ता सुख के लिए 21 महीनों तक देश में सभी प्रकार के नागरिक अधिकार निलंबित कर दिए थे, मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी थी, संविधान में बदलाव किए और न्यायालय तक के हाथ बांध दिए थे।उन्होंने कहा, आपातकाल के खिलाफ संसद से सड़क तक आंदोलन करने वाले असंख्य सत्याग्रहियों, समाजसेवियों, श्रमिकों, किसानों, युवाओं व महिलाओं के संघर्ष को नमन करता हूं। शाह के अलावा भाजपा के अन्य सभी वरिष्ठ नेताओं ने भी देश में आपातकाल लगाए जाने के 49 साल पूरे होने पर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि विपक्षी दल द्वारा लोकतंत्र की हत्या करने और उसे बार-बार नुकसान पहुंचाने के लंबे इतिहास में यह सबसे बड़ा उदाहरण है।भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जो लोग आज भारतीय लोकतंत्र के संरक्षक होने का दावा करते हैं, उन्होंने संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए उठाई गई आवाजों को दबाने का कोई मौका नहीं छोड़ा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र में एक काला अध्याय है, जिसे चाह कर भी भुलाया नहीं जा सकता। सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सत्ता के दुरुपयोग और तानाशाही का जिस तरह खुला खेल उस दौरान खेला गया, वह कई राजनीतिक दलों की लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता पर बहुत बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि यदि आज इस देश में लोकतंत्र जीवित है तो उसका श्रेय उन लोगों को जाता है जिन्होंने लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष किया, जेल गए और न जाने कितनी शारीरिक और मानसिक यातना से उन्हें गुज़रना पड़ा।उन्होंने कहा, भारत की आने वाली पीढ़ियां उनके संघर्ष और लोकतंत्र की रक्षा के लिए उनके योगदान को याद रखेंगी। भाजपा ने कांग्रेस की तीखी आलोचना ऐसे समय की है जब विपक्षी दल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर संविधान के खिलाफ काम करने का आरोप लगा रहे हैं।18वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार को शुरू होने पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी सदस्य संसद में संविधान की प्रतियां लेकर गए थे।

महिला ने पति पर भाजपा का समर्थन करने पर तीन तलाक का आरोप लगाया

भाषा। छिंदवाड़ा (मप्र)

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 26 वर्षीय एक महिला ने दावा किया है कि उसके पति ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का समर्थन करने एवं अन्य कारणों से नाराज होकर उसे तीन बार तलाक कह कर उससे संबंध विच्छेद कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। महिला के पति ने इस आरोप से इनकार किया है और पत्नी पर विवाहेत्तर संबंध रखने का आरोप लगाया है।कोतवाली थाने के प्रभारी उमेश गोलहानी ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि महिला ने पुलिस से शिकायत की है कि आठ साल पहले शादी होने के बाद उन दोनों के बीच कुछ समय तक संबंध सामान्य रहे लेकिन बाद में पति, सास और ननद किसी न किसी बात को लेकर ताना मारने लगे एवं मारपीट करने लगे। गोलहानी ने बताया कि महिला का दावा है कि करीब डेढ़ साल पहले उसे घर से निकाल दिया गया और वह पति के साथ किराए के मकान में रहने लगी।शिकायत का हवाला देते हुए थाना प्रभारी ने बताया कि महिला एक राजनीतिक दल का समर्थन करती है और उसने उसके पक्ष में वोट डाला जिससे और अधिक नाराज हो कर उसके पति ने उसे तीन बार तलाक कह कर उससे संबंध विच्छेद कर लिया।उन्होंने बताया कि महिला की शिकायत पर पुलिस ने उसके पति, सास और चार ननदों के खिलाफ के दहेज निषेध अधिनियम, मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम एवं भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि पीड़िता का बयान दर्ज कर आगे के कानूनी कदम उठाए जा रहे हैं। महिला ने कहा कि उसके पति ने उसे तलाक का नोटिस भेजा है जिसमें उसने उसपर चरित्रहीन होने और अवैध संबंध बनाने का आरोप लगाया है।

आरएसएस नेता हत्या मामले में 17 पीएफआई सदस्यों को जमानत मिली

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने पलक्कड़ जिले में 2022 में आरएसएस नेता श्रीनिवासन की हत्या के मामले में आरोपी 17 पीएफआई सदस्यों को मंगलवार को जमानत दे दी। आरोपी कथित तौर पर राज्य और देश के विभिन्न हिस्सों में संप्रादायिक हिंसा भड़काने के आरोपों का भी सामना कर रहे हैं। न्यायमूर्ति ए.के.जयशंकरन नाम्बियार और न्यायमूर्ति श्याम कुमार वी.एम.की पीठ ने एनआईए (राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण) मामलों की विशेष अदालत के उस आदेश को भी बरकरार रखा जिसमें नौ अन्य आरोपियों को किसी भी तरह की राहत देने से इनकार किया गया है। उच्च न्यायालय का 111 पन्नों का यह आदेश मामले के 26 आरोपियों की अपील पर आया जिन्होंने विशेष अदालत द्वारा उनकी जमानत अर्जी खारिज किए जाने को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने 26 आरोपियों में से 17 को जमानत देते हुए सख्त शर्तें भी लगाई हैं।

कोटक लाइफ दो पीढ़ियों को देगा लाभ

नई दिल्ली। कोटक महिंद्रा लाइफइंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड कोटक लाइफ ने आज अपनी नई सुरक्षा योजना कोटक जेन2जेन प्रोटेक्ट को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह उत्पाद एक योजना के साथ दो पीढ़ियों को कवर करने के विकल्प के साथ इंडस्ट्री की ऐसी पहली सुविधा प्रदान करता है, जो इस सुरक्षा की विरासत को आगे बढ़ाता है। सर्वाइवल-उत्तरजीविता पर प्रीमियम लाभ की 100 फीसदी गारंटीकृत वापसी के साथ आने वालाए कोटक जेन2जेन प्रोटेक्ट बच्चे को कम्पलीट रिस्क कवर पूर्ण जोखिम कवरद्ध ट्रांसफर करने की सुविधा प्रदान करता ह, जब माता.पिता ,प्राथमिक बीमाधारक, 60 या 65 साल के हो जाते हैं। इसके अलावाए यह रिस्क कवर बच्चे के साथ 60 साल की उम्र तक बना रहता है। यह उत्पाद वेलनेस बेनेफि ट और एक्सीडेंटल डेथ बेनेफि ट,दुर्घटना मृत्यु लाभ, स्थायी विकलांगता की स्थिति में लाभ और गंभीर बीमारी प्लस जैसे राइडर्स के माध्यम से व्यापक कवरेज भी प्रदान करता है। महिला पॉलिसीधारकों के लिएए कोटक जेन2जेन प्रोटेक्ट अतिरिक्त 5 फीसदी डेथ बेनेफि ट प्रदान करता है। कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के एमडीमहेश बालासुब्रमण्यम ने कहा कि एक संगठन के रूप में हमारा समर्पण उन उत्पादों को नया और क्यूरेट करने पर है, जो हमारे ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं।

एक्सिस का निफ्टी 500 इंडेक्स फंड

मुंबई। भारत में सबसे तेजी से बढ़ती म्यूचुअल फंड कंपनियों में से एक एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक नए फंड ऑफर . एक्सिस निफ्टी 500 इंडेक्स फंड को लॉन्च करने की घोषणा की है। इस ओपन.एंडेड इंडेक्स फंड का लक्ष्य निफ्टी 500 टोटल रिटर्न इंडेक्स टीआरआइके प्रदर्शन को दोहराना है, जो निवेशकों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई में सूचीबद्ध भारत की शीर्ष 500 कंपनियों निवेश का में व्यापक अवसर प्रदान करता है। न्यू फंड ऑफर एनएफओ 26 जूनए 2024 को खुलेगा और 09 जुलाईए 2024 को बंद होगा। फंड का प्रबंधन कार्तिक कुमार और सचिन रेलेकर द्वारा किया जाएगा। एक्सिस निफ्टी 500 इंडेक्स फंड का लक्ष्य ट्रैकिंग त्रुटियों के अधीन, निफ्टी 500 इंडेक्स के कुल रिटर्न के अनुरूप खर्चों से पहले रिटर्न प्रदान करना है। इसलिएए जो निवेशक इस विकास अवसर का लाभ उठाना चाहते हैं, वे इस फंड में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं।

एक वर्ग ने उनसे पार्टी प्रमुख पद छोड़ने को कहा

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के वरिष्ठ नेताओं के एक वर्ग ने मंगलवार को सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ बगावत कर दी और मांग की कि लोकसभा चुनावों में शिअद की हार के मद्देनजर उन्हें पार्टी प्रमुख के पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। जालंधर में बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होने यह भी घोषणा की कि अगले महीने शिअद बचाओ आंदोलन शुरू किया जाएगा। बागी नेताओं की जालंधर मे उस समय बैठक हुई जब शिअद प्रमुख बादल चंडीगढ़ मे जिला अध्यक्षो और अन्य नेताओं के साथ लोकसभा चुनावो में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए बैठक कर रहे थे। वही, पार्टी ने बागी नेताओ को भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रायोजित हताश तत्व बताया जो पार्टी को कमजोर करना चाहते है।आम चुनावो में शिअद को करारी हार का सामना करना पड़ा था। शिअद पंजाब की 13 लोकसभा सीट मे से केवल एक पर ही जीत हासिल कर पाई। बादल की पत्नी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने बठिंडा सीट बरकरार रखी। शिअद के 10 उम्मीदवारो की जमानत जब्त हो गई। वर्ष 2019 मे पार्टी का मत प्रतिशत 27.45 था जो इस बार घटकर 13.42 रह गया। करीब पांच घंटे की बैठक के बाद बागी नेताओं ने बादल से पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने को कहा।

हार सुनिश्चित दिखती है तो कांग्रेस किसी दलित को उम्मीदवार बना देती है: चिराग

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि महत्वपूर्ण पदों पर जब उसे हार सुनिश्चित दिखती है तो वह किसी दलित नेता को प्रतीकात्मक उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतार देती है। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में विपक्षी दलों की ओर से कोडिकुन्नील सुरेश को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद दलित नेता और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यह टिप्पणी की है। सरकार और विपक्ष के बीच मंगलवार को आम-सहमति नहीं बन सकी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार तथा भाजपा सांसद ओम बिरला का मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी के. सुरेश के साथ होगा।सुरेश आठवीं बार सांसद बने हैं और वह दलित समुदाय से आते हैं।चिराग पासवान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जब भी कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष को पता चलता है कि उनकी हार सुनिश्चित है तो वे दलित कार्ड चल देते हैं। पासवान ने कहा कि साल 2002 में उन्हें पता था कि वे उपराष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं फिर भी उन्होंने सुशील कुमार शिंदे को उम्मीदवार बनाया था।उन्होंने कहा कि इसी प्रकार 2017 में जब वे जानते थे कि वे राष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं तो उन्होंने मीरा कुमार को उम्मीदवार बनाया।उन्होंने कहा, अब जब उनके पास स्पष्ट रूप से लोक सभा अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए संख्याबल नहीं है तो वे कांग्रेस के दलित के नेता के.सुरेश जी को नामांकित कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया, विपक्ष के लिए क्या दलित नेता केवल और केवल प्रतीकात्मक उम्मीदवार हैं? लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के लिए मतदान बुधवार को होगा। संख्याबल के हिसाब से राजग उम्मीदवार बिरला का पलड़ा भारी है।बिरला और सुरेश ने मंगलवार को क्रमशः राजग और विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के उम्मीदवारों के रूप में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

जूट संकट गहराया, ऑर्डर घटने से दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे आया

कोलकाता। जूट उद्योग ग्राहकों से कम ऑर्डर मिलने के बाद संकट का सामना कर रहा है। गोल्डन फाइबर कहे जने वाले जूट के दाम 5,000 रुपए प्रति क्विंटल से नीचे आ गए हैं, जबकि 2024-25 सत्र के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5,335 रुपए प्रति क्विंटल है। कीमतों में यह बड़ी गिरावट जूट पर विशेषज्ञ समिति (ईसीजे) द्वारा उत्पादन में कमी के अनुमानों के बावजूद आई है, जिसका मुख्य कारण भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य खरीद एजेंसियों (एसपीए) द्वारा जीबीटी (गन्नी बर्लेप टेक्सटाइल) बैग के ऑर्डर में उल्लेखनीय कमी आना है। जूट बेलर्स एसोसिएशन के ओम प्रकाश सोनी ने मंगलवार को पीटीआई-भाषा से कहा, कच्चे जूट की कीमत में गिरावट आई है। नए कच्चे जूट मौसम (जून-जुलाई) के लिए कीमत आदर्श रूप से 5,800 रुपए होनी चाहिए थी, लेकिन यह घटकर 5,000 रुपए प्रति क्विंटल रह गई है। उन्होंने कहा कि उद्योग ऐसी स्थिति से जूझ रहा है, जो उसने दशकों में नहीं देखी है, मिलों के लिए ऑर्डर आधे हो गए हैं, जिससे केवल दो पालियों में और सप्ताह में केवल 4-5 दिन ही काम हो रहा है। 2023-24 में जूट के लिए एमएसपी 5,050 रुपए प्रति क्विंटल था। सोनी ने कहा, उद्योग में पहले का बचा (कैरीफॉरवर्ड) स्टॉक 30 लाख गांठ का होगा। इस मौसम में, किसानों को अपनी नई फसल के लिए संकट में बिक्री करनी होगी, जो एक महीने में आएगी। केंद्रीय जूट ट्रेड यूनियनों ने मिलों के लिए कम ऑर्डर की स्थिति को उजागर करने के लिए पश्चिम बंगाल के श्रम मंत्री और जूट आयुक्त से मिलने का समय भी मांगा है, जिससे राज्य में इस क्षेत्र से जुड़े 2.5-3 लाख मिल श्रमिकों के रोजगार पर असर पड़ेगा। उद्योग के दिग्गज और भारतीय जूट मिल्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष संजय कजारिया ने कहा कि एफसीआई और एसपीए ने जीबीटी बैग के लिए अपने ऑर्डर में भारी कमी की है।

ओवैसी ने लोकसभा में पश्चिम एशिया के एक क्षेत्र का उल्लेख किया, रिकॉर्ड से हटाई गई बात

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद एक युद्ध प्रभावित पश्चिम एशियाई क्षेत्र के पक्ष में नारे लगाए, जिसके बाद सत्ता पक्ष के सदस्यों ने हंगामा किया और सभापति ने इसे रिकॉर्ड से हटाने का निर्देश दिया। हैदराबाद से पांचवीं बार सदस्य निर्वाचित हुए ओवैसी ने उर्दू में शपथ ली। शपथ लेने से पहले उन्होंने दुआ पढ़ी। अपनी शपथ के बाद उन्होंने मुस्लिमों के लिए एआईएमआईएम का नारा बुलंद करने के अलावा अपने राज्य तेलंगाना, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के पक्ष में नारा लगाया। ओवैसी ने पश्चिम एशिया के उस क्षेत्र के पक्ष में नारा लगाया जो वर्तमान में युद्ध का सामना कर रहा है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा के केंद्रबिंदु में है। उनकी शपथ के बाद सत्ता पक्ष के कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताई, जिससे सदन में हंगामा शुरू हो गया। पीठ पर आसीन राधामोहन सिंह ने सदस्यों को आश्वासन दिया कि शपथ के अलावा कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा। कुछ मिनट तक हंगामा जारी रहा, जिसके बाद शपथ ग्रहण दोबारा शुरू हुआ। इसके बाद आसन पर लौटे प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने कहा कि केवल शपथ का मूल पाठ ही रिकॉर्ड में दर्ज किया जा रहा है। महताब ने कहा, मैंने पहले भी कहा है कि कृपया शपथ के मूलपाठ के अलावा किसी और चीज का जिक्र करने से बचें। इसका पालन किया जाना चाहिए। संसद से बाहर संवाददाताओं से बात करते हुए, ओवैसी ने कहा कि उन्होंने सदन के भीतर जय फलस्तीन कहा है। उनका कहना था, अन्य सदस्य भी अलग-अलग बातें कह रहे हैं... मैंने कहा जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फलस्तीन। यह कैसे गलत है? मुझे संविधान के प्रावधान बताएं? आपको दूसरों की बात भी सुननी चाहिए...पढ़िए कि महात्मा गांधी ने फलस्तीन के बारे में क्या कहा था।

भारत को सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण में निवेश करना चाहिए : वायुसेना प्रमुख

भाषा। नई दिल्ली

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने मंगलवार को कहा कि वर्तमान परिदृश्य सीमा विवादों और आतंकवाद से लेकर साइबर खतरों एवं क्षेत्रीय अस्थिरता तक बहुआयामी चुनौतियां पेश करता है तथा भारत को इस चुनौतीपूर्ण स्थिति से निकलने के लिए अपने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण में निवेश करना चाहिए। वायुसेना प्रमुख ने यहां एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आधुनिक युद्ध को त्वरित प्रौद्योगिकी उन्नयन, असमान्य खतरों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है और भू-राजनीति, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य को व्यापक रूप से समझने की जरूरत है। विश्व के कुछ क्षेत्रों में टकराव के बीच उभरती भू-राजनीति की पृष्ठभूमि में उनकी यह टिप्पणी आई है। संगोष्ठी का आयोजन भारतीय वायुसेना, कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर (सीएडब्ल्यू) और सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज (सीएपीएस) द्वारा सुब्रतो पार्क स्थित वायुसेना सभागार में तीसरे युद्ध एवं एयरोस्पेस रणनीति कार्यक्रम (डब्ल्यूएएसपी) के समापन के अवसर पर किया गया था। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि इस बहुआयामी परिदृश्य के लिए ऐसे सैन्य कर्मियों की आवश्यकता है जो न केवल युद्ध कौशल से लैस हों, बल्कि अपने कार्यों के व्यापक निहितार्थों की गहरी समझ भी रखते हों।

कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह सांसद के रूप में शपथ नहीं ले सका

चंडीगढ़। कट्टरपंथी उपदेशक और खडूर साहिब लोकसभा सीट से निर्वाचित अमृतपाल सिंह संसद सदस्य के रूप में शपथ नहीं ले सका क्योंकि वह राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत असम की जेल में बंद है।पंजाब से निर्वाचित 12 अन्य सांसदों को मंगलवार को संसद में शपथ दिलाई गई। पंजाब में 13 लोकसभा क्षेत्र हैं। संसद में कांग्रेस नेता गुरजीत सिंह औजला के शपथ लेने के बाद सिंह का नाम पुकारा गया, लेकिन वह उपस्थित नहीं थे। इसी तरह, बारामूला लोकसभा सीट से निर्वाचित इंजीनियर राशिद सोमवार को सांसद के रूप में शपथ नहीं ले सके क्योंकि वह गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज एक मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं।

जल की कमी भारत की साख के लिए हानिकारक, सामाजिक अशांति उत्पन्न कर सकती है: मूडीज

भाषा। नई दिल्ली

भारत में पानी की बढ़ती कमी कृषि तथा उद्योग क्षेत्र को प्रभावित कर सकती है जो देश की ऋण क्षमता के लिए हानिकारक है, क्योंकि खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि और आय में गिरावट से सामाजिक अशांति उत्पन्न हो सकती है। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा कि जल आपूर्ति में कमी से कृषि उत्पादन तथा औद्योगिक कार्य प्रभावित हो सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं.... यह उन क्षेत्रों की ऋण क्षमता के लिए हानिकारक हो सकता है, जो भारी मात्रा में जल का उपभोग करते हैं, जैसे कोयला बिजली उत्पादक और इस्पात निर्माता आदि। इसमें कहा गया कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि, साथ ही तीव्र औद्योगिकीकरण और शहरीकरण के कारण दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में पानी की उपलब्धता कम हो जाएगी। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव तेजी से बढ़ने के कारण जल संकट और भी बदतर हो रहा है, जिसके चलते सूखा, लू तथा बाढ़ जैसी जलवायु संबंधी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। मूडीज ने भारत के समक्ष पर्यावरणीय जोखिम पर एक रिपोर्ट में कहा कि भारत में पानी की कमी बढ़ती जा रही है, क्योंकि तेज आर्थिक वृद्धि तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के कारण लगातार बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के बीच पानी की खपत बढ़ रही है। यह ऋण क्षमता के लिए हानिकारक है, साथ ही उन क्षेत्रों के लिए भी हानिकारक है जो पानी का अत्यधिक उपभोग करते हैं, जैसे कोयला बिजली जनरेटर और इस्पात विनिर्माता। दीर्घावधि में जल प्रबंधन में निवेश संभावित जल की कमी से होने वाले जोखिम को कम कर सकता है। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में जल संकट एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। इस मुद्दे पर 21 जून को भूख हड़ताल शुरू करने वाली दिल्ली की जल मंत्री आतिशी को मंगलवार की सुबह तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्रधान न्यायाधीश ने नागरिकों, वकीलों से विशेष लोक अदालत में भाग लेने की अपील की

भाषा। नई दिल्ली

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने लंबित मुकदमों की भारी संख्या को रेखांकित करते हुए सभी पक्षकारों और वकीलों से मंगलवार को अपील की कि वे 29 जुलाई से तीन अगस्त तक आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत में भाग लें, ताकि लंबित मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान हो सके। विशेष लोक अदालत का आयोजन उच्चतम न्यायालय की स्थापना के 75वें वर्ष में किया जा रहा है, जो 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होने के साथ अस्तित्व में आया था। प्रधान न्यायाधीश ने एक वीडियो संदेश में कहा, 29 जुलाई से तीन अगस्त तक उच्चतम न्यायालय एक विशेष लोक अदालत का आयोजन कर रहा है। यह उन गतिविधियों की श्रृंखला का हिस्सा है, जो उच्चतम न्यायालय शीर्ष अदालत की स्थापना के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में मना रहा है। उन्होंने कहा कि न्याय संस्था के प्रति समर्पित सभी न्यायाधीश लंबित मामलों की बड़ी संख्या को लेकर चिंतित हैं। लोक अदालत हमारे नागरिकों से जुड़े मामलों को पूरी तरह से स्वैच्छिक सहमति के आधार पर उनकी संतुष्टि के लिए हल करने को लेकर एक बहुत ही अनौपचारिक और प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान का प्रतिनिधित्व करती है।

जम्मू-कश्मीर बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष वकील की हत्या के मामले में गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मियां कयूम को वर्ष 2020 में एक वकील बाबर कादरी की हत्या में उनकी कथित संलिप्तता के लिए मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान समर्थक अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी से करीबी संबंधों के लिए पहचाने जाने वाले कयूम को राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) द्वारा उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत एकत्र करने के बाद हिरासत में ले लिया गया। टेलीविजन बहसों में अक्सर दिखाई देने वले मानवाधिकार विशेषज्ञ कादरी को सितंबर 2020 में शहर के हवाल इलाके में उनके आवास पर गोली मार दी गई थी।

क्विक न्यूज

स्पेक्ट्रम नीलामी के पहले दिन करीब 11,000 करोड़ रुपए की बोलियां लगीं

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनियो ने स्पेक्ट्रम नीलामी के पहले दिन मंगलवार को पांच दौर में करीब 11,000 करोड़ रुपए मूल्य की बोलियां लगाईं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सरकार 96,238 करोड़ रुपए के आरक्षित मूल्य पर 10,500 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की नीलामी कर रही है। इसके लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से बोलियां आमंत्रित की गई है। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, दूरसंचार कंपनियो ने पहले दिन की स्पेक्ट्रम नीलामी में करीब 11,000 करोड़ रुपए की बोलियां लगाई है। नीलामी बुधवार को फिर शुरू होगी। दूरसंचार विभाग की तरफ से पहले दिन की नीलामी के बारे में जारी रिपोर्ट के मुताबिक, बोलियां मुख्य रूप से 900 और 1,800 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम के बैंड में लगाई गई है। इस नीलामी में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया शिरकत कर रही है। रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए सबसे अधिक 3,000 करोड़ रुपए की अग्रिम राशि जमा की है। इस आधार पर कंपनी अधिकतम रेडियो तरंगों के लिए बोली लगा सकती है। भारती एयरटेल ने 1,050 करोड़ रुपए और वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 300 करोड़ रुपए की बयाना राशि जमा की है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, स्पेक्ट्रम नीलामी सुबह 10 बजे शुरू हुई और धीरे-धीरे इसके कुल पांच दौर आयोजित हुए। स्पेक्ट्रम की बिक्री प्रक्रिया 2010 में ऑनलाइन शुरू होने के बाद से यह 10वीं नीलामी है। आखिरी बार अगस्त, 2022 में स्पेक्ट्रम नीलामी हुई थी, जिसमें पहली बार 5जी सेवाओं के लिए रेडियो तरंगों की पेशकश की गई थी। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए आठ मार्च को आवेदन आमंत्रण नोटिस (एनआईए) जारी किया गया था। संचार मंत्रालय ने इस नीलामी में 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज,1,800 मेगाहर्ट्ज, 2,100 मेगाहर्ट्ज, 2,300 मेगाहर्ट्ज, 2,500 मेगाहर्ट्ज, 3,300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बैंड के लिए बोली लगाने की बात कही है।

स्प्राइट एग्रो लिमिटेड का राइट्स इश्यू खुला

मुंबई। कृषि, कॉन्टैक्ट फार्मिंग,ग्रीनहाउस टेक्नोलॉजी सहित अन्य व्यवसायों में लगी अहमदाबाद स्थित स्प्राइट एग्रो लिमिटेड का 44.87 करोड़ रूपये का राइट्स इश्यू 24 जून सब्सक्रीप्शन के लिए खुल गया। इश्यू के माध्यम से जुटाई गई धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों सहित कंपनी की विस्तार योजनाएं के लिए किया जाएगा। कंपनी का राइट इश्यू 19 जून, 2024 को 45.69 रूपये प्रति शेयर के बंद भाव की तुलना में रुण् 13.4 प्रति शेयर की कीमत पर पेश किया गया था। राइट्स इश्यू 12 जुलाई को बंद हो जाएगा। कंपनी एक रूपये के अंकित मूल्य के 3,34,84,611 पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयर 13.4 रूपये प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर नकद में जारी करेगीए जिसका कुल मूल्य 44.87 करोड़ रूपये होगा। प्रस्तावित इश्यू के लिए राइट्स एंटाइटेलमेंट अनुपात 1:15 पर तय किया गया है रिकॉर्ड तिथि 7 जून, 2024 को इक्विटी शेयरधारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक 15 पूर्ण भुगतान वाले इक्विटी शेयरों के लिए एक रूपये के अंकित मूल्य का एक राइट्स इक्विटी शेयर।

थोरैसिक सर्जरी से जल्द मिलती है मरीज को राहत

लखनऊ । ग्लेनईगल्स बीजीएस अस्पताल के द्विपक्षीय फेफड़े के प्रत्यारोपण के बाद एक मरीज की सेहत में सुधार देखकर जल्दी डिस्चार्ज दिया गया । थोरैसिक सर्जरी मरीज के लिए एक अत्याधुनिक इलाज साबित हो रहा हैं। इंटरस्टिशियल लंग फाइब्रोसिस से पिडित बांसठ वर्षीय आनंद कुमार पिछले कुछ महिनों से ऑक्सिजन पर थे। उन्हें चलते और दैनिक गतिविधियां करते समय सांस लेने में तकलीफहोती हैं। छाती में संक्रमण के कारण एक महिने में उन्हें दो बार अस्पताल में भर्ती किया गया था। मरीज को फेफड़े प्रत्यारोपण की जरूरत थी। इसलिए वह कई महिनों से अंगदान के प्रतिक्षायादीवर थे। सौभाग्य से समय रहते एक ब्रेनडेड मरीज का फेफड़ा मिला। तुरंत उनकी फेफड़े की प्रत्यारोपण सर्जरी कराई गई। प्रत्यारोपण के बाद मरीज कुछ ही दिन में ठिक हो गया। मरीज की सेहत में सुधार देखकर डॉक्टरों ने उसे सर्जरी के 14 दिन बाद ही डिस्चार्ज दिया। ग्लेनईगल्स बीजीएस अस्पताल के हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांट प्रोग्राम डायरेक्टरए एचओडी डॉ अपार जिंदल ने मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहॉ कि मरीजों का तुरंत इलाज करने उन्हें नई जिंदगी देना हमारा मुख्य उद्देश हैं। ग्लेनईगल्स बीजीएस अस्पताल के निदेशकए एचओडी कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी सीटीवीएसद्ध और हार्ट लंग ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. बालासुब्रमणि गोविनी ने कहॉ कि मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज करके उन्हे जल्दी डिस्चार्ज देना हमारा मुख्य उद्देश हैं।

हाई बीपी के प्रति जागरूकता पैदा करना जरूरी

गाजियाबाद । भारत में हाई बीपी एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। देश में 220 मिलियन से अधिक लोग हाई बीपी से पीड़ित हैंए लेकिन डब्ल्यूएचओ के एक रिसर्च से पता चला है कि उनमें से केवल 15 प्रतिशत को ही इलाज मिल पाता है। उनमें से लगभग 5प्रतिशत डिजिटल बीपी मॉनिटर का उपयोग करते हैं। इससे पता चलता है कि अधिकतर लोग अपनी स्थिति से अनजान रहते हैं या उन्हें उचित इलाज नहीं मिलता है। जैसा कि ओमरॉन हेल्थकेयर इंडिया के एमडी तेत्सुया यामादा ने आगे कहा कि हाई बीपी अफिब के विकास के लिए प्रमुख कारणों में से एक है और अफिब स्ट्रोक और सीवीडी जोखिम में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता है। ओमरॉन हेल्थकेयर इंडिया ने एफडी,.स्वीकृत, सीई.चिह्नित और सीडीएससीओ.अनुमोदित व्यक्तिगत ईसीजी तकनीक में वैश्विक नेता की भारतीय सहायक कंपनी अलाइवकोर इंडिया के सहयोग से बीपी के साथ.साथ अफिब का पता लगाने के लिए एआई.आधारित हैंडहेल्ड ईसीजी मापने वाले उपकरण लॉन्च किए हैं। उपकरण उपयोग में आसान और सटीक हैं। इनके साथए मरीज़ अपने चिकित्सकों को वास्तविक समय डेटा प्रदान कर सकते हैंए जिससे उन्हें हृदय स्थितियों का शीघ्र पता लगाने और प्रबंधन की महत्वपूर्ण आवश्यकता को संबोधित करके अधिक सूचित निर्णय लेने में मदद मिलती है।

सेंट्रल एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट सिक्योरिटी इंडस्ट्री वेतन असमानता दूर करने की मांग की

नई दिल्ली। केंद्रीय निजी सुरक्षा उद्योग संघ-कैप्सि ने वेतन अधिनियम संहिता के प्रावधानों में एक गंभीर विसंगति के बारे में चिंता जताई है। इस विसंगति ने प्रमुख नियोक्ताओं और ठेकेदारों के बीच भुगतान प्रक्रिया में असंतुलन पैदा कर दिया हैए जिससे देश भर में सेवा प्रदाताओं के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। कैप्सि ने प्राईम मिनिस्टर और लेबर मिनिस्टर को एक प्रतिनिधित्व दिया है, जिसमें उनसे तत्काल ध्यान देने का आग्रह किया गया है। यह मुद्दा सेवा प्रदाताओं, विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों एसएमईएस पर एक महत्वपूर्ण वित्तीय बोझ डालता हैए और इसमें तुरंत हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। यदि इसका समाधान नहीं किया जाता हैए तो भुगतान प्रावधानों में संशोधन नहीं किए जाने पर हजारों प्राइवेट सिक्योरिटी इंडस्ट्री को बंद करना पड़ेगा। मजदूरी अधिनियम संहिता के मौजूदा प्रावधानों के तहत प्रमुख नियोक्ताओं को प्रत्येक महीने की 7 तारीख तक ठेकेदारों द्वारा जारी किए गए चालान का निपटान करना आवश्यक है। इस बीचए ठेकेदारों को प्रत्येक महीने की 10 तारीख तक अपने कर्मचारियों को वेतन का भुगतान करना होगा या दंड का सामना करना होगा। दुर्भाग्य से यदि मुख्य नियोक्ता निर्धारित समय-सीमा तक ठेकेदारों को भुगतान करने में विफल रहते हैंए तो उनके लिए कोई दंड नहीं है, जिससे असंतुलन पैदा होता हैए जिसका प्रतिकूल प्रभाव सेवा प्रदाताओं पर पड़ता है।

आईसीसी का रूसी अधिकारियों के खिलाफ वारंट जारी

यूक्रेन में नागरिक ठिकानों पर हमलों को लेकर की कार्यवाही

भाषा। हेग (नीदरलैंड)

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने यूक्रेन में नागरिकों की मौजूदगी वाले स्थानों पर हमला करने के लिए रूस के पूर्व रक्षा मंत्री एवं उसकी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ के खिलाफ मंगलवार को गिरफ्तारी वारंट जारी किए। रूस के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने तीसरी बार वारंट जारी किया है। न्यायालय ने पूर्व रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु और चीफ ऑफ स्टाफ जनरल वालेरी गेरासीमोव पर युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप लगाए हैं। गिरफ्तारी वारंट के लिए अभियोजन के अनुरोध को स्वीकार करने वाले न्यायाधीशों ने कहा कि संदिग्धों को अमानवीय कृत्य के लिए आरोपित किया गया है क्योंकि ऐसा साक्ष्य है कि उन्होंने इरादतन यूक्रेन के नागरिकों का शारीरिक या मानसिक उत्पीड़न किया। न्यायालय ने एक बयान में कहा कि वारंट इस आधार पर जारी किए गए क्योंकि न्यायाधीशों का विचार है कि यह मानने के लिए तार्किक आधार हैं कि ए लोग 10 अक्टूबर 2022 से नौ मार्च 2023 तक यूक्रेन में बिजली उत्पादन एवं विद्युत आपूर्ति के बुनियादी ढांचे पर रूसी सशस्त्र बलों के मिसाइल हमलों के लिए जिम्मेदार हैं। न्यायालय ने कहा, इस अवधि के दौरान, यूक्रेन में कई स्थानों पर कई विद्युत संयंत्रों और सब-स्टेशन पर रूसी सशस्त्र बलों ने हमले किए थे।

दागिस्तान में हमला में मरने वाले लोगों की संख्या 21 हुई

मॉस्को। रूस के दक्षिणी क्षेत्र दागिस्तान में इस्लामी आतंकवादियों के हमले में घायल एक पुलिस अधिकारी की मौत हो जाने के बाद, कुल मृतक संख्या बढ़कर 21 हो गई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रविवार को हुए हमले में, आतंकवादियों ने एक गिरजाघर और यहूदी उपासना गृह को निशाना बनाया तथा देरबेंत और उत्तर कॉकेसस के मुस्लिम बहुल क्षेत्र मखाचकला शहरों में पुलिस पर गोलीबारी की। यह हमला, रूस में मार्च के बाद हुआ सबसे घातक हमला है। मार्च में, मॉस्को के उपनगर में बंदूकधारियों की गोलीबारी में 145 लोग मारे गए थे। मार्च में हुए हमले की जिम्मेदारी लेने वाले अफगानिस्तान के इस्लामिक स्टेट संगठन से संबद्ध समूह ने दागिस्तान हमले की सराहना की और कहा कि इसे कॉकेसस में भाइयों ने अंजाम दिया जो प्रदर्शित कर रहे है कि वे मजबूत है। रूस की शीर्ष राजकीय आपराधिक जांच एजेंसी, इन्वेस्टिगेटिव कमेटी ने कहा कि सभी पांच हमलावर मार गिराए गए। देरबेंत क्षेत्र के प्रमुख मावसुम रेगीमोव ने मंगलवार को कहा कि चोट के चलते एक पुलिस सार्जेंट की अस्पताल में मौत हो गई, जिससे मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 21 हो गई। मृतकों में 16 पुलिस कर्मी शामिल है। दागिस्तान में चिकित्सा अधिकारियों ने सोमवार को कहा था कि कम से कम 46 लोग घायल है जिनमें से 13 पुलिसकर्मी है। मृतकों में 66 वर्षीय एक रूसी आर्थोडोक्स पादरी भी शामिल हैं।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मेरी भारत यात्रा अहम भूमिका निभाएगी : हसीना

भाषा। ढाका

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी हालिया भारत यात्रा को मंगलवार को बहुत सार्थक बताया और कहा कि भारत के शीर्ष नेतृत्व के साथ उनकी वार्ता के नतीजे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और सहयोग के नए आयाम खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के न्योते पर हसीना ने पिछले हफ्ते भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा की। भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के बाद किसी विदेशी शासनाध्यक्ष की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा थी। हसीना (76) ने यहां अपने आवास पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ढाका तीस्ता नदी परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर सर्वाधिक लाभकारी प्रस्ताव स्वीकार करेगा। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, उन्होंने कहा कि इस यात्रा ने दोनों देशों के लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए नए आयाम खोले हैं। खबर में उन्हें उद्धृत करते हुए कहा गया है, यात्रा छोटी लेकिन बहुत सार्थक थी। मुझे लगता है कि यह यात्रा भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा शानदार संबंधों को मजबूत करने में एक बहुत अहम भूमिका निभाएगी। हसीना की यात्रा के दौरान दोनों देशों ने समुद्री क्षेत्र और समुद्री अर्थव्यवस्था सहित कई क्षेत्रों में संबंध प्रगाढ़ करने के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स को अवश्य ही सेना में शामिल किया जाना चाहिए : सुप्रीम कोर्ट

भाषा। यरुशलम

इजराइल के उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को सर्वसम्मति से फैसला सुनाया कि सेना को अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स से जुड़े लोगों को सैन्य सेवा में भर्ती करना शुरू कर देना चाहिए। यह फैसला ऐसे समय में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के पतन का कारण बन सकता है जब इजराइल, गाजा में युद्ध में उलझा हुआ है। अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स यहूदियों का एक समूह है, जिसे सेना में शामिल होने से छूट प्राप्त है।न्यायालय ने फैसला सुनाया कि यहूदी विद्यार्थियों और अन्य भर्ती किए गए लोगों के बीच अंतर करने वाले कानून के अभाव में इजराइल की अनिवार्य सैन्य सेवा प्रणाली अन्य नागरिकों की तरह अल्ट्रा-ऑर्थोडॉक्स से जुड़े लोगों पर भी लागू होती है।

पाकिस्तान के कराची में लू के कारण कम से कम 20 लोगों की मौत

कराची। भीषण गर्मी से त्रस्त पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची में पिछले 48 घंटे की अवधि में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य तापघात से जूझ रहे है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।राहत सेवा के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को कराची और अन्य स्थानों की सड़कों पर 10 और शव बरामद किए गए। इससे एक दिन पहले सोमवार को भी 10 शवों का पोस्टमार्टम कराया गया था। अधिकारियों ने बताया कि संभवतः सभी की मौत भीषण गर्मी के कारण हुई है क्योंकि तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच गया है।

जॉन क्रैसिंस्की की कहानी ने लोगों को खींचा

एशियाड। ए क्वॉइट प्लेस् के अब तक के दो पार्ट ने पूरी दुनिया के दर्शकों का ध्यान अपनी तरफखींचा है। इस फिल्म में दिखाए गए डर, घबराहट और सस्पेंस ने लोगों को इसकी कहानी से पूरी तरह बांधकर रखा। जॉन क्रैसिंस्की के दिमाग में आइडिया का ऐसा बीज पनपा.जो उनके और हम सबके लिए अकल्पनीय साबित हुआ। ए क्वॉइट प्लेसष् की दो सफल फिल्मों का निर्देशन करने के बाद जॉन क्रैसिंस्की ए क्वॉइट प्लेसरूडे वनष् के नाम से इसके प्रीक्वल का निर्देशन करने मैदान में उतरे हैं। आइए जानते हैं इस बारे में उनका क्या कहना है। क्रैसिंस्की का कहना है कि ए क्वॉइट प्लेस डे वन् बनाने की सबसे रोचक बात है कि वे एक बिलकुल ही नई दुनिया बना रहे हैं जिसे कभी किसी ने नहीं देखा होगा। अब वे रोचकता को एक नए चश्मे से देखने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना हैए श्इसमें उस समय को दिखाया गया है जब बाकी दुनिया के लोग इस परेशानी का सामना करते हैं। दोनों ही फिल्मों में दर्शकों के सामने कुछ रोचक सवाल भी रखे गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र समर्थित विदेशी सुरक्षाकर्मियों की टुकड़ी हैती पहुंची

पोर्ट ऑ प्रिंस (हैती)। संयुक्त राष्ट्र समर्थित विदेशी सुरक्षाकर्मियो की पहली टुकड़ी मंगलवार को हैती पहुंची। अशांत कैरेबियाई देश ने गिरोह हिसा मे वृद्धि को रोकने के लिए दो साल पहले तत्काल मदद का अनुरोध किया था। केन्या से सैकड़ों सुरक्षाकर्मी राजधानी पोर्ट ऑ प्रिंस पहुंचे, जहां मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा आपराधिक गिरोहों की हिसा के कारण लगभग तीन महीने तक बंद रहने के बाद मई के अंत मे पुनः खोला गया था। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि केन्या के सुरक्षाकर्मियो को सबसे पहले क्या जिम्मेदारी सौपी जाएगी, लेकिन उन्हे हिसक गिरोहो का सामना करना पड़ेगा। इन गिरोहो का हैती की राजधानी के 80 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण है। हिसा की घटनाओ के चलते देश भर मे 5,80,000 से ज्यादा लोग विस्थापित हुए है।

हजारों प्रदर्शनकारी केन्या की संसद में घुसे

इमारत के एक हिस्से में आग लगी

भाषा। नैरोबी (केन्या)

केन्या में करों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हजारों प्रदर्शनकारी संसद में घुस गए हैं और इमारत के एक हिस्से में आग लग गई है।सांसदों को वहां से निकाला जा रहा है। पुलिस ने इससे पहले मंगलवार को राजधानी नैरोबी में प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं। प्रदर्शन में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया और उनकी मांग थी कि सांसद एक विवादास्पद वित्त विधेयक में प्रस्तावित नए करों के खिलाफ मतदान करें।पिछले सप्ताह विरोध प्रदर्शनों में दो लोगों की मौत हो गई थी, लेकिन मंगलवार को किसी के हताहत होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं है। केन्या के लोगों द्वारा दान की गई सामग्री के साथ चिकित्सकों ने विभिन्न शहरों में अस्थाई आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र स्थापित किए। विरोध प्रदर्शन का यह दौर तब शुरू हुआ जब सांसदों ने नए करों की पेशकश करने वाले वित्त विधेयक पर मतदान किया। इन नए करों में इको-लेवी भी शामिल है जो सैनिटरी पैड और डायपर जैसी वस्तुओं की कीमत बढ़ाएगी। लोगों के आक्रोश के बाद ब्रेड पर कर लगाने का प्रस्ताव हटा दिया गया लेकिन प्रदर्शनकारी अब भी संसद से इस विधेयक को पारित नहीं करने का आह्वान कर रहे हैं।केन्या मानवाधिकार आयोग ने मंगलवार को अधिकारियों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का एक वीडियो साझा किया और कहा कि उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा।आयोग ने एक्स पर राष्ट्रपति विलियम रुटो को संबोधित करते हुए लिखा, दुनिया आपको अत्याचार की ओर बढ़ते हुए देख रही हैउ आपकी सरकार के कार्य लोकतंत्र पर हमला हैं। गोलीबारी में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से शामिल सभी लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

भारत और अमेरिका के बीच संबंध बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं : अमेरिकी राजदूत गार्सेटी

भाषा। ओक्सन हिल (अमेरिका)

भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच रिश्ते पहले कभी इतने अच्छे नहीं रहे जितने आज हैं और दोनों रणनीतिक साझेदारों के बीच संबंध बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। गार्सेटी ने सोमवार को सेलेक्ट यूएसए इन्वेस्टमेंट समिट के इतर एक कार्यक्रम में ए टिप्पणियां कीं जिसमें सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल भारत से है। गार्सेटी ने वाशिंगटन में हुई एक बैठक में कहा, यह (भारत-अमेरिका) ऐसा रिश्ता है जो बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध पहले कभी इतने अच्छे नहीं रहे। उन्होंने कहा, हमारा कभी भारत के साथ इतना करीबी रिश्ता नहीं रहा। भारतीय मूल के अमेरिकियों की संख्या अब हमारी आबादी का करीब 1.5 प्रतिशत है और वे अमेरिका में छह फीसदी कर का भुगतान करते हैं। यह अमेरिका में सबसे सफल प्रवासी समुदाय है। इस कार्यक्रम में भारत के जेएसडब्ल्यू स्टील ने टेक्सास के बेटाउन में 14 करोड़ डॉलर निवेश करने की अपनी योजना की घोषणा की।

ब्रिटेनः सुनक ने सट्टा लगाने के आरोप में फंसे दो उम्मीदवारों से पार्टी का समर्थन वापस लिया

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने आम चुनाव की तारीख को लेकर सट्टा लगाने के आरोपों का सामना कर रहे कंजर्वेटिव पार्टी के अपने दो सहयोगियों से पार्टी का समर्थन वापस लेने का मंगलवार को फैसला किया।यह कदम चार जुलाई को होने वाले चुनाव से पहले उठाया गया है। इससे पहले यह विवाद कई दिनों तक प्रचार अभियान की सुर्खियों में छाया रहा और विपक्ष आरोपियों के निलंबन की मांग कर रहा था। कंजर्वेटिव पार्टी प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि पार्टी उम्मीदवार क्रेग विलियम्स और लॉरा सॉन्डर्स को अब क्रमशः वेल्स में मोंटगोमेरीशायर एंड ग्लाइंडर तथा इंग्लैंड में ब्रिस्टल नॉर्थ वेस्ट से सांसद के रूप में चुनाव लड़ने के लिए पार्टी का समर्थन नही होगा।कंजर्वेटिव पार्टी के प्रवक्ता ने कहा, "आंतरिक जांच के परिणामस्वरूप, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे है कि हम आगामी आम चुनाव में संसदीय उम्मीदवार के रूप में क्रेग विलियम्स या लॉरा सॉन्डर्स का समर्थन नही कर सकते।

भारतीय कथा साहित्य को प्रोत्साहित करने के लिए 25 हजार डॉलर का नया आईजीएफ आर्चर-अमीश पुरस्कार

लंदन। जाने-माने लेखक लॉर्ड जैफ्री आर्चर और अमीश त्रिपाठी ने समकालीन भारतीय कथा साहित्य में प्रतिभाओं और भारतीय कथा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली कहानी कला को प्रोत्साहित करने के लिए 25,000 डॉलर के एक नए साहित्यिक पुरस्कार का आगाज किया है। आईजीएफ आर्चर-अमीश अवॉर्ड फॉर लिटरेचर की घोषणा सोमवार को की गई। दोनों लेखक इस घोषणा के लिए ब्रिटेन स्थित इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) के उद्घाटन पर एक साथ आए। पुरस्कार के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया इस साल शुरू होगी और 2025 में अगले आईजीएफ लंदन सम्मेलन में पुरस्कार के विजेता की घोषणा की जाएगी। केन एंड एबेल और द क्लिफ्टन क्रॉनिकल्स जैसी सबसे अधिक बिकने वाली किताबो के जाने-माने ब्रिटिश लेखक लॉर्ड आर्चर ने कहा, पुरस्कार काफी महत्वपूर्ण होते है क्योंकि वे लेखक की रचनाधर्मिता को एक पहचान देते है और साथ ही यह भरोसा दिलाते है कि लेखन कर्म को अपने दिन रात समर्पित करने वाला लेखक अकेला नही है।

एक दर्जन देशों में भारत की संस्कृति और सभ्यता को प्रमोट करने का चलेगा अभियान

लंदन। दुनियाभर में रहने वाले भारत के लोगों के बीच भारतीय संस्कृति और सभ्यता को प्रमोट करने के साथ.साथ सेवा क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका को लेकर समिट इंडिया ट्रस्ट एक अभियान की शुरुआत करने जा रहा है। रविवार को इस बाबत दिल्ली में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और वर्तमान में समिट इंडिया के अध्यक्ष श्याम जाजू की अध्यक्षता में अथर्व भारत 2024 के कार्यक्रम में दो महत्वपूर्ण घोषणा की गईं,जिसमे केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं कारपोरेट राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा सहित कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति हुए। इस दौरान यह तय किया गया कि विश्व भर में 100 से अधिक मंदिर निर्माण का प्रकल्प राम जन्मभूमि न्यास के कार्यकारी अध्यक्ष डॉक्टर रामविलास वेदांती के नेतृत्व में किया जाएगा और साथ ही नमस्ते समिट इंडिया के तहत लगभग एक दर्जन देशों में इस अभियान की शुरुआत होगी। जिसके तहत शिक्षा स्वास्थ्य और सेवा से जुड़े हुए संस्थाओं को लेकर नमस्ते समिट इंडिया के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

ग्लोबल सेलिंग प्रोग्राम से जोड़ेगे

ग्लोबल। अमेज़न के एक्सपोर्ट हाट 2024 में 300 से अधिक महत्वाकांक्षी छोटे और मध्यम आकार के विक्रताओं ने हिस्सा लिया। वो यहाँ यह जानने आए थे कि उनके उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों तक कैसे पहुँचाया जा सकता है। भारत से 8 बिलियन डॉलर से ज्यादा संचयी ईकॉमर्स निर्यात संभव बनाने वाले कंपनी के ग्लोबल सेलिंग प्रोग्राम के अंतर्गत आयोजित यह एक दिवसीय एक्सक्लूसिव कार्यक्रम व्यवसायों और विक्रेताओं को विश्व में अपना विस्तार करने की शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है। इस शहर में ईकॉमर्स द्वारा निर्यात के लिए इस तरह का केंद्रित कार्यक्रम पहली बार आयोजित किया गया है। 2015 में शुरुआत के बाद अमेज़न ग्लोबल सेलिंग पर 125,000 से ज़्यादा निर्यातक अपना पंजीकरण करा चुके हैं। यह कार्यक्र म भारतीय व्यवसायों को 200 से ज़्यादा देशों और क्षेत्रों से जोड़ता है और हर आकार के व्यवसाय को विश्व में अपनी एक मजबूत पहचान स्थापित करने का अवसर प्रदान करके वैश्विक वाणिज्य को सभी तक पहुँचाता है। भारत की मज़बूत अर्थव्यवस्थाए जो 2023-24,1, में 6 से 6. 8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान हैए के साथ यह पहल भारत सरकार के निर्यात लक्ष्यों के अनुरूप है, जिसमें 2030 तक 200-300 बिलियन, का ई.कॉमर्स निर्यात और 2 ट्रिलियन, का कुल निर्यात शामिल है। डिजी सॉल्यूशन की संस्थापक माधवी जैन ने कहा कि १अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों तक पहुंचने के इच्छुक व्यवसायों को अमेज़न के माध्यम से निर्यात करने के महत्वपूर्ण लाभ हैं।

ग्लोबल सर्वे से खुलासा, कंडोम का उपयोग बढ़ा

केप्लेस । ड्यूरेक्स के ताजा ग्लोबल सेक्स सर्वे के अनुसारभारत में अपने पहले यौन अनुभव के दौरान कंडोम का उपयोग करने वाले लोगों का प्रतिशत 2006 में 37 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 59 प्रतिशत हो गया है। ड्यूरेक्स हर साल दुनिया भर में सेक्स के 2 बिलियन मौकों पर मौजूद रहा है इसी के साथ ही पिछले दो दशकों में दुनिया भर में 118,000 से ज़्यादा लोगों ने इसके ग्लोबल सेक्स सर्वे में हिस्सा लिया है। सर्वे के नवीनतम 2024 एडिशन दुनिया भर के 36 देशों में आयोजित किया गया था।ड्यूरेक्स अपनी शुरुआत की 95वीं सालगिरह मना रहा है। इस मौके पर हुए दुनिया के इस सबसे व्यापक सेक्सुअल हेल्थ एवं वैलनैस सर्वे के चौथे एडिशन में पता चला किए कंडोम अभी भी दुनिया का सबसे लोकप्रिय गर्भनिरोधक उपाय बना हुआ है। विशेष रूप से पहली बार सेक्स करने वालों के बीच यह सबसे अधिक लोकप्रिय है। ड्यूरेक्स.ओनर में इंटिमेट वेलनेस ग्लोबल कैटेगरी के डायरेक्टर बेन विल्सन ने कहा यह देखना उत्साहजनक है कि इस साल के सर्वे में भाग लेने वाले कई देशों में इतने सारे लोग संतोषजनकए संतुष्टिदायक यौन जीवन का आनंद ले रहे हैं।

भारतीय मिस्त्री ने दुबई में 2.25 करोड़ का जैक्पॉट जीता

दुबई। भारत के 46 वर्षीय इलेक्ट्रीशियन ने सालो तक पैसो की बचत करने और समझदारी से निवेश करने के बाद दुबई मे तकरीबन 2.25 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार जीता है। खलीज टाइम्स मे मंगलवार को प्रकाशित एक खबर के अनुसार, आंध्र प्रदेश के नागेंद्रम बोरुगद्दा 2019 से नेशनल बॉन्ड मे 100 दिरहम का निवेश कर रहे है। 2017 से संयुक्त अरब अमीरात मे रह रहे बोरुगद्दा की 18 वर्षीय एक बेटी और 16 वर्षीय एक बेटा है। अखबार ने बोरुगद्दा के हवाले से कहा, मै अपने परिवार को बेहतर जिंदगी देने और अपने बच्चो को अच्छी शिक्षा मुहैया कराने के लिए संयुक्त अरब अमीरात आया था। यह जीत किसी सपने की तरह लगती है।

पाकिस्तान : पंजाब सूबे की सरकार करतारपुर साहिब में महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा स्थापित करेगी

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब सूबे की सरकार ने मंगलवार को बताया कि वह सिख साम्राज्य के पहले शासक महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा को बुधवार को करतारपुर साहिब मे स्थापित करेगी ताकि भारत से आने वाले श्रद्धालु भी उसे देख सकें। इस प्रतिमा को कट्टरपंथियों ने दो बार क्षतिग्रस्त कर दिया था जिसे अब एक बार फिर मरम्मत कर यहां स्थापित किया जाएगा। करतारपुर साहिब को गुरुद्वारा दरबार साहिब के नाम से भी जाना जाता है जो लाहौर से करीब 150 किलोमीटर पूर्वोत्तर मे भारत की सीमा के नजदीक है। महाराजा रणजीत सिंह की नौ फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा को सबसे पहले लाहौर के किले मे उनकी समाधि के नजदीक 2019 मे स्थापित किया गया था।

चीन का अंतरिक्ष यान चंद्रमा के सुदूर हिस्से से चट्टान और मिट्टी के नमूने लेकर पृथ्वी पर लौटा

बीजिंग। चीन का चांग ए 6 अंतरिक्ष यान पहली बार चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र से चट्टान और मिट्टी के नमूने एकत्रित करने का ऐतिहासिक मिशन पूरा करने के बाद मंगलवार को पृथ्वी पर लौट आया। यह चीन के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक प्रमुख उपलब्धि है।चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने घोषणा की कि यह अंतरिक्ष यान मंगलवार की दोपहर को उत्तरी चीन के इनर मंगोलियाई स्वायत्त क्षेत्र में बीजिंग के समयानुसार दोपहर दो बजकर सात मिनट पर उतरा और यह मिशन पूरी तरह सफल रहा। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने चांग ए 6 मिशन की सफलता पर बधाई दी। चीन का यह अभियान चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र तक पहुंचने और वहां से नमूने एकत्रित करने वाला पहला अभियान है। इससे पहले भारत अगस्त 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के समीप उतरने वाला पहला देश बन गया था। उसका चंद्रयान-3 का लैंडर सफलतापूर्वक वहां उतरा था। पृथ्वी के इकलौते उपग्रह चंद्रमा का यह वह हिस्सा है जिसके बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं है। चीन चंद्रमा के सुदूर हिस्से में उतरने वाला इकलौता देश है। इससे पहले उसने 2019 में ऐसा किया था। चंद्रमा का निकटतम भाग चंद्र गोलार्ध है जो हमेशा सुदूर भाग के विपरीत यानी पृथ्वी की ओर होता है।

यूक्रेन, मोल्दोवा यूरोपीय संघ की सदस्यता के लिए वार्ता शुरू करेंगे

भाषा। ब्रसेल्स

यूक्रेन यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ समूह की सदस्यता के लिए आधिकारिक तौर पर वार्ता शुरू करने जा रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे अपने देश के नागरिकों के लिए सपना सच होने जैसा बताया है। रूस के साथ यूक्रेन के युद्ध के दो साल से अधिक समय बाद यह वार्ता शुरू होने जा रही है। यूक्रेन की यूरोपीय मामलों की उप प्रधानमंत्री ओल्गा स्टेफनिशिना लक्जमबर्ग में एक अंतर-सरकारी सम्मेलन में अपने देश के

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। इसके साथ यूक्रेन के कानूनों और मानकों को 27 देशों के समूह के अनुरूप बनाने के लिए वार्ता की आधिकारिक शुरुआत होगी। मोल्दोवा भी ईयू में आधिकारिक तौर पर शामिल होने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए एक अलग अंतर-सरकारी सम्मेलन में भाग लेगा। मोल्दोवा ने फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद ईयू में शामिल होने के लिए आवेदन किया था और चार महीने बाद उसके आवेदन को विचार के लिए स्वीकार लिया गया था। यूक्रेन ने भी रूस के आक्रमण के बाद ईयू में शामिल किए जाने का अनुरोध किया था। हालांकि, इसमें अब तक प्रगति धीमी रही है। तुर्किए को भी समूह में शामिल किए जाने पर करीब दो दशक तक बातचीत चली, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में भारी संख्या में मतदान की अपील की

भाषा। दुबई

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने शुक्रवार को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में दुश्मन पर काबू पाने के लिए मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की है। उन्होंने साथ ही उन नेताओं की निंदा की जिनका मानना है कि हर अच्छी चीज अमेरिका से आती है। खामेनेई ने किसी विशेष उम्मीदवार का नाम लिए

बिना यह टिप्पणी की लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि यह बयान राष्ट्रपति पद के चुनाव में एकमात्र सुधारवादी उम्मीदवार एवं हृदय शल्य चिकित्सक मसूद पेजेशकियन (69) को निशाना बनाकर दिया गया। पेजेशकियन ने अपने हालिया भाषणों में ईरान से 2015 में हुए परमाणु समझौते पर लौटने और पश्चिम तक अपनी पहुंच बढ़ाने का आह्वान किया था।खामेनेई ने कहा, जो व्यक्ति क्रांति या इस्लामी व्यवस्था का जरा सा भी विरोध करता है, वह आपके लिए उपयोगी नहीं है। वह आपका अच्छा सहयोगी साबित नहीं होगा।

दक्षिण कोरिया में फैक्टरी में आग के बाद फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल की जांच की

सियोल। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के समीप एक फैक्टरी में आग लगने के बाद मंगलवार को फॉरेंसिक और अन्य विशेषज्ञों ने जले हुए अवशेषों की जांच की। इस हादसे में 23 लोगों की मौत हो गई जिनमें से ज्यादातर चीनी प्रवासी श्रमिक हैं।सियोल के दक्षिणी क्षेत्र ह्वासियोंग शहर में जब सोमवार को सुबह आग लगी, उस समय फैक्टरी में 100 से अधिक लोग काम कर रहे थे। दमकल अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा कैमरों से मिले फुटेज में नजर आ रहा है कि जिस जगह पर लिथियम बैटरियों को रखा गया था वहां आग लगने के तुरंत बाद दूसरी मंजिल पर धुआं फैल गया। सोमवार को एक व्यक्ति को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया था जबकि दमकल कर्मियों ने फैक्टरी से एक के बाद एक 21 शव बरामद किए। मंगलवार को एक और शव बरामद किया गया। इनमें से 18 चीनी नागरिक थे, दो दक्षिण कोरियाई नागरिक थे और एक लाओस का नागरिक था। दो अन्य मृतकों की नागरिकता का पता लगाया जा रहा है।चीन के राजदूत जिंग हैमिंग ने सोमवार रात को फैक्टरी का दौरा किया और श्रमिकों की मौत पर शोक व्यक्त किया।

32 लाख वर्ष पुराने लुसी जीवाश्म से नग्नता और शर्म के बारे में क्या पता चलता है

भाषा। सैन फ्रांसिस्को

पचास साल पहले, वैज्ञानिकों ने जीनस आस्ट्रेलोपिथेकस एफरेन्सिस की 32 लाख साल पुरानी मादा नमूने की लगभग पूरी जीवाश्म खोपड़ी और हड्डियों के सैकड़ों टुकड़ों की खोज की थी, जिसे अक्सर हम सब की माँ के रूप में वर्णित किया जाता है। उनकी खोज के बाद एक उत्सव के दौरान, बीटल्स के गीत "लुसी इन द स्काई विद डायमंड्सै के बाद उनका नाम "लुसी" रखा गया। हालाँकि लुसी ने कुछ विकासवादी पहेलियों को सुलझा लिया है, लेकिन उसकी उपस्थिति एक पुश्तैनी रहस्य बनी हुई है।लोकप्रिय प्रस्तुतियों में उसे मोटे, लाल-भूरे रंग के फर पहनाए जाते हैं, जिसमें उसका चेहरा, हाथ, पैर और स्तन घनी झाड़ियों से बाहर दिखते हैं।यह पता चला है कि लुसी की यह

बालों वाली तस्वीर गलत हो सकती है।आनुवंशिक विश्लेषण में तकनीकी प्रगति से पता चलता है कि लुसी नग्न रही होगी, या कम से कम बहुत कम ढकी होगी।मनुष्यों और उनकी जूँओं की सहविकासवादी कहानी के अनुसार, हमारे तत्काल पूर्वजों ने 30 से 40 लाख वर्ष पहले अपने शरीर के अधिकांश बाल खो दिए थे और 83,000 से 170,000 वर्ष पहले तक उन्होंने कपड़े नहीं पहने थे।इसका मतलब है कि 25 लाख से अधिक वर्षों तक, प्रारंभिक मानव और उनके पूर्वज बिल्कुल नग्न थे।एक दार्शनिक के रूप में, मुझे इस बात में दिलचस्पी है कि आधुनिक संस्कृति अतीत के प्रतिनिधित्व को कैसे प्रभावित करती है। और जिस तरह से लुसी को समाचार पत्रों, पाठ्यपुस्तकों और संग्रहालयों में चित्रित किया गया है, वह उसके बारे में जितना कहा गया है उससे कहीं अधिक हमारे बारे में बता सकता है। नग्नता से लेकर शर्मिंदगी तक-प्रारंभिक मनुष्यों में शरीर के बालों का झड़ना संभवतः कारकों के संयोजन से प्रभावित था, जिसमें थर्मोरेग्यूलेशन, विलंबित शारीरिक विकास, यौन साझेदारों को आकर्षित करना और परजीवियों को दूर करना शामिल था। पर्यावरणीय, सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों ने अंततः कपड़ों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया होगा।शोध के दोनों क्षेत्र - कब और क्यों होमिनिन अपने शरीर के बाल हटाते हैं और कब और क्यों वे अंततः कपड़े पहनते हैं - मस्तिष्क के विशाल आकार पर जोर देते हैं, जिसे पोषित करने में कई साल लगते हैं और शरीर के अन्य हिस्सों के सापेक्ष इसे बनाए रखने के लिए अनुपातहीन मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। ।नव शिशुओं को चूंकि अपने दम पर जीवित रहने से पहले लंबे समय तक देखभाल की आवश्यकता होती है, विकासवादी अंतःविषय शोधकर्ताओं ने सिद्धांत दिया है कि प्रारंभिक मनुष्यों ने जोड़ी बंधन की रणनीति अपनाई - एक पुरुष और एक महिला एक दूसरे के लिए मजबूत संबंध बनाने के बाद साझेदारी करते हैं। एक साथ काम करके, दोनों माता-पिता की वर्षों की देखभाल को अधिक आसानी से प्रबंधित कर सकते हैं।हालाँकि, जोड़ी का बंधन जोखिम के साथ आता है।

रोबोटिक से 98 प्रतिशत रोगियों को लाभ

चिकित्सा क्षेत्र में रोबोटिक तकनीक ने कई बड़े क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। रोबोटिक कार्डियक सर्जरी से मरीजों की सबसे तेज और बेहतर रिकवरी हो रही है। स्थिति यह है कि पारंपरिक तरीकों से अलग इस प्रक्रिया के जरिए अब तक 98 फीसदी रोगियों में सफलता हासिल हुई है। यह जानकारी नई दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के प्रसिद्ध कार्डियक सर्जन डा. एमएम यूसुफ और डॉ वरुण बंसल ने एक सम्मेलन के दौरान साझा की। मरीजों को उन्नत उपचार विकल्प प्रदान करने वाली अपनी राष्ट्रव्यापी पहल पर आगे बढ़ते हुए अपोलो अस्पताल का यह कार्यक्रम रोबोटिक हार्ट सर्जरी और रोबोटिक कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्टिंग सीएबीजी, को अपनाने पर केंद्रित रहा। विशेषज्ञों के अनुसार पारंपरिक ओपन.हार्ट सर्जरी की तुलना में रोबोटिक विधि के कई फायदे हैं। इसमें सभी धमनी ग्राफ्ट का उपयोग,कम जटिलताएं, कोई हड्डी नहीं काटनाए काफी कम रिकवरी समय और न्यूनतम घाव शामिल हैं। अगर सफलता की बात करें तो 98 प्रतिशत सफलता दर और न्यूनतम जोखिम का दावा है। रोबोटिक हार्ट सर्जरी अत्यंत छोटे चीरों के माध्यम से प्रक्रियाएं करने के लिए उन्नत रोबोटिक तकनीक और सर्जिकल विशेषज्ञता का उपयोग करके न्यूनतम आक्रामक दृष्टिकोण प्रदान करती है। सम्मेलन में इस बात पर भी जोर रहा कि कैसे ये उन्नत तकनीकें सभी उम्र के रोगियों के लिए तत्काल और दीर्घकालिक लाभ प्रदान करती हैं। इस न्यूनतम आक्रामक दृष्टिकोण से मरीज सर्जरी के 24 घंटे के भीतर चलना शुरू कर देते हैं। अक्सर 48.72 घंटों के भीतर छुट्टी दे दी जाती है। इसके अलावा यह सर्जरी कोरोनरी धमनी रोगए हृदय वाल्व रोगए हृदय ट्यूमर और हृदय में जन्म दोषों के इलाज वाले रोगियों के लिए आवश्यक हैं। दरअसल इस तकनीक की बढ़ती मांग को रेखांकित करते हुए रोबोटिक सर्जरी बाजार के 2030 तक 25.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो मौजूदा वैश्विक बाजार हिस्सेदारी 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है।

दुनिया ने बांधे अफगानिस्तान टीम की तारीफों के पुल

● क्रिकेट टीम की इस उपलब्धि ने पूरे देश को जश्न में सराबोर कर दिया

भाषा। काबुल

दिग्गजों को जमींदोज करके टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची अफगानिस्तान क्रिकेट टीम की इस उपलब्धि ने पूरे देश को जश्न में सराबोर कर दिया और लोग सड़कों पर खुशियां बांटने निकल पड़े। बांग्लादेश के खिलाफ सुपर आठ चरण के वर्षाबाधित मैच में अफगानिस्तान ने आठ रन से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही उसने आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गज को भी बाहर कर दिया। इससे पहले ग्रुप चरण में उसने न्यूजीलैंड को हराया था। नवीनुल हक ने जैसे ही मुस्ताफिजूर रहमान को पगबाधा आउट किया , खोस्त, पकतिया और काबुल में बड़ी तादाद में क्रिकेटप्रेमी जुटने लगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इन शहरों की तस्वीरें एक्स पर डाली है। इसके साथ कैप्शन दिया है, देखो कि सफलता के हमारे लिए क्या मायने हैं। एक और पोस्टर में हजारों प्रशंसकों को सड़कों पर , अपने घरों की बालकनी में और दुकानों की छतों पर जश्न मनाते देखा गया। कैप्शन में कहा गया , उन्हें पता है कि टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान के नायकों की जीत का जश्न कैसे मनाना है। चैम्पियन बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने लिखा , अफगानिस्तान का सेमीफाइनल में पहुंचना अतुलनीय है। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया जैसी टीमों को हराया। यह जीत आपकी प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत की देन है। आपकी प्रगति पर गर्व है। आस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला टॉम मूडी ने टीम को बधाई देते हुए कहा , क्या शानदार मैच था। अफगानिस्तान टीम को बधाई। पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने लिखा , क्या शानदार जीत। न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचना। इसे ही तरक्की कहते हैं। बधाई हो। युवराज सिंह ने लिखा , शानदार नजारा। जबर्दस्त जीत। रोमांचक मैच। जज्बातों का सैलाब। पठान पहली बार सेमीफाइनल में। नवीनुल हक का मैच विनिंग प्रदर्शन।

आस्कर या एमी, गुलबदिन नायब के मैच के दौरान मैदान पर गिरने पर मचा बवाल

किंग्सटाउन। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के आखिरी मैच में अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने अपने खिलाड़ियों को धीमे खेलने का इशारा किया और फिर गुलबदिन नायब नाटकीय ढंग से कमर के बल गिर गए जिससे पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाया है कि क्या वह वाकई तकलीफ में थे। स्लिप में फील्डिंग कर रहे नायब ने 12वें ओवर में ऐंठन की शिकायत की। इससे पहले ट्रॉट को अपने खिलाड़ियों को खेल की गति धीमी करने का इशारा करते कैमरे पर देखा गया था चूंकि बारिश के कारण खलल पड़ने पर डक्वर्थ लुईस प्रणाली से उनकी टीम आगे चल रही थी। मैच में कई बार बारिश के कारण बाधा पड़ी। उस समय बांग्लादेश की टीम सात विकेट पर 81 रन बना चुकी थी और 19 ओवर में 114 रन के संशोधित लक्ष्य का पीछा करते हुए डक्वर्थ लुईस प्रणाली के तहत दो रन से पीछे थी। अफगानिस्तान ने आठ रन से जीत दर्ज करके पहली बार विश्व कप सेमीफाइनल में जगह बनाई। साइमन डाउल ने कमेंट्री करते समय कहा , कोच संदेश दे रहे है कि धीमे हो जाओ और अचानक पहली स्लिप में खड़ा खिलाड़ी बिना वजह गिर जाता है। यह अस्वीकार्य है। जिम्बाब्वे के कमेंटेटर पॉमी एम्बांग्वा ने कहा , आस्कर या एमी। नायब को उपचार दिया गया और तेज गेंदबाज नवीनुल हक उन्हें मैदान से बाहर ले गए। इसके बाद फिर बारिश शुरू हो गई और खिलाड़ी डगआउट में चले गए।

अफगानिस्तान के सेमीफाइनल के सफर से स्वदेश में युवा प्रेरित होंगे : राशिद

किंग्सटाउन। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान का मानना है कि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों को हराने के बाद पहली बार टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करना बहुत बड़ी उपलब्धि है जिससे स्वदेश में युवा खिलाड़ी प्रेरित होंगे। राशिद ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि सेमीफाइनल में जगह बनाने से स्वदेश में युवाओं को काफी प्रेरणा मिलेगी। अफगानिस्तान की टीम ने पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। हमने अंडर 19 स्तर पर ऐसा किया है लेकिन इस स्तर पर हम पहले ऐसा नहीं कर पाए हैं। यहां तक कि हमने सुपर आठ में भी पहली बार जगह बनाई और फिर सेमीफाइनल में पहुंचे। बांग्लादेश के खिलाफ जीत के बाद स्वदेश में आफगानिस्तान की एतिहासिक जीत का जश्न मनाते हुए प्रशंसकों की तस्वीरें और वीडियो

सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। इस उपलब्धि के साथ अफगानिस्तान ने दिखाया कि उन्होंने सफेद गेंद के प्रारूपों में कितनी प्रगति की है। पिछले साल के एकदिवसीय विश्व कप में उन्होंने गत चैंपियन इंग्लैंड और पूर्व चैंपियन श्रीलंका तथा पाकिस्तान को हराया था। टी20 विश्व कप में भी टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीमों को हराया।

सिर्फ लारा को हमारे सेमीफाइनल में पहुंचने का यकीन था

किंग्सटाउन। पिछले महीने ब्रायन लारा ने अफगानिस्तान के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना जताई थी तो कइयों को हैरानी हुई लेकिन यह करिश्मा कर दिखाने वाली टीम के कप्तान राशिद खान ने उनसे वादा किया था कि वह उनके भरोसे पर खरा उतरकर दिखाएंगे। और ऐसा ही हुआ। अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को सुपर आठ चरण के आखिरी मैच में डक्वर्थ लुईस प्रणाली से आठ विकेट पर हराकर न सिर्फ पहली बार विश्व कप के अंतिम चार में जगह बनाई बल्कि आस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को भी टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। काबुलीवाला की कहानी से लेकर युद्ध से जर्जर इस देश की यह कामयाबी अब क्रिकेट की किंवदंतियो का हिस्सा होगी। लारा ने मई में कहा था , वेस्टइंडीज, भारत और इंग्लैड सेमीफाइनल मे पहुंच सक्ते है।

नफीस, बोपाना की एशियाई स्क्वाश में जीत से शुरुआत

इस्लामाबाद। भारत के युशा नफीस और ध्रुव बोपाना ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को यहां अपने प्रतिद्वंद्वियो को आसानी से हराकर 31वी एशियाई जूनियर व्यक्तिगत स्क्वाश चैंपियनशिप में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। छठी वरीयता प्राप्त नफीस ने लड़कों के अंडर-17 वर्ग में पाकिस्तान के उबैद उल्लाह को 11-7 10-12 11-5 11-4 से, जबकि बोपाना ने लड़कों के अंडर-13 वर्ग में ईरान के अमीररेज़ा अल्वानसाज़ याज़दी को 11-4 11-2 11-7 से हराया। लोकेश सुब्रमणि लड़कों के अंडर-15 वर्ग के पहले दौर में सिम एकवेई से हार गए। मलेशिया के खिलाड़ी ने यह मैच 7-11 11-4 11-5 11-2 से जीता। भारत के अन्य खिलाड़ियों को पहले दौर में बाई मिली थी।

कोपा अमेरिका : ब्राजील ने कोस्टा रिका से गोलरहित ड्रॉ खेला

इंगलवुड (अमेरिका)। ब्राजील को कोपा अमेरिका फुटबॉल के पहले मैच में कोस्टा रिका ने गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया। नौ बार की चैम्पियन ब्राजील ने गेंद पर नियंत्रण और विरोधी गोल पर हमलों में दबदबा बनाया लेकिन कोस्टा रिका के गोलकीपर पैट्रिक सिकेरा काफी मुस्तैद थे जिन्होंने तीन गोल बचाए। पहले हाफ में वीएआर चेक के बाद ब्राजील के मारक्विन्होस का एक गोल अमान्य करार दिया गया। इस मैच के बाद कोलंबिया ग्रुप डी में शीर्ष पर है जिसने पराग्वे को 2-1 से मात दी।

क्रोएशिया से ड्रॉ के बाद इटली नॉकआउट में

लीपजिग (जर्मनी)। इटली के स्थानापन्न खिलाड़ी मात्तिया जाकानी ने स्टॉपेज टाइम के आखिरी मिनट में गोल करके क्रोएशिया को। -। से ड्रॉ पर रोका और अपनी टीम को नॉकआउट चरण में जगह भी दिला दी। इससे पहले क्रोएशिया के लिए लुका मोडरिच ने दूसरे हाफ में गोल किया था। इटली को अंतिम 16 में जगह बनाने के लिए ड्रॉ की जरूरत थी जबकि क्रोएशिया को हर हालत मे जीत दर्ज करनी थी। क्रोएशिया के तीन मैचो मे दो ही अंक है और अब तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीम के रूप मे नॉकआउट चरण मे जगह बनाने के लिए उसे बाकी मैचो के नतीजो का इंतजार करना होगा। इटली का सामना अंतिम 16 में शनिवार को स्विटजरलैंड से बर्लिन में होगा।

स्पेन ने अल्बानिया को हराया

डसेलडोर्फ (जर्मनी)। स्पेन ने अपनी पूरी टीम लगभग बदलने के बावजूद यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के मैच में अल्बानिया को 1-0 से हराया। नॉकआउट चरण में पहले ही प्रवेश कर लेने के बाद स्पेन के कोच लुईस डे ला फुएंते ने शुरूआती टीम में दस बदलाव किए। स्पेन ने 2008 के बाद पहली बार ग्रुप चरण के तीनो मैच जीते। स्पेन ने 2008 में खिताब जीता था। स्पेन के लिए 13वे मिनट में फेरान टोरेस ने गोल किया और स्टॉपेज टाइम मे गोलकीपर डेविड राया ने गोल बचाया। पूरे ग्रुप चरण मे स्पेन ने एक भी गोल नहीं गंवाया। ग्रुप बी से इटली ने क्रोएशिया से 1-1 से ड्रॉ खेलकर अगले चरण मे जगह बनाई। अल्बानिया की टीम बाहर हो चुकी है जिसे एक ड्रॉ की ही जरूरत थी।

सुदर्शन काउंटी चैंपियनशिप में फिर सरे के लिए खेलेंगे

लंदन। भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन मौजूदा काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए कुछ मैच खेलने के लिए इंग्लैंड लौटेंगे। क्लब ने मंगलवार को यह घोषणा की। यह 22 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी पिछले सत्र में सरे से जुड़ा था और उन्होने दो काउंटी चैंपियनशिप मैच खेले थे। उन्होंने एक अर्धशतक सहित 116 रन बनाए थे जिससे टीम को अपना 22वां खिताब जीतने में मदद मिली थी। चेन्नई के इस क्रिकेटर ने आईपीएल 2024 सत्र मे शानदार प्रदर्शन किया और वह गुजरात टाइटंस के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।

अर्धशतक या शतक मायने नहीं रखते : रोहित

● गेंदबाजों पर दबाव बनाना चाहता था

भाषा। ग्रोस आइलेट (सेंट लूसिया)

वह संभवत: रिकॉर्ड तोड़ शतक बनाने से चूक गए लेकिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के लिए निजी उपलब्धियां मायने नहीं रखते और उनका एकमात्र लक्ष्य गेंदबाजों को मैदान के चारों ओर शॉट लगाकर उन पर दबाव बनाना था। रोहित ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर आठ चरण के आखिरी मैच में 41 गेंद में सात चौकों और आठ छक्कों से 92 रन की आक्रामक पारी खेली जिससे भारत ने पांच विकेट पर 205 रन का मौजूदा टूर्नामेंट का अपना सर्वोच्च स्कोर बनाकर 24 रन से जीत दर्ज की।

टी20 विश्व कप में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम है जिन्होंने 2016 में 47 गेंदों में तिहरा अंक छुआ था। रोहित इस रिकॉर्ड को तोड़ने के बिल्कुल करीब थे। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रोहित ने कहा कि वह बस उसी अंदाज में बल्लेबाजी करना चाहते थे जैसे अब तक करते आए हैं। रोहित ने मैच के बाद कहा, जब आप खुले दिमाग से खेलते हैं और सिर्फ एक शॉट के बारे में नहीं सोचते तो आप मैदान के सभी हिस्सों में रन बना सकते हैं। यह एक अच्छा विकेट था और आप शॉट खेलने के लिए खुद को तैयार करना चाहते हैं। मैं पिछले कुछ वर्षों से ऐसा करने की कोशिश कर रहा हूं और मुझे खुशी है कि आज यह संभव हो पाया। उन्होंने कहा, अर्धशतक और शतक मायने नहीं रखते, मैं बस उसी अंदाज से बल्लेबाजी करना चाहता था जैसे करता आया हूं।

मेरे विकेटों का काफी श्रेय बुमराह को जाता है : अर्शदीप

जॉर्जटाउन। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि जसप्रीत बुमराह की सटीक गेंदबाजी से बाकी भारतीय गेंदबाजों को बेहद दबाव के हालात में भी विकेट लेने का मौका मिल जाता है। अर्शदीप अब तक टी20 विश्व कप में 11 . 86 की औसत और 7 . 41 की इकॉनॉमी रेट से 15 विकेट ले चुके है। दूसरी ओर बुमराह ने 11 विकेट लिए है लेकिन उनका इकॉनॉमी रेट 4 . 08 ही रहा है। अर्शदीप ने कहा , मुझे लगता है कि काफी श्रेय जसप्रीत को जाता है क्योंकि वह बल्लेबाजों पर काफी दबाव बनाते है। वह तीन या चार रन ही एक ओवर मे देते है। ऐसे में मुझे सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है और विकेट लेने के कई मौके मिल जाते है। वे मेरे खिलाफ अधिक जोखिम लेने लगते है और फिर विकेट मिलने के मौके बन जाते है। इसलिए इसका ज्यादा श्रेय जसप्रीत को जाता है। स्पिनर कुलदीप यादव तीन मैचो मे सात विकेट ले चुके है। उनके बारे में अर्शदीप ने कहा , कुलदीप चैम्पियन स्पिनर है। उसे जब भी मौका मिलता है, वह विकेट लेता है। वह टीम का अहम खिलाड़ी है और उम्मीद है कि वह आगे और भी विकेट लेगा।

भारत और अफगानिस्तान के बीच फाइनल की दुआ कर रहे हैं अफगान शरणार्थी

नई दिल्ली। छोटे से रोमिल वकील को पता नहीं है कि क्रिकेट की दुनिया में क्या हो रहा है, लेकिन मोहम्मद इस्माइल वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप पर करीबी नजर रखे हुए हैं और उनकी दिली तमन्ना है कि इस टूर्नामेंट का फाइनल भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला जाए। अफगानिस्तान के शरणार्थी दिल्ली में भले ही दो जून की रोटी जुटाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं लेकिन उनमें से कई क्रिकेट के दीवाने भी हैं, जबकि कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें यह भी नहीं पता है कि राशिद खान कौन हैं। इनमें वकील भी शामिल हैं जो अपने 15 वर्षीय भाई इदरीश के साथ क्रिकेट खेलना पसंद करते हैं।

डकवर्थ-लुईस पद्धति के जनक फ्रेंक डकवर्थ का निधन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के सांख्यिकीविद और डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) पद्धति को तैयार करने वालों में शामिल फ्रेंक डकवर्थ का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। रिपोर्ट के अनुसार डकवर्थ का 21 जून को निधन हो गया। डकवर्थ-लुईस पद्धति को डकवर्थ और उनके साथी सांख्यिकीविद टोनी लुईस ने तैयार किया और इसका इस्तेमाल बारिश से प्रभावित मैचों के नतीजे के लिए किया जाता है। इस पद्धति को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे पहले 1997 में लागू किया गया और 2001 में आईसीसी उन मुकाबलों में संशोधित लक्ष्य देने की मानक प्रणाली के रूप इसे स्वीकार किया जहां ओवरों की संख्या में कटौती होती है। डकवर्थ और लुईस की सेवानिवृत्ति और ऑस्ट्रेलिया के सांख्यिकीविद स्टीवन स्टर्न द्वारा इसमें कुछ संशोधन के बाद इस पद्धति को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नाम दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वार्नर का सफर खत्म

भाषा। किंग्सटाउन

ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डेविड वार्नर के उपलब्धियों और विवादों से भरे 15 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का मंगलवार को यहां टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की बांग्लादेश पर जीत के साथ निराशाजनक अंत हो गया। अफगानिस्तान की जीत के साथ पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा। बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ 2021 का चैंपियन ऑस्ट्रेलिया सिर्फ दो अंक के साथ सुपर आठ ग्रुप एक तालिका में तीसरे स्थान पर रहा। टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ चौंकाने वाली हार के अलावा भारत के खिलाफ भी शिकस्त झेलनी पड़ी। ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों में से

एक वार्नर को गॉर्ड ऑफ ऑनर नहीं मिल सका और ना ही दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। अपने अंतिम मुकाबले में उन्होंने छह गेंद में छह रन बनाए और अर्शदीप सिंह की गेंद पर सूर्यकुमार यादव को कैच दे बैठे। वह सिर झुकाए मैदान से बाहर चले गए, उन्हें नहीं पता था कि यह उनका आखिरी मैच था या नहीं। वार्नर ने 110 मैच में 33.43 के औसत और 142.47 के स्ट्राइक रेट से 3,277 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया के सर्वोच्च स्कोरर और दुनिया के सातवें सबसे सफल बल्लेबाज के रूप में टी20 प्रारूप से संन्यास लिया। उन्होंने सबसे छोटे प्रारूप में एक शतक और 28 अर्द्धशतक बनाए। उन्होंने 2011 से 2024 के बीच 112 टेस्ट में 44.59 की औसत से 26 शतक और 37 अर्द्धशतक के साथ 8,786 रन बनाए जबकि 161 एकदिवसीय मुकाबलों में 22 शतक और 33 अर्धशतक की मदद से 45.30 की औसत से 6,932 रन जोड़े। वार्नर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 49 शतक और 19,000 के करीब रन बनाए।

वार्नर जैसा तीनों प्रारूप में प्रभाव छोड़ने वाला खिलाड़ी मिलना मुश्किल: पोंटिंग

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने टी20 विश्व कप के बाद संन्यास लेने वाले सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर की जमकर प्रशंसा करते हुए मंगलवार को कहा कि उनके जैसा तीनों प्रारूप मे अपना प्रभाव छोड़ने वाला खिलाड़ी मिलना बेहद मुश्किल होगा। अफगानिस्तान की बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ ही वार्नर का 15 साल तक चला अंतरराष्ट्रीय करियर भी समाप्त हो गया। अफगानिस्तान की जीत के कारण ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल मे जगह नही बना पाया।पोंटिग ने आईसीसी के एक कार्यक्रम में कहा, मैंने उनके कंधे पर हाथ रखा और कहा कि आज की रात कुछ देर के लिए बैठो और ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनो प्रारूप मे अपने अविश्वसनीय करियर पर विचार करो। हम जानते थे कि उन्होने पिछली गर्मियो मे टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन आपको वैसा खिलाड़ी मिलना मुश्किल है जिसने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट मे डेविड वॉर्नर की तरह तीनों प्रारूप में अपनी छाप छोड़ी हो।

महिला टी20 एशिया कप के पहले मैच में 19 जुलाई को पाकिस्तान से भिड़ेगा भारत

भाषा। नई दिल्ली।

गत चैंपियन भारत श्रीलंका के दाम्बुला में होने वाले महिला टी20 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 19 जुलाई को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ करेगा। यह टूर्नामेंट 19 से 28 जुलाई तक खेला जाएगा जिसमें महाद्वीप की आठ टीमें हिस्सा लेंगी। पिछली बार के विपरीत इस साल आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत, पाकिस्तान, यूएई और नेपाल को ग्रुप ए में जगह मिली है जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड और मलेशिया ग्रुप बी में हैं। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा जारी अपडेट कार्यक्रम के अनुसार पाकिस्तान के खिलाफ खेलने के बाद भारत 21 जुलाई को यूएई और 23 जुलाई को नेपाल से भिड़ेगा। प्रत्एक ग्रुप से शीर्ष दो टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी जो 26 जुलाई को खेले जाएंगे। फाइनल 28 जुलाई को होगा। टूर्नामेंट में एक बार फिर मैच अधिकारी की भूमिका में सभी महिला अधिकारी होंगी। भारत सात खिताब के साथ एशिया कप की सबसे सफल टीम है। यह टूर्नामेंट 2012 से टी20 प्रारूप में खेला जा रहा है।

मंधाना व हरमनप्रीत महिलाओं में शीर्ष 10 में

वनडे रैंकिंग

भाषा। दुबई

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी की महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दो पायदान आगे नौवें स्थान पर पहुंच गई जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना एक पायदान नीचे चौथे स्थान पर खिसक गई। मंधाना के 738 जबकि हरमनप्रीत के 648 रेटिंग अंक हैं। मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई तीन मैच की श्रृंखला में 343 रन

बनाकर शीर्ष 10 में अपनी जगह बनाए रखी। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने शीर्ष रैंकिंग हासिल करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। वह तीन पायदान चढकर दूसरे स्थान पर पहुंच गई है तथा इंग्लैंड की नंबर एक बल्लेबाज नैट साइवर ब्रंट से केवल 16 अंक पीछे है। दक्षिण अफ्रीका इस श्रृंखला के तीनों मैच में हार गया था लेकिन वोलवार्ट ने दूसरे मैच में नाबाद 135 रन की पारी खेली थी। गेंदबाजी में भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा चौथे स्थान पर बनी हुई है। उनके 671 रेटिंग अंक हैं।

भारत की चुनौती को तैयार नही था ऑस्ट्रेलिया : हॉग

भाषा। ग्रॉस आइलेट

पूर्व क्रिकेटर ब्रैड हॉग ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप में भारत की चुनौती के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं था और यहां सुपर आठ के मैच में जब रोहित शर्मा ने मिचेल स्टार्क के एक ओवर में 29 रन बनाए तो इस तेज गेंदबाज को नहीं पता था कि क्या करना है। रोहित ने स्टार्क के एक ओवर में 29 रन सहित 41 गेंद में 92 रन की पारी खेली जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 206 रन का लक्ष्य दिया। भारत ने 24 रन से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां उसकी भिड़ंत इंग्लैंड से होगी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए सात टेस्ट, 123 एकदिवसीय और 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले हॉग ने स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम में कहा, मुझे लगता है कि वे तैयार नहीं थे। मिचेल स्टार्क के साथ यही चिंता है। अगर गेंद स्विंग नहीं हो रही होती तो वह काफी तेजी से अपनी लेंथ में बदलाव नहीं करता। और उसने रोहित शर्मा को भी अपनी लेंथ में तेजी से बदलाव नहीं किया, तब भी नहीं जब ओवर में 29 रन बने। रोहित की धमाकेदार पारी के अलावा ऑस्ट्रेलिया के खराब क्षेत्ररक्षण ने भी टीम की हार में भूमिका निभाई। भारत से हारने और फिर अफगानिस्तान की बांग्लादेश पर जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया विश्व कप से बाहर हो गया। मुझे पता था वे वापसी नहीं करेंगे क्योंकि वे समाधान खोजने के बजाय केवल यह देखने की कोशिश कर रहे थे कि क्या गलत हो रहा है। इसलिए शायद यहीं पर गलती हुई। और साथ ही हार्दिक पंड्या का कैच छोड़ना, कप्तान मिशेल मार्श के लिए एक आसान कैच था जबकि कुछ ओवर बचे थे।

दुनिया के नंबर एक पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी बने सुहास यथिराज

नई दिल्ली। भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास यथिराज मंगलवार को नवीनतम बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन विश्व रैंकिंग में फ्रांस के दिग्गज लुकास माजुर को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन गए।चालीस साल के अर्जुन पुरस्कार विजेता सुहास को तोक्यो पैरालंपिक के एसएल-4 वर्ग के खिताबी मुकाबले में माजुर के खिलाफ हार के चलते रजत पदक से संतोष करना पड़ा था।सुहास के नाम पर अब 60 हजार 527 अंक हैं जो फ्रांस के उनके प्रतिद्वंद्वी माजुर (58 हजार 953) से अधिक हैं।सुहास ने एक्स पर लिखा, अंततः विश्व नंबर एक। यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि आज घोषित नवीनतम बैडमिंटन विश्व महासंघ पैरा बैडमिंटन रैंकिंग में पुरुष एकल वर्ग में मुझे जीवन में पहली बार विश्व नंबर एक रैंकिंग मिली है। मैंने लंबे समय से विश्व नंबर एक खिलाड़ी फ्रांस के लुकास माजुर की जगह ली। आपके आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी सुहास ने इस साल फरवरी में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान को पछाड़कर विश्व चैंपियनशिप खिताब जीता था।

क्विक न्यूज

हमने अपने सभी समर्थकों को निराश किया, मैं टीम की तरफ से माफी मांगता हूं: शांतो

किंग्सटाउन। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने टी20 विश्व कप में अपनी टीम के खराब प्रदर्शन के लिए प्रशंसकों से माफी मांगते हुए इस निराशाजनक अभियान के लिए बल्लेबाजों को दोषी ठहराया।भारत की ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद बांग्लादेश के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका था लेकिन सुपर 8 के अपने अंतिम मैच में उसे अफगानिस्तान से हार का सामना करना पड़ा।शांतो ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, सबसे पहले मैं यह कहना चाहूंगा कि एक टीम के रूप में हमने बांग्लादेश के अपने प्रशंसकों को निराश किया। इसलिए मैं टीम की तरफ से माफी मांगता हूं। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नही कर पाए। उन्होंने कहा, हमें इसके लिए खेद है।

ओलंपिक खेलों में भारत के 100 साल पूरे होने के अवसर पर पेरिस में किया प्रदर्शनी का आयोजन

मुंबई। जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने ओलंपिक दिवस के अवसर पर पेरिस में एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। जिसमें ओलंपिक आंदोलन के संस्थापक पियरे डी कुबर्टिन के जीवन और विरासत का जश्न मनाया गया। साथ ही खेलों में भारत की उपस्थिति के 100 साल पूरे होने का जश्न भी इस समारोह में मनाया गया। जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती संगीता जिंदल और इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफस्पोर्ट के फाउंडर पार्थ जिंदल के साथ आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाकए संस्कृति मंत्री मैडम रचिदादाती, फ्रांस गणराज्य में भारत के राजदूत महामहिम जावेद अशरफ और पियरे डी कुबर्टिन फैमिली एसोसिएशन की प्रेसिडेंट श्रीमती एलेक्जेंड्रा डी नवसेले ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह पेरिस के 7वें अरोन्डिसमेंट के टाउन हॉल में आयोजित की जाएगी और सितंबर में पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन पैरालंपिक खेलों के अंत तक जारी रहेगी। इस अवसर पर बोलते हुएए जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन की चेयरपर्सन श्रीमती संगीता जिंदल ने कहा कि जेएसडब्ल्यू समूह पेरिस में जीनियस ऑफ स्पोर्ट प्रदर्शनी में ओलंपिक में भारत के 100 वर्ष के क्यूरेशन को सपोर्ट करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहा है। 2024 ओलंपिक जेएसडब्ल्यू समूह के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

टखने में दर्द के कारण गोला फेंक खिलाड़ी तूर राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से हटे

नई दिल्ली। भारत के गोला फेंक के शीर्ष खिलाड़ी तेजिंदर पाल सिंह तूर टखने में दर्द के कारण गुरुवार से पंचकूला में शुरू हो रही राष्ट्रीय अंतर राज्ईय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से हट गए जो आगामी पेरिस ओलंपिक खेलों की अंतिम क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है। कुछ दिन पहले तक एशियाई रिकॉर्ड धारक तूर विश्व रैंकिंग कोटा के जरिए पेरिस खेलो के लिए क्वालीफाई करने की राह पर है। वह गत एशियाई चैंपियन और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। तूर ने पीटीआई को बताया, अभी मेरे टखने में थोड़ा दर्द है और मेरे डॉक्टर ने तीन से चार हफ्तों तक थ्रो नही करने के लिए कहा है। भारत के 29 साल के तूर के नाम कुछ समय पहले तक 21.77 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड था। सऊदी अरब के मोहम्मद दाओबा तोलो ने 21 जून को मैड्रिड मे एस्टाडियो वालेहर्मोसो प्रतियोगिता में 21.80 मीटर के प्रयास के साथ उनके रिकॉर्ड को तोड़ा।

योग से मन और मस्तिष्क रहता है स्वस्थ

लखनऊ। स्वस्थ मानव शरीर से सभी लक्ष्य साधे जा सकते हैं। आध्यात्मिक गुरु देवेंद्र मोहन भैयाजी के इसी संदेश के साथ योग दिवस पर रजनी केयर फाउंडेशन की ओर आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने जमकर योगाभ्यास किया। राजधानी लखनऊ के श्रंगार नगर पार्क में आयोजित योग साधना कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लखनऊ की पूर्व महापौर श्रीमती संयुक्ता भाटिया ने लोगों का उत्साहवर्धन किया। संयुक्ता भाटिया ने कहा कि रजनी केयर फाउंडेशन की ओर से आयोजनत योग शिविर कार्यक्रम स्वस्थ समाज के प्रति संस्था के समर्पण को दिखाता है। उन्होंने प्रतिदिन योग की महत्ता को बताते हुए स्वच्छ पर्यावरण पर भी जोर दिया। योगगुरु अनूप ओम और योगाचार्या शालिनी के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने विभिन्न योग एवं आसन किए। योगगुरु डॉण् परमेन्द्र वैद्य ने दैनिक जीवन में योग और आयुर्वेद के महत्व को लोगों के बीच रखा। फिटनेस कोच गौरव राय ने लोगों को नियमित रुप से व्यायाम करने की सलाह दी। शिक्षाविद धनंजय गुप्ता ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आग्रह किया।

भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी तन्वी शर्मा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सीनियर प्रतियोगिता के फाइनल मे जगह बनाने वाली तन्वी शर्मा 28 जून से इंडोनेशिया के योग्यकर्ता में होने वाली बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी। जूनियर राष्ट्रीय रैंकिंग चैंपियन प्रणय शेट्टीगर और महाराष्ट्र की अलीशा नाइक, शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय जूनियर ध्रुव नेगी और नव्या कंडेरी जैसे खिलाड़ी भी 18 सदस्ईय टीम में शामिल है। भारत को इस मिश्रित टीम चैंपियनशिप में इंडोनेशिया, वियतनाम और फिलिपीस के साथ ग्रुप सी मे रखा गया है। भारतीय टीम इस प्रकार है:पुरुष एकल: प्रणय शेट्टीगर, ध्रुव नेगी, रौनकचौहान और प्रणव राम एन,पुरुष युगल: अर्श मोहम्मदासंस्कार सारस्वत और भार्गव राम अरिगेलाविश्व तेज गोब्बुरू,महिला एकल: तन्वी शर्मा, नव्या कंडेरी, अलीशा नाइक और आदर्शिनी श्री एनबी,महिला युगल: गायत्री रावतामनसा रावत और नव्या कंडेरीरेशिका यू ,मिश्रित युगल: भार्गव राम अरिगेलावेन्नाला के और वंश देवाश्रावणी वालेकर।

शाओमी ने युवराज से की साझेदारी

मुंबई। भारत में इनोवेशन और सामुदायिक कल्याण में योगदान देते हुए दस साल पूरे करने के अवसर पर ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडर, शाओमी इंडिया ने क्रिकेटर और कैंसर सर्वाईवर, युवराज सिंह द्वारा स्थापित एक नॉन.प्रॉफिट संगठन,युवराज सिंह फाउंडेशन यूवीकैन के साथ एक ऐतिहासिक साझेदारी की घोषणा की। इसके अंतर्गत ष्स्वस्थ महिलाए स्वस्थ भारतष् प्रोजेक्ट द्वारा वंचित और संसाधनों की कमी वाली महिलाओं पर केंद्रित रहते हुए 15 राज्यों में 12 महीनों के दौरान स्तन कैंसर से पीड़ित 1,50,000 महिलाओं की जाँच की जाएगी। यह अभियान भारत में प्रभाव और पहुँच के मामले में शाओमी का अब तक का सबसे विशाल प्रयास है। शाओमी इंडिया के प्रेसिडेंटए मुरलीकृष्णन बी ने कहा कि भारत में हमारे एक दशक के सफर में हम सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए अपने विस्तृत नेटवर्क का उपयोग कर एक टेक्नोलॉजी ब्रांड के मुकाबले काफी आगे तक विकास कर गए हैं। कड़वी सच्चाई यह है कि भारत में स्तन कैंसर के कारण हर 6 मिनट में एक महिला की मौत होती है, जिनमें से 70 प्रतिशत मामलों में निदान जाँच की कमी के कारण काफी एडवांस्ड स्टेज में होता है। इससे प्रदर्शित होता है कि हमारा यह मिशन कितना महत्वपूर्ण है। हमें युवराज सिंह फाउंडेशन यूवीकैनद्ध के साथ मिलकर काम करने पर गर्व है। हम मिलकर व्यापक परिवर्तन लाने के लिए अपनी टेक्नोलॉजिकल विशेषज्ञता का उपयोग करेंगे। हम साथ में स्तन कैंसर से जुड़े कलंक को तोड़नाए जागरुकता बढ़ानाए और इसकी तुरंत पहचान संभव बनाना चाहते हैंए ताकि अनेकों जानों को बचाया जा सके। यह अभियान भारत के लिए हमारी प्रतिबद्धता के अंतर्गत है, जो स्वास्थ्य की गंभीर चुनौतियों को संबोधित करने और स्थायी सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए इनोवेशन से बढ़कर है। युवराज सिंह पूर्व क्रिकेटर और संस्थापक युवराज सिंह फाउंडेशन यूवीकैन ने कहा कि स्वस्थ महिला स्वस्थ भारत अभियान भारत में स्तन कैंसर के खिलाफ हमारी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।